जबलपुर, रविवार 15 नवंबर 2026 ■ कार्तिक मास शुक्ल पक्ष-6 ■ वर्ष : 21, अंक : 190 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 31 न्यून. 17 haribhoomi.com



जल, जंगल और जमीन के रक्षक को नमन

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी





inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना

हरिभूमि सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार 2026 का सामान्य कूपन कल के अंक में देखें।

खबर संक्षेप

मदर डेयरी का दूध 4 रुपए प्रति लीटर तक महंगा

भोपाल। मध्य प्रदेश में दूध उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका लगा है। अमूल और सांची के बाद अब मदर डेयरी ने भी दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें 14 नवंबर से लागू हो गई हैं। कंपनी ने दूध की अलग-अलग वैरायटी और पैक के हिसाब से कीमतें बढ़ाई हैं।



खरगोन में पांच सेकंड तक कांपी धरती

खरगोन। जिले में शनिवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 दर्ज की गई। सुबह करीब 9:15 बजे आए झटके लगभग पांच सेकंड तक महसूस हुए। अचानक धरती हिलने से लोगों में दहशत फैल गई और वे घरों से बाहर निकल आए।



स्कूल जा रहे प्रधानाध्यापक को ट्रक ने कुचला

मुरैना। जिले के पहाड़गढ़ क्षेत्र में शनिवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक को कुचल दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान शासकीय प्राथमिक विद्यालय कुसमानी के प्रधानाध्यापक ब्रजेश नरवरे (45) के रूप में हुई है। वह मुरैना से स्कूल जा रहे थे।



जनजातीय गौरव दिवस पर विशेष

हमारे लिए भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाना केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन को बेहतर बनाने का एक राष्ट्रीय संकल्प है

भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि विचारधारा



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र शासन

सीएम का ब्लॉग

15 नवंबर का दिन न केवल जनजातीय समाज के लिए, बल्कि समूचे भारत वर्ष के लिए आत्म-स्वाभिमान, अदम्य साहस और देशभक्ति के स्मरण का दिवस है। आज धरती आबा, उलगुलान के प्रणेता भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती है। इस पावन अवसर पर मैं मध्यप्रदेश की समस्त 8 करोड़ जनता की ओर से जनजातीय नायकों के चरणों में नमन करता हूं। भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उन्होंने बेहद कम आयु में अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ जो उलगुलान (क्रांति) छेड़ा, उसने देश की आजादी की नींव को मजबूत करने का काम किया। जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष आज भी हम सभी को राष्ट्रसेवा और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है। मध्यप्रदेश जनजातीय संस्कृति और गौरव का केंद्र रहा है, जो देश का सबसे बड़ा जनजातीय आबादी वाला राज्य है। हमारे लिए भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाना केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन को बेहतर बनाने का एक राष्ट्रीय संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की ऐतिहासिक शुरुआत की थी। मध्यप्रदेश को यह सौभाग्य मिला था कि इस ऐतिहासिक निर्णय का साक्षी और ध्वजवाहक हमारा राज्य बना। हमारी सरकार का स्पष्ट मानना है कि जब तक हमारा जनजातीय समाज सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होगा, तब तक मध्यप्रदेश के पूर्ण विकास की कल्पना अधूरी है। इसी दिशा में राज्य सरकार लगातार कई ऐतिहासिक कदम उठा रही है। हमने राज्य में पेसा कानून लागू कर जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन से जुड़े निर्णयों में आत्मनिर्भर और अधिकार संपन्न बनाया है। अब गांव की ग्राम सभाओं को ही अपने संसाधन प्रबंधित करने का पूरा अधिकार है। जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की श्रृंखला तैयार की जा रही है। साथ ही सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाकर लाखों जनजातीय भाई-बहनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाकर उपचारित भी किया गया है।



उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने पुरानी संसद के समक्ष बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि दी

भगवान बिरसा मुंडा ने कहा था

स्वाभिमान से बड़ा कोई धन नहीं और संस्कृति से बड़ा कोई गहना नहीं

मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जबलपुर में जनजातीय गौरव सप्ताह का किया शुभारंभ

जनजातीय नायकों से परिचित कराने सप्ताहभर होंगे आयोजन

- मुख्यमंत्री ने समारोह में जनजातीय परिधान धारण कर पारंपरिक ढोल बजाया तथा अपनी सहभागिता से जनजातीय संस्कृति, परंपरा और लोककला के प्रति सम्मान एवं जुड़ाव का संदेश दिया



मुख्यमंत्री तीर-कमान चलाते हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महान क्रांतिकारी, जननायक और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में जनजातीय गौरव सप्ताह शुरू हो गया। इसके तहत जनजातीय क्षेत्रों में कई बड़े आयोजन होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर से जनजातीय गौरव सप्ताह का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा को जितने अलंकरण दिए जाएं कम हैं। उन्होंने अपने 25 वर्ष की अल्पायु में स्वदेश, स्वधर्म, स्वाभिमान और समाज में अनुशासन को विशेष महत्व दिया।

भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी पहचान और संस्कृति के लिए जागरुक और संगठित होने की सीख दी



सीएम डॉ. यादव भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए

- उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनजातीय समाज के समाजसेवियों और प्रतिभाओं का किया सम्मान
- मुख्यमंत्री को साफा बांधकर तीर-कमान भेंटकर किया गया सम्मानित



जल संरक्षण, कला-साहित्य, खेले क्षेत्र की प्रतिभाओं का किया गया सम्मान

डॉ. यादव ने जनजातीय समाज में अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों का सम्मान किया। जल संरक्षण के लिए श्रीमती उजियारो बाई, हैदराबाद आर्ट एग्जीबिशन के लिए सुश्री पूर्णिमा पुसरे, 10 वीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में 8 वां स्थान करने वाली सुश्री पूजा धुर्वे, अंतर्राष्ट्रीय पैरा एथलीट सुश्री जमना उइके, पैर से लिखने वाली दिव्यांग सुश्री द्रोपदी धुर्वे, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने वाले पीएचडी स्कॉलर राम किशोर सिरसाम, बॉलीबाल में गोल्ड मेडलिस्ट हिमांशु परते, गौंडवाना लोक साहित्य के साहित्यकार डॉ. टीआर बरकड़े को सम्मान स्वरूप शील्ड प्रदान की गई।

सरकार जनगातीय नायकों के योगदान को जन-जन तक पहुंचा रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय नायकों के योगदान और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचा रही है। हमारी सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक जबलपुर में आयोजित की।

छिंदवाड़ा, डिंडोरी और बालाघाट में सांदीपनि विद्यालय बनाए जाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जबलपुर को 133 करोड़ की लागत से छात्रावास और विद्यालय की सौगात मिली है।



महिला राइडर्स के साथ बाइक पर पीछे बैठे राहुल गांधी

राहुल ने तेलंगाना में सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण योजना का किया शुभारंभ

गिग वर्कर्स को अब काम और कमाई का पूरा हिसाब मिलेगा

बोले भाजपा मजदूरों को बंधुआ बनाना चाहती है

एजेंसी:हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण योजना की शुरुआत की। इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि भाजपा मजदूरों को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है, जबकि कांग्रेस उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए काम कर रही है। राहुल ने कहा कि कुछ समय पहले तेलंगाना के गिग वर्कर्स के साथ उनकी बैठक हुई थी। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी परेशानियां और समस्याएं साझा की थीं। तब उन्होंने, मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी ने उनकी मांगों पर कार्रवाई करने और हरसंभव मदद का वादा किया था। आज सरकार इस वादे को पूरा कर रही है। नई योजना के तहत उन्हें अपने डेटा पर अधिकार मिलेगा। राहुल ने कहा कि अब गिग वर्कर्स अपने मोबाइल फोन पर देख सकेंगे कि उन्होंने कितनी राइड पूरी कीं, कितना काम किया और इसके बदले उन्हें कितने पैसे मिले। इससे उनके काम और कमाई का पूरा हिसाब पारदर्शी तरीके से उपलब्ध होगा।

पीएम मोदी के साथ सेल्फी



नई दिल्ली। शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 45वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2026 के दौरान एक आगंतुक विकास और विरासत डिजिटल सेल्फी बूथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल कटआउट के साथ फोटो खिंचवाता हुआ।

20 फीट ऊंची लपटों में जलकर खाक हुई बस

दिल्ली से छतरपुर जा रही डबल डेकर एसी बस में 'भीषण आग'

- ड्राइवर ने सड़क किनारे रोकी बस 40 यात्री बचे
- आग कैसे लगी? इसके कारण का खुलासा नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

मथुरा जनपद अंतर्गत यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार देर रात करीब डेढ़ बजे एक बड़ा और भयावह हादसा होते-होते टल गया। दिल्ली के कश्मीरी गेट से मध्य प्रदेश के छतरपुर जा रही खजुराहो ट्रैवल्स की डबल डेकर एसी स्लीपर बस (एमपी 14 जेडएच 5063) में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और बस से करीब 20 फीट ऊंची आग की लपटें उठने लगीं।



एआई इमेज

महिला ने यह कदम क्यों उठाया? इसकी वजह स्पष्ट नहीं

बेटी-बेटे के संग कुए में कूदी मां, तीनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतलाम

जावरा स्थित मीनाखेड़ा गांव में शनिवार सुबह एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ खेत के कुए में छलांग लगा दी। मां और दोनों बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष के लोगों ने महिला के ससुराल पहुंचकर तोड़फोड़ की और घर के बिस्तरों में आग लगा दी।



दया (मां) | दक्षु (बेटी) | अरविंद

74 देशों में ठप रहा कामकाज, कंपनी ने जताया खेद

36 घंटे बाद माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं शुरु नेटवर्क अपग्रेड बना आउटेज की वजह

- आउटलुक, टीम्स और कोपायलट रहे प्रभावित

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

माइक्रोसॉफ्ट 365 की सेवाएं 36 घंटे से अधिक समय तक बाधित रहने के बाद बहाल हो गई हैं। इस तकनीकी गड़बड़ी से आउटलुक, टीम्स और कोपायलट प्रभावित हुए। कंपनी ने स्पष्ट किया कि आउटेज की वजह साइबर हमला या कृत्रिम बुद्धिमत्ता नहीं, बल्कि नेटवर्क अपग्रेड के दौरान हुई तकनीकी समस्या थी। कम से कम 74 देशों के यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। माइक्रोसॉफ्ट ने घटना पर खेद जताते हुए कहा कि समस्या के मूल कारण को ठीक कर सेवाएं बहाल कर दी गई हैं। यह समस्या 12 नवंबर को शुरू हुई थी। सर्वर के ऑटोमेटेड हेल्थ चेक में फेल होने से उनका कामकाज बंद हो गया और अतिरिक्त लोड दूसरे सर्वरों पर पहुंच गया। ईमेल की लंबित कतारों के कारण सेवाओं को सामान्य होने में और समय लगा।



सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के एसडीओ संजीव शर्मा के छिंदवाड़ा और पचमढ़ी स्थित ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

पिछले 5 साल में मप्र में 11 करोड़पति अफसर कर्मचारी पकड़े जा चुके

एसडीओ के पास 3 करोड़ का सोना, 26 लाख कैश होटल और रिसॉर्ट समेत 7.60 करोड़ रुपए की संपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के एसडीओ संजीव शर्मा के छिंदवाड़ा और पचमढ़ी स्थित ठिकानों पर शनिवार सुबह लोकायुक्त ने छापा मारा। अब तक 26 लाख रुपए कैश, 2.5 किलो सोना (कीमत 3.50 करोड़ रुपए), 1.6 किलो चांदी (कीमत 2.94 लाख रुपए) और दो होटल-रिसॉर्ट समेत करीब 7 करोड़ 60 लाख रुपए की संपत्ति का खुलासा हुआ है।



संजीव शर्मा



एसडीओ संजीव शर्मा के घर लोकायुक्त की कार्रवाई

दो होटल-रिसॉर्ट, 28 जमीनों के दस्तावेज मिले

पचमढ़ी स्थित संजीव शर्मा के सरकारी आवास से मटकुली के इकोटेल होटल एंड रिसॉर्ट के दस्तावेज मिले हैं। इसे 2016-17 में खरीदा गया था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ रुपए है। पचमढ़ी के सेरेनिटी द विला होटल के दस्तावेज भी मिले हैं। इसे 2014 में खरीदा गया था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ रुपए है।

छिंदवाड़ा और पचमढ़ी से मिला 2.5 किलो सोना

लोकायुक्त टीम ने छिंदवाड़ा की प्रोफेसर कॉलोनी स्थित पैतृक मकान की तलाशी ली। यहां से 3 लाख 1 हजार 800 रुपए कैश, 927.924 ग्राम सोना और 356 ग्राम चांदी मिली। पचमढ़ी स्थित सरकारी आवास से 23 लाख 35 हजार रुपए कैश, 1,600 ग्राम सोना और 1,300 ग्राम चांदी के जेवर मिले।

जननायक भगवान बिरसा मुंडा जी
की 151वीं जयंती पर शत शत नमन

जनजातीय गौरव दिवस





₹1353 करोड़ की डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण

मुख्य अतिथि

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

द्वारा संबोधन (वर्चुअल माध्यम से)

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

15 नवम्बर 2026

पुलिस ग्राउंड डही, जिला धार

अधिकार, अवसर और आत्मनिर्भरता से सशक्त होता जीवन

सामुदायिक उत्थान

- वन अधिकार अधिनियम में 2.89 लाख+ दावे मान्य
- 1.90 लाख+ किसानों को पीएम सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण से सहायता
- धरती आबा अभियान एवं पीएम जन मन में 5 लाख+ आवास तथा 2,221 कि.मी. सड़कें स्वीकृत
- पीएम जन मन में 29,700+ पीवीटीजी घरों में बिजली एवं 9.20 लाख+ घरों में पहुंचा नल से शुद्ध जल
- 1 हेक्टेयर तक के भूमिधारकों को 5HP तक के पंप पर निःशुल्क बिजली

शिक्षा और अवसर

- 3 वर्षों में ₹1,820 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित
- आकांक्षा योजना में NEET, JEE, CLAT की कोचिंग
- 1,109 उच्च माध्यमिक, 804 उच्चतर माध्यमिक, 71 एकलव्य एवं 94 सांदीपनि विद्यालय संचालित
- 2,671 छात्रावासों में हर वर्ष 1.40 लाख विद्यार्थियों को आवास सुविधा
- विदेश में स्नातकोत्तर, पीएचडी व रिसर्च के लिए ₹90 लाख तक की छात्रवृत्ति

स्वास्थ्य और सुरक्षा

- 2.42 लाख+ बहनों को प्रतिमाह ₹1500 आहार अनुदान
- 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं 704 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित
- 1.33 करोड़ से अधिक लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग

रोज़गार और आत्मनिर्भरता

- भगवान बिरसा मुंडा स्वरोज़गार योजना में ₹50 लाख एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना में ₹1 लाख तक ऋण
- वनोपज से उद्यमिता के लिए 126 वन धन विकास केंद्र संचालित

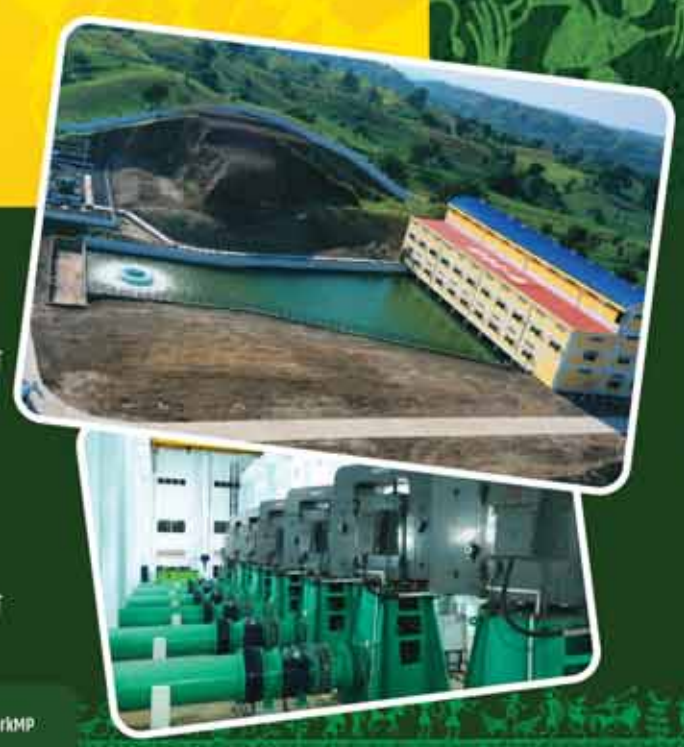

सीधा प्रसारण pmindiawebcast.nic.in @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11166/26

जयशंकर ने बताया कि 1980 के दशक में भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं लगभग एक समान स्तर पर थीं, लेकिन जहां बीजिंग ने औद्योगीकरण की ओर कदम बढ़ाए, वहीं नई दिल्ली इस मौके को चूक गई। उन्होंने कहा कि जब 1988 में राजीव गांधी चीन गए थे, तब भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं का आकार एक जैसा था

विदेश मंत्री एस. जयशंकर का कांग्रेस पर आरोप

चीन की सीमा पर बुनियादी ढांचे की अनदेखी की गई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि चीन की सीमा पर लगभग एक दशक पहले तक सीमावर्ती बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) की अनदेखी की गई थी। जयशंकर ने गलवान का जिक्र करते हुए कहा कि उस सीमा पर हमारी खुद को बनाए रखने और सेना तैनात करने की क्षमता में सुधार हुआ है। मैं कहूंगा कि इसमें काफी महत्वपूर्ण सुधार आया है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध अपने सबसे निचले स्तर पर आ गए थे। इस घटना में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे, जबकि चीनी सैनिकों के हताहत होने की संख्या स्पष्ट नहीं थी।

जून 2020 को गलवान घाटी में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे



डॉ. एस. जयशंकर संबोधित करते हुए

दुनिया में 'स्वार्थी' रुख रखने वाले पक्षकारों की संख्या बढ़ रही है

अमेरिका संग संबंधों में कोई बदलाव नहीं

जयशंकर ने कहा कि अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा वैश्विक अस्थिरता का एक 'बड़ा हिस्सा' है, लेकिन वैश्विक परिदृश्य में हो रहे व्यापक बदलावों के पीछे कई अन्य कारक भी काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका के मध्यावधि चुनाव परिणाम से दोनों देशों के आपसी संबंधों में कोई बदलाव नहीं आएगा।

नई बहुध्रुवीय दुनिया आकार ले रही

जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी बड़े संघर्षों के बीच एक नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था आकार ले रही है इसमें स्वतंत्र निर्णय लेने वाले कई और केंद्र होंगे। इसमें कहीं अधिक जटिल और कम अनुमान लगाने योग्य होगा, क्योंकि 'स्वार्थी' रुख रखने वाले पक्षकारों की संख्या बढ़ रही है। देश अपने विकल्पों और फैसलों में काफी हद तक राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देंगे। राष्ट्रीय हितों के कारण देशों के बीच गठबंधन कम मजबूत होंगे और ज्यादा 'लेन-देन' वाले होंगे, क्योंकि ये गठबंधन एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करते हैं: यानी कम मजबूत, और ज्यादा लेन-देन पर आधारित।

मजबूत विनिर्माण शक्ति विदेश नीति का आधार

विदेश मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए, ये हमारी विदेश नीति के आधार हैं, क्योंकि आज के दौर में मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं के बिना एक प्रभावी विदेश नीति नहीं बनाई जा सकती। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इस दिशा में एक बहुत मजबूत नींव रखी गई है। आज, हमें खुद को एक विनिर्माण शक्ति के रूप में विकसित करना है। साथ ही, हमारा लक्ष्य ऐसी तकनीकों और क्षमताओं को हासिल करना भी होना चाहिए, जिनकी आज के दौर में जरूरत है।

1980 के दशक में भारत ने मौका गंवाया

जयशंकर ने बताया कि 1980 के दशक में भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं लगभग एक समान स्तर पर थीं, लेकिन जहां बीजिंग ने औद्योगीकरण की ओर कदम बढ़ाए, वहीं नई दिल्ली इस मौके को चूक गई। उन्होंने कहा कि जब 1988 में राजीव गांधी चीन गए थे, तब भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं का आकार एक जैसा था। लेकिन 1980 के दशक में चीन ने आधुनिकीकरण और औद्योगीकरण पर बहुत जोर दिया। मुझे यह कहते हुए खेद है कि 1980 के दशक में भारत इस मौके को गंवा बैठा।

खबर संक्षेप

बिलाल काजी को ब्रिटेन में 30 साल की जेल

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय मूल के 27 साल के बिलाल काजी को 70 नाबालिग लड़कियों को ऑनलाइन



फंसाने और ब्लैकमेल करने के मामले में 30 साल की जेल हुई है। वह सोशल मीडिया पर खुद को 14 साल का लड़का बताकर लड़कियों से दोस्ती करता था। फिर उनसे अश्लील फोटो और वीडियो मांगता था।

विदेश से आए पार्सल में 10.8 किलो ड्रग्स जब्त

नई दिल्ली। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने नई दिल्ली स्थित



विदेशी डाकघर में यूरोप से आए एक संदिग्ध पार्सल से 10.8 किलो एम्फेटामाइन जब्त किया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह पार्सल यूरोप के एक देश से आया था और इसमें कपड़े होने की बात कही गई थी।

लाल किला ब्लास्ट: बचाव पक्ष ने उठाए कई सवाल

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट में दिल्ली लाल किला विस्फोट मामले में आरोपों पर बहस हुई। मामले में



आरोपी मुजम्मिल शकील और शाहीन सईद के पक्ष में वकील ने तर्क दिया कि दोनों का विस्फोट में इस्तेमाल हुई कार की खरीद से कोई संबंध नहीं है। उनका अन्य आरोपियों के साथ कोई संवाद भी नहीं था।

अमेरिका में उड़ानों पर लगी रोक पांच घंटे बाद हटी

वॉशिंगटन। अमेरिका में हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खराबी के कारण देशभर



के हवाई अड्डों से ज्यादातर उड़ानों के रवाना होने पर शुक्रवार को लगाई गई रोक करीब पांच घंटे बाद हटा ली गई। अमेरिकी प्रशासन ने बताया कि नयी प्रौद्योगिकी जोड़े जाने से पुरानी प्रणालियों पर अत्यधिक दबाव पड़ने से रुककर बाधा आई थी।

भारत की बढ़ती आर्थिक कूटनीतिक ताकत के सामने झुका अमेरिका

दूसरे देशों के मुकाबले कम टैरिफ पर होगी डील, भारत के लिए खुलेगा यूएस का बाजार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के मुताबिक, दोनों देशों ने ज्यादातर जटिल मुद्दों को सुलझा लिया है। अब समझौते पर जल्द ही मुहर लग सकती है। अमेरिका ने भारत को भरोसा दिलाया है कि इस प्रस्तावित डील में भारतीय उत्पादों पर अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले कम टैरिफ लगेगा

भारत-अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रही ट्रेड डील की बातचीत अब निर्णायक मोड़ यानी 'फिनिशिंग लाइन' के बेहद करीब है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को इसका संकेत दिया। उनके मुताबिक, दोनों देशों ने ज्यादातर जटिल मुद्दों को सुलझा लिया है।

अब समझौते पर जल्द ही मुहर लग सकती है। एस. जयशंकर ने बताया कि दोनों देशों ने टैरिफ से जुड़े ज्यादातर मुद्दों को सुलझा लिया है। अब आखिरी चरण की कुछ चिंताओं पर काम जारी है। उन्होंने साफ किया कि भारत एक संतुलित और फायदेमंद समझौता चाहता है। ऐसा जो उसे समान अर्थव्यवस्थाओं वाले प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले खास बढ़त दिलाए।

दूसरी ओर एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर बड़ी प्रगति हुई है। अमेरिका ने भारत को भरोसा दिलाया है कि इस प्रस्तावित डील में भारतीय उत्पादों पर अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले कम टैरिफ लगेगा। इससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बड़ी बढ़त मिलेगी।

आखिरी चरण की कुछ चिंताओं पर काम जारी

हर टैरिफ लाइन की बारीकी से समीक्षा की गई



डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी फाइल फोटो

दो साल से चल रही है बातचीत

जयशंकर के अनुसार, हर टैरिफ लाइन की बारीकी से समीक्षा करने में समय लगा है। कारण है कि इससे लोगों के रोजगार जुड़े हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा बाजार है। इस नाते यह डील देश के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी। बता दें, भारत-अमेरिका के बीच करीब दो साल से जारी इस वार्ता को दो चरणों में बांटा गया है। इसमें से पहले चरण को मौजूदा वित्त वर्ष के अंत तक पूरा करने का टारगेट है। डील के इस शुरुआती पैकेज में सिर्फ वस्तुओं के व्यापार को शामिल किया जाएगा। वहीं, सर्विसेज से जुड़े मुद्दों पर व्यापक समझौते के दूसरे चरण में चर्चा होगी। फाइनल डील को कानूनी दस्तावेजों और अनुबंधों के रूप में तैयार किया जाएगा। इसमें कस्टम्स और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर विशेष चैप्टर भी होगा।

यूएसटीआर की दूसरी जांच के नतीजों का इंतजार

वरिष्ठ सरकारी ने बताया कि अमेरिका ने भारत को अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ लगाने का भरोसा दिया है। वैसे इसका वास्तविक फायदा अंतिम टैरिफ फ्रेमवर्क और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की दूसरी जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। यह एक तरह से अमेरिका का भारत के सामने झुकना ही है। वॉशिंगटन अपनी कड़ी व्यापारिक शर्तों के लिए जाना जाता है। इसके बावजूद दुनिया के सबसे बड़े बाजार का भारत को प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ और खास फायदा देने का आश्वासन भारत की बढ़ती आर्थिक कूटनीतिक ताकत का सबूत है।

मियामी में दिसंबर में हो सकती है घोषणा

संभावना जताई जा रही है कि अगले महीने 14-15 दिसंबर को मियामी में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात होगी। इसी के बाद इस डील की औपचारिक घोषणा हो सकती है। इससे पहले साल की शुरुआत में दोनों देशों ने डील का फ्रेमवर्क तैयार कर लिया था। लेकिन, कुछ अमेरिकी व्यापारिक जांचों और रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने के नए अमेरिकी प्रावधान के चलते प्रक्रिया थोड़ी जटिल हो गई थी। वैसे भारत को फिलहाल इन टैरिफ से छूट मिली हुई है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के मुताबिक, बातचीत को रफ्तार देने के लिए 2 और 3 नवंबर को एक अमेरिकी टीम ने भारत का दौरा किया था। इस दौरान कस्टम्स और व्यापार सुगमता पर अहम चर्चा भी की थी।

रूबियो ने भी दिए थे सकारात्मक संकेत

बीते कुछ हफ्तों में नई दिल्ली और वॉशिंगटन दोनों ओर से इस डील पर सकारात्मक संकेत मिले हैं। पिछले महीने मुंबई दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा था कि दोनों पक्ष डील को अंतिम रूप देने के करीब हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने यह भी कहा कि बचे हुए मुद्दे भारत की तुलना में अमेरिकी पक्ष के बदलावों से ज्यादा जुड़े हैं। इन्हें जल्द सुलझा लिया जाएगा। इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी भरोसा जता चुके हैं कि भारत ने एक बेहद शानदार डील की है। अमेरिका के साथ होने वाला यह समझौता अब तक के सबसे बेहतरीन व्यापार समझौतों में से एक होगा।



एआई इमेज

भारत की सख्ती का दिखा असर

कराची में फंसे भारतीय नाविकों से मिलेंगे दूतावास के अधिकारी

एजेंसी ▶▶ कराची

पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर पिछले करीब सात महीने से एक जहाज में फंसे 6 भारतीय नाविकों के लिए राहत की खबर है। पाकिस्तान ने भारत की औपचारिक मांग पर इन नाविकों को भारतीय अधिकारियों से मिलने की इजाजत देने पर सहमति जताई है। भारतीय उच्चायोग के अधिकारी कराची बंदरगाह पर जाकर सभी नाविकों से मिलेंगे।

पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर 6 भारतीय फंसे

वे उनकी सेहत, रहने की स्थिति और दूसरी जरूरतों को देखेंगे। इसके बाद नाविकों के घर लौटने से जुड़ी जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने की कोशिश की जाएगी। इसके लिए जहाज पर नए नाविकों की तैनाती और बंदरगाह से जरूरी मंजूरी मिलना भी अहम होगा। ये सभी नाविक 17 अप्रैल 2026 से जहाज पर ही रहने को मजबूर हैं।

17 अप्रैल से जहाज पर रहने को मजबूर

इन 6 भारतीय नाविकों में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले मर्चेंट नेवी के एक वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। ये सभी ईरान की कंपनी केवर शिपिंग कंपनी के एक कार्गो शिप पर काम कर रहे थे। जहाज चलाने वाली कंपनी और कराची बंदरगाह के अधिकारियों के बीच कारोबारी और कानूनी विवाद हो गया। इसके बाद जहाज को बंदरगाह पर रोक दिया गया। बताया गया है कि बंदरगाह से जुड़े अधिकारियों ने नाविकों के पासपोर्ट भी जब्त कर लिए। इस वजह से वे जहाज से उतरकर अपने घर नहीं लौट सके। इस बीच नाविकों के काम का तय समय भी पूरा हो गया, लेकिन वे जहाज पर ही फंसे रहे। अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों के मुताबिक, जब तक जहाज की जिम्मेदारी संभालने के लिए दूसरे नाविक नहीं आ जाते, तब तक पुराने चालक दल के सदस्य जहाज छोड़कर नहीं जा सकते।

परिवार से 15 दिन में एक बार होती है बात

सात महीने से जहाज पर फंसे इन भारतीय नाविकों की मुश्किल सिर्फ घर नहीं लौट पाने तक सीमित नहीं है। जहाज पर बिजली की सप्लाई भी ठीक नहीं रहती और मोबाइल नेटवर्क भी बहुत कमजोर है।

शरजील इमाम पर यूएस आयोग की टिप्पणी

भारत ने कहा- हमें उपदेश देना बंद करें, खुद को देखो

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में मौजूद भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) से अपने पूर्वाग्रहों पर आत्ममंथन करने और दूसरों को उपदेश देना बंद करने को कहा है।



विनय मोहन क्वात्रा

यह प्रतिक्रिया उस समय आई जब इस द्विदलीय अमेरिकी आयोग ने भारत में कथित तौर पर धार्मिक आधार पर की गई गिरफ्तारियों का मुद्दा उठाया। क्वात्रा ने शुक्रवार को यह तीखी प्रतिक्रिया आयोग की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर शरजील इमाम की प्रोफाइल साझा किए जाने के बाद दी। आयोग ने इमाम का परिचय देते हुए उन्हें 'धार्मिक स्वतंत्रता के लिए आवाज उठाने के कारण भारत में हिरासत में लिया गया एक मुस्लिम व्यक्ति' बताया था। क्वात्रा ने आयोग की टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उसके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर और असम में भूकंप

डोडा में 4 घंटे के भीतर भूकंप के 3 झटके, 3.8 की तीव्रता रही

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में शनिवार को चार घंटे के भीतर तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। तीनों भूकंपों के केंद्र लगभग पूर्व-पश्चिम दिशा में एक सीधी रेखा में रहे हैं। इनके बीच का कुल क्षेत्र करीब 11.5 किमी तक फैला है।

तीनों भूकंप महज 4 घंटे 38 मिनट के भीतर दर्ज किए गए। इनकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर क्रमशः 2.7, 3.8 और 2.9 रही। भूकंप के केंद्र जमीन से 5 से 10 किमी की गहराई में दर्ज किए गए हैं। इनमें सबसे तेज



3.8 तीव्रता का भूकंप महज 5 किमी की गहराई पर आया। भूकंप के केंद्रों का सीमित भौगोलिक दायरे में लगभग एक सीध में होना खास बनाता है। वहीं, असम के कुछ हिस्सों में शनिवार को 4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप अपराह्न 2:43 बजे आया और इसका केंद्र कामरूप जिले में 10 किमी की गहराई पर था।

पाकिस्तान की साजिश का खुलासा

पंजाब चुनाव के बहाने खालिस्तान की आग भड़काने की तैयारी में आईएसआई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सिख प्रवासियों और कश्मीर से जुड़े दबाव समूहों को एकजुट करने के लिए एक साल की योजना तैयार की है। पाकिस्तान की इस कवायद पर भारतीय एजेंसियों की नजर है।

इस्लामाबाद भारत के खिलाफ अपने दुष्प्रचार को बड़े स्तर पर ले जाना चाहता है। इसके लिए उसका अगले एक साल में पाकिस्तान का मुख्य फोकस अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले सिखों को पाकिस्तान बुलाने पर होगा। इसके



एआई इमेज

अलावा, विदेशों में सक्रिय अपने दबाव समूहों के सदस्यों को भी पाकिस्तान बुलाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भारत विरोधी दुष्प्रचार को तेज करने के लिए कई बैठकें आयोजित की जा सकें।

कानूनी तरीके से पाक में लाने की तैयारी

इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के एक अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसा रोडमैप तैयार कर रहा है, जिसके जरिए दुबई, कोलंबो, कुआलालंपुर और इस्तांबुल के रास्ते सिख प्रवासियों और तथाकथित 'कश्मीर समर्थक' कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान लाया जा सके। इन लोगों को पाकिस्तान लाने के लिए विशेष आवजन (इमिग्रेशन) इंतजाम किए गए हैं।

न्यूयॉर्क से ह्यूस्टन तक छठ महापर्व की धूम



नई दिल्ली। सात समंदर पार अमेरिका में भी छठ महापर्व की रौनक छाई हुई है। जो भारतीय परिवार भारत नहीं आ सके, उन्होंने वहीं पर घाट सजाकर छठी मैया की पूजा शुरू कर दी है। न्यूयॉर्क और ह्यूस्टन समेत कई शहरों में घाट सजाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो देखकर लोग गर्व से भर उठे हैं। ह्यूस्टन के रोजनबर्ग स्थित जगन्नाथ हिंदू मंदिर परिसर में बने तालाब के किनारे भारतीय परिवारों ने मिलकर छठ घाट की सफाई और सजावट की है। न्यूयॉर्क सिटी में नदी के किनारे और न्यू जर्सी में 'बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ' के नेतृत्व में हर साल की तरह इस बार भी हजारों श्रद्धालुओं ने मिलकर छठ पर्व का आयोजन किया है।

80 साल बाद 3 आर्थिक शक्तियों की चीन में बातचीत होगी

ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग की पहली बार एक साथ करेंगे बैठक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक ही बैठक में शामिल होंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की। यह बैठक चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन के दौरान होगी। बैठक में सबसे अहम मुद्दा परमाणु हथियारों की संख्या कम करना होगा। इसके अलावा ईरान पर भी चर्चा होगी। बीते 80 साल में यह पहली बार होगा जब आर्थिक महाशक्तियों वाले 3 देशों के नेता एक साथ त्रिपक्षीय बैठक करेंगे।

एशिया प्रशांत आर्थिक सम्मेलन में मिलेंगे

परमाणु हथियार कम करने पर होगी बात



डोनाल्ड ट्रंप, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन एआई इमेज

तीनों में परमाणु संधि फरवरी में होगी खत्म

व्हाइट हाउस के मुताबिक, ट्रंप बैठक में परमाणु हथियारों की संख्या कम करने का मुद्दा उठाएंगे। वे चाहते हैं कि चीन भी इस बातचीत में शामिल हो, ताकि अमेरिका, रूस और चीन के बीच नया समझौता हो सके। दरअसल, अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियार सीमित करने वाली आखिरी संधि इस साल फरवरी में खत्म हो गई थी।

ईरान पर चर्चा होगी यूक्रेन युद्ध पर नहीं

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप इस बैठक में ईरान का मुद्दा भी उठा सकते हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध इस बैठक के एजेंडे में शामिल नहीं होगा। अमेरिका हाल के दिनों में रूस के साथ कई बैठकें कर चुका है, लेकिन चीन इन बातचीत में शामिल नहीं रहा।

मस्क भी ट्रंप के साथ चीन जाएंगे

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क भी ट्रंप के साथ चीन जाएंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की है। मस्क के अमेरिका और चीन के बीच कारोबार से जुड़े बड़े हित हैं। वे चीन यात्रा के दौरान ट्रंप को सलाह देने में भी मदद कर सकते हैं। हालांकि, मस्क तीनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की संयुक्त बैठक में शामिल नहीं होंगे।





'ओमः चैप्टर 1' की रिलीज डेट तय...

मुंबई। सुपरस्टार धनुष और ममूटी एक साथ अपनी नई फिल्म 'ओमः चैप्टर 1' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 20 नवंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म पुलिसवालों और अपराधियों की दुनिया के गहरे और पेचीदा पहलुओं को दिखाएगी। इसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं। सुनने में आ रहा है कि फिल्म की लंबाई करीब 3 घंटे (179 मिनट) होगी, पर अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस फिल्म का आधिकारिक नाम 'ओमः चैप्टर 1- उधिरमः द ब्लड वुड' है।

लाइफ Style

क्रिस्टल डिसूजा

अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा के लिए साल 2025 बेहद शानदार रहा है। उनके करियर ने इस दौरान नई ऊंचाइयां हासिल कीं। दिसंबर 2025 में फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली।

धुरंधर के गाने से मिली लोकप्रियता

मुंबई। अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा के लिए साल 2025 बेहद शानदार रहा है। उनके करियर ने इस दौरान नई ऊंचाइयां हासिल कीं। दिसंबर 2025 में फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली। इसके बाद अगस्त 2026 में वह रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के सीजन 2 की विजेता बनीं। इन खास उपलब्धियों ने उनके लिए इस साल के त्योहार के सीजन को और भी यादगार बना दिया है। क्रिस्टल कहती हैं, पिछले एक साल में मेरी जिंदगी पूरी तरह से बदल गई है। जब 'शरारत' मिली, तो मुझे लगा कि यह बड़ी बात है, इससे बड़ा और क्या हो सकता है, लेकिन फिर 'द ट्रेटर्स' मिल गया। जब आपको लगे कि आप निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, तो वहां से आगे बढ़ने का बस एक ही रास्ता होता है। पिछले एक साल में मेरे करियर के साथ बिल्कुल ऐसा ही हुआ है। क्रिस्टल ने 2007 में सीरियल 'काहे ना कहे' से टीवी पर डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने कई शोज में काम किया। लेकिन उन्हें असली पहचान 'एक हजारों में मेरी बहना है' से मिली। इसके बाद उन्होंने ओटीटी और फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाई। साल 2025 में वह फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में आयशा खान के साथ नजर आईं, जिससे उनकी लोकप्रियता टीवी दर्शकों से आगे भी बढ़ी।



हॉलीवुड मसाला



साइंस-फाई फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में आएंगी नजर

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता रसेल क्राउ के साथ प्रियंका चोपड़ा एक नई साइ-फाई फिल्म में नजर आएंगी। 'ब्लूफ्लाई' नाम की इस फिल्म की शूटिंग इस समय ऑस्ट्रेलिया में जारी है। फिल्म में प्रियंका मायला रीस नाम की एक यूएन इंटरप्रेटर का दिलचस्प किरदार निभा रही हैं। मायला को क्राउ के किरदार के साथ कांगो में एक गुप्त मिशन पर जाना है। यह किरदार प्रियंका के अब तक के एक्शन से भरे किरदारों से काफी अलग है। यह पूरी कहानी एक खोए हुए मिलिट्री विमान की तलाश के उनके एडवेंचर पर आधारित है।

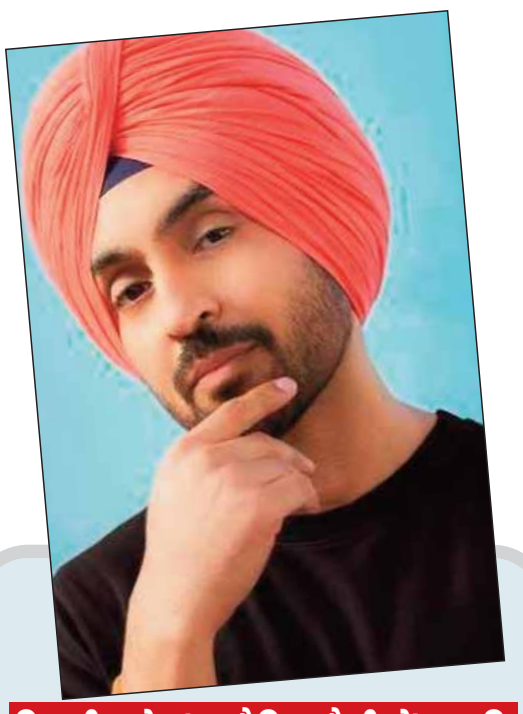

दिलजीत दोसांझ लैटिन ग्रैमी में प्रस्तुति देने वाले पहले भारतीय कलाकार बने

लॉस वेगास। पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम लहराया है। वह लैटिन ग्रैमी पुरस्कार में लाइव प्रस्तुति देने वाले पहले भारतीय कलाकार बन गए हैं। उन्होंने लास वेगास में 27वें सेरेमनी में प्यूर्टो रिकान गायक डैडी यांकी के साथ मंच पर सुर लगाए। यह पुरस्कार समारोह 12 नवंबर को ग्रैंड गार्डन एरिना में हुआ, जहां दोनों कलाकारों ने मिलकर अपने कोलेबोरेशन 'पोकिटो' को परफॉर्म किया, जिसमें पंजाबी और लैटिन म्यूजिक का तड़का था। दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई शानदार प्रस्तुति का वीडियो साझा किया। इसमें उन्हें अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते देखा जा सकता है। वहीं, यांकी अपने स्पेनिश वर्स से सुरों का जादू चलाते दिख रहे हैं। दिलजीत ने कैप्शन दिया, 'पंजाबी आ गए लैटिन ग्रैमी ओए। दुनिया दी हर स्टेज पर पंजाबी बोल जाऊंगा.. बाबा सुख रखे। बिग बद्दर डैडी यांकी को शाउटआउट।



'ढिंडोरा सीजन 2' का धमाकेदार ट्रेलर जारी

मुंबई। भुवन बाम की सुपरहिट वेब सीरीज 'ढिंडोरा' के दूसरे सीजन का धमाकेदार ट्रेलर जारी हो गया है। करीब 5 साल के लंबे इंतजार के बाद कॉमेडियन अपने आइकॉनिक किरदारों के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसके लिए उनके फैंस का उत्साह सांतवें आसमान पर है। पिछले सीजन की तरह ही, 'ढिंडोरा 2' में भुवन भरपूर देसी ह्यूमर, भावनात्मक पारिवारिक ड्रामा और टीटू मामा के वन-लाइनर्स लेकर आए हैं। इस 8 एपिसोड वाली सीरीज का निर्देशन स्नेहा शेट्टी ने किया है। ट्रेलर से पता चलता है कि इस बार कहानी के केंद्र में टीटू मामा हैं। उनके ऊपर 11 करोड़ रुपये के बड़े नुकसान का दबाव है और साथ ही उन्हें अपने ससुराल वालों के साथ रिश्ते सुधारने की जिम्मेदारी। उनकी यही कोशिश घर में एक नए तूफान और जबरदस्त कॉमेडी को जन्म देती है। सीरीज में संजीदा शेख, कंवलजीत सिंह, अनूप सोनी और हेमंत पांडे भी मौजूद हैं। इसका प्रीमियर 20 नवंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।



विजय की 'भैरवा' फिर से रिलीज के लिए तैयार

मुंबई। विजय की एक्शन से भरपूर हिट फिल्म 'भैरवा' 1 जनवरी, 2027 को तमिलनाडु के सिनेमाघरों में फिर से आ रही है। यह फैंस के लिए नए साल का एक खास तोहफा होगा। चाहे आपने यह फिल्म पहले नहीं देखी हो या आप अभी-अभी विजय की फिल्में देखना शुरू कर रहे हों, विजया प्रोडक्शंस और सिम सिने इंटरनेशनल द्वारा लाई गई यह री-रिलीज सबको एक साथ बड़े पर्दे पर पुरानी यादें ताजा करने का मौका देगी। जब 'भैरवा' 2017 में पोंगल के दौरान पहली बार रिलीज हुई थी, तो इसने जबरदस्त सफलता हासिल की थी। फिल्म ने पहले हफ्ते में ही दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली थी। भरथन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विजय के साथ कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म अपनी दमदार कहानी और 'पटैया केलप्पू' जैसे हिट गानों के लिए जानी जाती है। यह री-रिलीज पुराने फैंस के साथ-साथ नए दर्शकों के लिए भी एक शानदार मौका है,

टीवी मसाला



शिल्पा शेट्टी संभालेंगी नए रियलिटी शो प्यार का प्रेशर कुकर की कमान

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी जल्द ही नए रियलिटी शो 'प्यार का प्रेशर कुकर' को होस्ट करती नजर आएंगी। ये शो जियो हॉटस्टार और कलर्स पर प्रसारित होगा। इसमें ऐसी जोड़ियों की कहानी दिखाई जाएगी, जिनके रिश्ते लंबे समय से उलझे हुए हैं या जिनके बीच ये साफ नहीं है कि वे साथ रहना चाहते हैं या नहीं। शो में उन्हें अपने रिश्ते और भविष्य को लेकर फैसला करना होगा। इसे भारत का पहला 'रिलेशनशिप क्लैरिटी शो' बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शो में नए रिश्तों से लेकर लंबे समय से साथ रह रहे ऐसे जोड़े हिस्सा लेंगे, जिन्होंने शादी का फैसला नहीं लिया है। सभी एक घर में रहेंगे और उन मुश्किल सवालों का सामना करेंगे, जिनसे वे बचते आए हैं। उनके माता-पिता भी आकर रिश्ते पर अपनी राय देंगे। आखिर में हर जोड़ी को भविष्य पर फैसला लेना होगा, जिसे शो की टैगलाइन 'जोड़ो या तोड़ो' में समेटा गया है। शो का नाम रसोई के प्रेशर कुकर से लिया गया है, जहां किसी के सच बोलने पर 'क्लैरिटी की सीटी' बजती है। शिल्पा ने कहा कि आजकल बिना नाम वाले और उलझे हुए रिश्तों के बीच साफगोई खो गई है, इसलिए सही सवाल पूछना जरूरी है। उनके मुताबिक, 'प्यार का प्रेशर कुकर' भारत का पहला ऐसा शो है, जहां माता-पिता रिश्तों की सच्चाई सामने लाते हैं।

अनुपम ने जटायु के किरदार में झोंकी जान

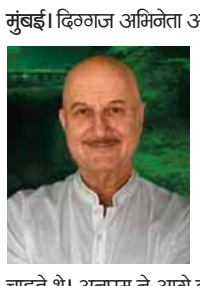

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' में जटायु के किरदार को अपनी आवाज दी। उन्होंने इस किरदार के आखिरी पलों की भावनाओं को बखूबी दर्शाने के लिए अभिनय के तरीके में बदलाव किया और अपनी जान झोंक दी थी। अभिनेता ने रावण और जटायु की लड़ाई वाले सीन के दौरान 'हे राम' वाले संवाद को 200 से ज्यादा बार दोहराया था। वह किरदार की भावनाओं को अपनी आवाज से सही तरीके से व्यक्त करना चाहते थे। अनुपम ने आगे कहा, आखिर में जो 'हे राम' है, मैंने उसे कम से कम 200 बार तो जरूर करके देखा होगा। ये एक छोटी-सी लाइन है, जिसे सबने सुना और बोला भी है। हालांकि, स्थिति के हिसाब से आवाज और लहजा बिल्कुल सटीक होना चाहिए था। अनुपम को जटायु के किरदार के लिए प्रशंसकों का खूब प्यार भी मिल रहा है।

शेखर की 'बैंडिट क्वीन' का आएगा सीक्वल निर्देशक त्रेहान को सौंपी गई जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्ममेकर शेखर कपूर ने 1994 में आई फिल्म 'बैंडिट क्वीन' के जरिए डकैत फूलन देवी की जिंदगी को पर्दे पर उतारा था। उस वक्त दर्शकों ने भी फिल्म को सराहा था। ताजा अपडेट है कि 3 दशक के बाद इसके सीक्वल पर आधिकारिक मुहर लगाई गई है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के जरिए फूलन देवी की जिंदगी के एक और चैप्टर को दिखाया जाएगा। इसके निर्देशन की जिम्मेदारी फिल्म 'सतलुज' वाले हनी त्रेहान ने उठाई है।

मीडिया के साथ बातचीत में, हनी ने कहा कि वह फूलन देवी पर आधारित 'बैंडिट क्वीन' का सीक्वल ला रहे हैं। उन्होंने कहानी



पर अपडेट देते हुए कहा, फिल्म वहीं से शुरू होती है जहां शेखर सर की बैंडिट क्वीन खत्म हुई थी। ओरिजिनल फिल्म ने जो दिखाया था, उसे सम्मान देना एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं स्क्रिप्ट में पूरी तरह डूबा हुआ हूं और बॉबी (बेदी) सर ने पहले ही जितनी रिसर्च कर ली है, उसे देख रहा हूं। 'बैंडिट क्वीन' की कहानी रेप और उनके बदले की घटनाओं पर आधारित थी। सीक्वल इस पर फोकस करेगा कि जेल से बाहर आने के बाद उनका क्या होता है।

आईएफएफआई में होगा 'रामायण' का प्रीमियर 'धुरंधर' से होगी इंडियन पैनोरमा की शुरुआत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आईएफएफआई 2026 की शुरुआत बड़े धूमधाम से होने वाली है। ब्रिक्स सेगमेंट की ओपनिंग फिल्म 'रामायण' होगी, जिसमें रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। यह फेस्टिवल गोवा में 20 से 28 नवंबर तक चलेगा और इसका थीम 'स्टोरीज विदाउट बॉर्डर्स' रखा गया है। इसमें 86 देशों की 150 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फिल्में दिखाई जाएंगी, साथ ही ब्रिक्स सिनेमा पर खास ध्यान दिया जाएगा।

इंडियन पैनोरमा की शुरुआत 'धुरंधर' और 'बिकमिंग' से होगी

इंडियन पैनोरमा की शुरुआत रणवीर की फिल्म 'धुरंधर' और



लद्दाखी फिल्म 'बिकमिंग' से होगी। इस बार एनिमेशन (जिसमें 5 बेहतरीन फिल्में चुनी गई हैं) और फिल्म्स अबाउट फिल्म्स जैसे नए सेगमेंट भी पहली बार देखने को मिलेंगे। स्पेन को 'कंट्री ऑफ ऑनर' के तौर पर चुना गया है, जहां 'द बैड सन' और 'बिटर क्रिसमस' जैसी फिल्में दिखाई जाएंगी। इसके अलावा, नई प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए बेस्ट डेब्यू फीचर फिल्म्स के लिए एक प्रतियोगिता भी होगी।

सबसे हल्के का वजन भी 15 किलो से ज्यादा, सिर पर दो किलो का मुकुट

यश को रावण दिखने पहनना पड़ता था 33 किलो का कॉस्ट्यूम

एक ग्रैंड माइथो फिल्म बनाना कोई आसान काम नहीं होता। ना ही फिल्म मेकर्स के लिए और ना ही फिल्म में काम करने वाले आर्टिस्ट के लिए। खासतौर पर जब रामायण जैसी महागाथा की बात हो तो चीजें और कॉम्पलेक्स हो जाती हैं। ऐसे किरदारों को पर्दे पर जीवंत करने और दर्शकों को उन पर यकीन दिलाने में कॉस्ट्यूम सबसे अहम भूमिका निभाता है। हाल ही में एक बातचीत में कॉस्ट्यूम स्टाइलिस्ट और डिजाइनर सानिया सरधरिया ने रावण के लुक में यश के जबरदस्त लुक के बारे में बताया। उन्होंने खुलासा किया कि यश को करीब 16 से 20 किलो वजन वाले कॉस्ट्यूम पहनने पड़ते थे। कुछ सीन में तो यश के कॉस्ट्यूम का वजन 30 से 33 किलो तक भी पहुंचा है।



'ज्यादातर कॉस्ट्यूम करीब 16 से 20 किलो के

मीडिया से बात करते हुए सानिया ने कहा, ज्यादातर कॉस्ट्यूम का वजन, गहनों को मिलाकर लगभग 16 से 20 किलो होता था। लेकिन कुछ कॉस्ट्यूम बहुत भारी थे जैसे लंका से जुड़ा रावण का लुक, उनकी शादी का कॉस्ट्यूम और वह कॉस्ट्यूम जो उन्होंने शूर्पणखा की शादी के समय पहना था। जहां तक मुझे सही सही याद है उनका वजन लगभग 30–33 किलोग्राम था।

यश का हिलना-डुलना मुश्किल हो जाता था

उन्होंने यह भी बताया कि कैसे इन भारी-भरकम कॉस्ट्यूम की वजह से यश के लिए हिलना-डुलना मुश्किल हो जाता था लंबे समय तक इन्हें पहने रहने के और फिजिकली थकने के बावजूद यश ने इसे बहुत अच्छे से संभाल लिया और अक्सर अपने आस-पास के लोगों को एंटरटेन भी करते रहे। सानिया ने बताया कि एक्टर को जल्द ही एहसास हो गया था कि यह एक्सपीरियंस कितना थका देने वाला होगा। अपना एंटरटेनमेंट करने और टीम के साथ थोड़ी मस्ती-मजाक करने के लिए वह अपने कॉस्ट्यूम के नुकीले हिस्सों को सबके लिए परेशानी का सबब बना देते थे।

यश ने जो मुकुट पहना था उसका वजन 1.8 किलोग्राम था

सानिया ने माना कि रावण के कॉस्ट्यूम को डिजाइन करने में सबसे मुश्किल काम उनका मुकुट तैयार करना था। उन्होंने बताया कि मुकुट का वजन कम करने की कई कोशिशों के बावजूद आखिर में इसका वजन 1.8 किलोग्राम रहा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सबसे मुश्किल काम मुकुट पहनना था, क्योंकि सिर पर थोड़ा सा वजन भी बहुत भारी और अनकम्फर्टेबल लगता है। इसलिए हमने इस पर काफी एक्सपेरिमेंट किए। हमने कई 3डी मॉडल वाले मुकुट बनवाए, ताकि यह पक्का हो सके कि डिजाइन एकदम सही है। फिर हमने इसे और हल्का बनाने के लिए 'रिवर्स-इंजीनियरिंग' की लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इसे 1.8 किलोग्राम से ज्यादा हल्का कर पाते। यह सबसे बेहतर था जो हम कर सकते थे और इतना वजन भी काफी ज्यादा लगता है। हालांकि यश के हाव-भाव या एक्टिंग में आपको इसका पता नहीं चलेगा, लेकिन यह वाकई एक बहुत मुश्किल काम था।



भगवान बिरसा मुंडा जयंती जनजातीय गौरव दिवस पर बोले मुख्यमंत्री

भगवान बिरसा मुंडा हैं संघर्ष, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की मिसाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि मात्र 25 वर्ष के अल्प जीवन में भगवान बिरसा मुंडा ने संघर्ष, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की ऐसी मिसाल प्रस्तुत की, जिसे देश कभी नहीं भुला सकता। वे जनजातीय अस्मिता, स्वाभिमान और सुशासन के अमर प्रतीक हैं। उनके योगदान को जितना भी याद किया जाए, वह कम है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के शुभारंभ अवसर पर कही।

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के महान जनजातीय नायकों को उनका उचित सम्मान और पहचान दिलाने का कार्य किया जा रहा है। जनजातीय समाज के वीर नायकों ने अंग्रेजी शासन और पूर्ववर्ती सत्ताओं के विरुद्ध संघर्ष करते हुए देश की स्वतंत्रता, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। रानी दुर्गावती, राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह सहित अनेक महान नायकों का इतिहास हमारी गौरवशाली विरासत है।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए जनजातीय समाज को जागरूक एवं संगठित होने का संदेश दिया। उनका विचार था कि स्वाभिमान से बड़ा कोई धन नहीं और संस्कृति से बड़ा कोई गहना नहीं। अंग्रेजी शासन के अत्याचारों के विरुद्ध उनका संघर्ष आज भी हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें अपनी संस्कृति पर गर्व करने, अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने और राष्ट्रहित में समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों को आत्मसात कर जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास और प्रदेश की प्रगति के लिए निरंतर कार्य करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जनजातीय नायकों के सम्मान में पूरे सप्ताह प्रदेश के सभी जिलों, 90 विकासखंडों, स्कूलों, कॉलेजों और छात्रावासों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास और महापुरुषों के योगदान से परिचित हो सके।

133 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस अवसर पर लगभग 133 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्यों की सौगात दी जा रही है। छिंदवाड़ा, बालाघाट और डिंडौरी में सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन विद्यालयों में शिक्षा के साथ खेलकूद एवं अन्य सहशैक्षणिक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहना योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार जनजातीय समाज सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। विशेष पिछड़ी जनजातियों बैगा, सहरिया और भारिया के विकास के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।



बिरसा मुंडा अधिकारों के अमर प्रतीक : उईके

जनजातीय कार्य मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के स्वाभिमान, संस्कृति और अधिकारों के अमर प्रतीक हैं। जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए देश और प्रदेश के समस्त जनजातीय समाज को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय समाज के विकास, उनकी संस्कृति, परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन एवं सर्वांगीण उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आज पूरे प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की पहल कर सरकार ने जनजातीय समाज के मान-सम्मान और गौरव को बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी को भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए और उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज एवं प्रदेश के विकास में अपनी सक्रिय सहभागिता निभानी चाहिए। समारोह को सांसद आशीष दुबे ने भी संबोधित किया। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर कुल 133 करोड़ 5 लाख 97 हजार रुपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया।

जनजातीय प्रतिभाओं का सम्मान





समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले जनजातीय समाज के प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित किया। इनमें जल संरक्षण और मोटे अनाज के संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाली श्रीमती उज्जियालो बाई, श्रीमती नेमा कुसरे, कक्षा दसवीं की परीक्षा में प्रदेश में आठवीं रैंक प्राप्त करने वाली मंडला की सुश्री पूजा धुर्वे, अंतरराष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी एवं स्वर्ण पदक विजेता सुश्री जमुना वीके तथा सुश्री द्रौपदी ध्रुवे शामिल रहीं। इसके अलावा मंडला के पीएचडी शोधार्थी रामकिशोर सिसोदिया को 654 प्रमाण-पत्रों के साथ इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में स्थान बनाने के लिए तथा जबलपुर के राज्य स्तरीय वॉलीबॉल स्वर्ण पदक विजेता शोभित और वनवासी लोक साहित्य के संरक्षण में योगदान देने वाले साहित्यकार डॉ. टी.आर. वरखेड़े को भी सम्मानित किया गया। भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और अन्य योजनाओं के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाले हितग्राहियों को भी प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंच पर उपस्थित धर्मगुरूओं का सम्मान किया गया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनजातीय समुदाय के लोगों का मंच से पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत भी किया। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जनजातीय समाज की पारंपरिक टोपी और तीर-कमान भेंट कर स्वागत किया गया।

ये रहे मौजूद

समारोह में विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी 'इंदू', डॉ. अभिलाष पांडे, नीरज सिंह एवं संतोष वरकड़े, मध्य प्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष विनोद गोटिया, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल तथा अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष पंकज तेकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की



जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने शनिवार को जबलपुर पहुँचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आधारताल तिराहा स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे के नारे भी लगाये।

स्वच्छता को और मजबूत करने जबलपुर को मिलेंगे 182 सीएनजी वाहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सफाई मित्रों को किया सम्मानित





जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मानस भवन में आयोजित सफाई मित्र सम्मान समारोह में स्वच्छता के क्षेत्र में जबलपुर की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सफाई मित्रों और शहरवासियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि जबलपुर ने स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अब देश में स्वच्छता की मिसाल दी जाएगी तो उसमें जबलपुर का नाम प्रमुखता से लिया जाएगा। यह उपलब्धि सफाई मित्रों के समर्पण, मेहनत और नागरिकों की सहभागिता का परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में यहां के स्वच्छता कर्मियों का अथक परिश्रम महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से जुड़ा अभियान है। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता के संकल्प को आगे बढ़ाने और शहर को देश में स्वच्छता के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर पहुंचाने के लिए मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया।

मजबूत होगा अपशिष्ट प्रबंधन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। शहर में वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट और नए गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना के लिए राज्य और केंद्र सरकार के सहयोग से 75 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए जबलपुर नगर निगम को अपनी ओर से राशि खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी।

जबलपुर को मिलेंगे 182 सीएनजी वाहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जबलपुर में सीएनजी वाहनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। पहले 102 सीएनजी वाहनों की स्वीकृति दी गई थी, अब जबलपुर को कुल 182 सीएनजी वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

सफाई मित्रों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सफाई मित्रों की सुरक्षा और सम्मान के लिए नमस्ते योजना संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत सफाई कर्मियों को सुरक्षा उपकरण, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। सफाई मित्रों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ भी दिया जा रहा है। उन्होंने सफाई मित्रों से आयुष्मान कार्ड बनवाने का आग्रह किया, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

जबलपुर को मिलेंगी विकास की नई सौगातें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि जबलपुर से भोपाल और भोपाल से इंदौर तक प्रस्तावित इकोनॉमिक कॉरिडोर से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जबलपुर में सरकारी विश्वविद्यालय की सौगात भी दी गई है। आरजीपीवी के पुनर्गठन के तहत जबलपुर को विश्वविद्यालय मिला है। इसके अलावा फर्नीचर क्लस्टर के विकास की दिशा में भी काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मां नर्मदा के आशीर्वाद से जबलपुर विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। समारोह में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के योगदान का भी उल्लेख किया गया। मुख्यमंत्री ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए जबलपुर को मिली विकास संबंधी सौगातों के लिए उन्हें बधाई दी।

महापौर ने उपलब्धि का श्रेय सफाई मित्रों और नागरिकों को दिया

महापौर जगत बहादुर सिंह ने कहा कि जबलपुर को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी स्थान प्राप्त होना पूरे शहर के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन, सफाई मित्रों के समर्पण एवं परिश्रम तथा शहरवासियों के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर परिणाम के लिए नगर निगम द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और सफाई मित्रों के साथ नागरिकों की सहभागिता ने इन प्रयासों को मजबूती प्रदान की है। महापौर ने जबलपुर को स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

सफाई मित्रों पर पुष्प वर्षा कर किया सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सफाई कर्मियों पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सफाई मित्रों की सेवाओं और समर्पण की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतीकात्मक रूप से सफाई कर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं नमस्ते योजना अंतर्गत सुरक्षा किट का वितरण किया गया तथा स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदू, डॉ. अभिलाष पांडे एवं नीरज सिंह, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, जेडीए उपाध्यक्ष संदीप रजक, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, सहित कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, नगर निगम कमिश्नर अग्रिम कुमार, एम आईसी सदस्य रजनी कैलाश साहू, डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमति अंशुल राघवेंद्र यादव, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

महापर्व छठ : भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य आज

खरना कर महिलाओं ने रखा 36 घंटे का निर्जला व्रत



जबलपुर।

महापर्व छठ के प्रति उत्तर भारतीयों में अभूतपूर्व उत्साह एवं उमंग संस्कारधानी में दिख रहा हैं। भारत में छठ सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है। मूलतः सूर्य षष्ठी व्रत होने के कारण इसे छठ कहा गया है। स्त्री और पुरुष समान रूप से इस पर्व को मनाते हैं। छठ महापर्व के दूसरा दिन शुक्रवार को अस्ताचलगामी सूर्य और को शनिवार उदयगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य का संकल्प पूरा करने के लिए व्रतियों ने खरना किया। व्रती दिनभर उपवास के बाद शाम को स्नान कर छठी मइया को गुड़ का खीर रसिआव और गेहूं की रोटी का भोग लगाएगी और अस्त होते सूर्य को अर्घ्य के लिए संकल्प लिया। सूर्यास्त के बाद कुलदेवता की पूजा की। खरना के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हुआ। शनिवार को अस्त होते सूर्य और रविवार को उदयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य के बाद महापर्व छठ का समापन होगा। शहर में लोकआस्था का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय.खाये के साथ शुरू हुआ। दूसरे दिन शनिवार को खरना हुआ। वहीं प्रसाद बनाने के लिये आम की लकड़ी और मिट्टी से बने चूल्हे की खरीद भी होती रही। फलों की मंडियों में भी उल्लास का वातावरण दिखा और अर्घ्य के लिये फलों की खरीद देर शाम तक चलती रही। प्रसाद बनाने के लिए श्रद्धालु गंगाजल भी ले गए। घाट से लेकर घर की छतों पर व्रतियों के छठ गीत से वातावरण पावन हो गया। व्रतियों ने नर्मदा सहित विभिन्न तालाबों के घाटों पर स्नान कर छठी मइया के गीत गाये और अनेक स्थानों पर महिलाओं ने घाट पर बनाई गई बेबी की पूजा की जिसे हम घाट पूजा कहते हैं।

छठ का पौराणिक तथ्य

डूबते सूरज को अर्घ्य छठ पर्व पर पहले डूबते सूरज और फिर ऊगते सूरज की पूजा कि जाती है। साथ ही महिलाएं कमर तक पानी में खड़ी रहती हैं। इस उल्टे क्रम के पीछे पौराणिक कारण हैं। मान्यताओं के अनुसार राक्षस तारकासुर का वध करने हेतु भगवान कार्तिकेय का जन्म हुआ था। उनके जन्म के साथ ही छह मातृकायें प्रकट हुई जो भगवान कार्तिकेय की देखभाल करती थी। जब तारकासुर का भय चरम पर था तभी भगवान कार्तिकेय ने तारकासुर का वध करने के लिए युद्ध किया और उसको मारने के लिए वे तारकासुर के पीछे दौड़े, उनके पीछे उनकी छह मातृकायें भी दौड़ी। भगवान कार्तिकेय दौड़ते हुए नदी पार कर गए किंतु माताओं का पैर नदी में ही फंस गया। जिसके कारण वे आगे नही बढ़ सकीं। उस समय भगवान सूर्य के अस्त होने का समय था। सभी माताएं नदी में ही खड़े रहकर सूर्य देव से पुत्र के लिए मंगलकामना करती रहीं। दूसरे दिन सूर्योदय के समय कार्तिकेय तारकासुर का वध करने तक मातायें उसी अवस्था में नदी में रहकर प्रार्थना करती रहीं। यही छह मात्रिकायें छठ मइया कहलाईं। तभी से कार्तिक मास की षष्ठी को माताएं अपने पुत्रों की कुशलता के लिए व्रत रखती हैं एवं शाम के समय पहले सूर्यास्त के समय प्रथम अर्घ्य एवं दूसरे दिन सुबह सूर्योदय के समय द्वितीय अर्घ्य देती है।

बाल दिवस पर दौड़ से दिया नशामुक्ति का संदेश



मझौली। टारगेट युवा शक्ति वेलफेयर सोसायटी द्वारा बाल दिवस पर लगातार 10वें वर्ष दौड़ प्रतियोगिता आयोजित कर नशामुक्ति एवं युवा जागृति का संदेश दिया गया। सर्वोत्तम स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता के बालक वर्ग में विकास पटेल प्रथम, कृष्णा राय द्वितीय एवं प्रेम सोनी तृतीय रहे। बालिका वर्ग में आकांक्षा पटेल प्रथम, सृष्टि पटेल द्वितीय एवं लक्ष्मी रैकवार तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को गिरीश पालीवाल ने पुरस्कार तथा सभी प्रतिभागियों को प्रतापभानु साहू ने सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए। संजय सराफ की ओर से विद्यालय के बच्चों को पेन वितरित किए गए। नशामुक्ति ब्रांड एंबेसडर अमित राजपूत ने बच्चों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। गोवा से विधायक अजय बिश्नोई ने वीडियो कॉल के माध्यम से बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष शिप्रा चौरसिया, मुकेश क्षत्रिय, नादिर कुरैशी, बृजेश दुबे, आशीष तिवारी, विजय पाठक, गुंजन साक्षी तिवारी, विवेक कोष्टा, आयुष श्रीवास्तव, अनुराग दुबे, देवेंद्र पटेल, अर्पित दुबे, मुकेश पटेल, मुकेश राय सहित टीम सदस्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

महेश भवन में स्थापित होगा भगवान श्री जगन्नाथ का अर्जी पात्र



जबलपुर। माहेश्वरी मंडल, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिदेव विग्रह स्थापना समारोह के अवसर पर 15 नवंबर, रविवार को महेश भवन, गोपालबाग, दमोहनाका में जय जगन्नाथ मिशन इंटरनेशनल द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी का विशेष अर्जी पात्र स्थापित किया जाएगा। इसमें श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं, इच्छाएं एवं प्रार्थनाएं लिखकर समर्पित कर सकेंगे। प्राप्त सभी अर्जियों को विधिवत जगन्नाथपुरी (ओडिशा) में भगवान श्री जगन्नाथ जी के श्रीचरणों में अर्पित किया जाएगा। मिशन के संस्थापक डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी ने बताया कि जो भक्त जगन्नाथपुरी नहीं पहुंच पा रहे हैं, वे इस माध्यम से महाप्रभु के समक्ष अपनी अर्जी प्रस्तुत कर सकेंगे। उन्होंने इसे भक्तों की आस्था और जगन्नाथपुरी से जुड़ाव का आध्यात्मिक प्रयास बताया। आयोजन में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील शरद काबरा, रामजी अग्रवाल, बृज बिहारी शर्मा, संतोष नेमा, संतोष पटेल, विजय केसरवानी एवं सोनिया वाकुलकर रायात सहित अन्य पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने की है।

बिरसा मुंडा जयंती पर प्रतिभाओं का होगा सम्मान



सिहोरा। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर ओबीसी महासभा द्वारा आज ध्वनि मैरिज गार्डन, बायपास में दोपहर 12 बजे से प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। महासभा जिलाध्यक्ष छोटे पटेल ने बताया कि वर्ष 2025-26 में 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ओबीसी, एससी एवं एसटी वर्ग के विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेन्द्र सिंह लोधी, अध्यक्षता डॉ. बिजेंद्र सिंह यादव करेंगे। विशिष्ट अतिथि राकेश सिंह लोधी, प्रीतम सिंह उइके, बैजनाथ कुशवाहा, देवेश चौधरी, राजेश पटेल, संतराम पटेल, सोनेलाल चौधरी, सुश्री विनीता आदिवासी एवं महेन्द्र मालगुजार रहेंगे। डॉ. रश्मि सिंह एवं एडवोकेट अन्नू पटेल भी संबोधित करेंगी। आयोजन में शामिल होने की अपील एड. रामगोपाल पटेल, रामराज पटेल, अशोक पटेल, नवीन पटेल, भारत हल्दकार, नरेन्द्र चौधरी, सुग्रीव पटेल, मुकेश पटेल, बिदू पटेल, प्रमोद चौधरी एवं विमल किशोर यादव ने की है।

वस्त्र उद्योग में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं : दीपक जैन



जबलपुर। शासकीय महाकोशल महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत उद्यमिता एवं स्वरोजगार विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता जबलपुर गारमेंट्स एंड फैशन डिजाइनिंग क्लस्टर के प्रबंध संचालक दीपक जैन ने विद्यार्थियों को वस्त्र उद्योग की स्थापना, संचालन, बाजार की संभावनाओं और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण, कौशल और नवाचार से युवा स्वयं का उद्योग स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने युवाओं से नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनने का आह्वान किया। संभागीय मार्गदर्शक प्रो. अरुण शुक्ल ने शासन की योजनाओं का लाभ लेकर रोजगारोन्मुखी कौशल विकसित करने की बात कही। कार्यक्रम में योजना प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. महेन्द्र कुशवाहा सहित महाविद्यालय के 42 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षकों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मना बाल दिवस



जबलपुर। निर्मला हायर सेकेंडरी स्कूल में 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशेष प्रार्थना सभा से हुआ। प्राचार्य फादर फ्रांसिस जेवियर, उपप्राचार्या श्रीमती सपना फिलिप एवं फादर अगस्टिन ने चाचा नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण किया। बच्चों के लिए आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने समूह गान एवं नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच वॉलीबॉल मैच भी आयोजित किया गया। शिक्षकों ने पंडित नेहरू के जीवन पर विचार व्यक्त किए तथा कविताएं प्रस्तुत कर बच्चों का मनोरंजन किया। अंत में प्राचार्य फादर फ्रांसिस जेवियर ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए ईमानदारी, अनुशासन एवं कड़ी मेहनत के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मेडिकल यूनिवर्सिटी पर फैसला आने तक नियुक्तियां रोकें

जबलपुर। मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन होने के चलते उज्जैन यूनिवर्सिटी का नोटिफिकेशन जारी करने और जबलपुर में कुलगुरु नियुक्ति की प्रक्रिया रोकने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता डॉ. पी.जी. नाजपांडे एवं रजत भार्गव ने राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत कोठारी को पत्र भेजकर कहा है कि हाईकोर्ट द्वारा शासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। ऐसे में अंतिम निर्णय तक विभाजन से जुड़ी कार्रवाई रोकी जाए। उल्लेखनीय है कि जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी की अधिसूचना 21 अगस्त को राजपत्र में प्रकाशित हो चुकी है, जबकि उज्जैन यूनिवर्सिटी का नोटिफिकेशन बाकी है। कुलगुरु पद के लिए 10 सितंबर 2026 को आवेदन भी आमंत्रित किए जा चुके हैं।

छठ महापर्व की छटा से सराबोर संस्कारधानी, आज सूर्य को अर्घ्य देंगे व्रती

जबलपुर। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ की धूम संस्कारधानी में दिखाई दे रही है। शहर के 18 से अधिक घाटों और तालाबों पर पूजा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार को खरना के साथ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत प्रारंभ हो गया। आज रविवार को व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य अर्पित करेंगे। सोमवार सुबह उदितमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पर्व का समापन होगा। उत्तर प्रदेश-बिहार महासंघ के संयोजक डॉ. राजेश जायसवाल के अनुसार शहर में विभिन्न सामाजिक संस्थाएं पूजा स्थलों पर व्यवस्थाएं संभाल रही हैं। नगर निगम द्वारा घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल, चेंजिंग रूम और सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। तिलवारा और अधारताल में सूर्य नारायण की विशेष आरती होगी। गौरीघाट में उत्तर भारतीय बिहार कल्याण महासंघ द्वारा रविवार शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें भोजपुरी कलाकार एवं इंडियन आइडल फेम राधा श्रीवास्तव, राधा मिश्रा और अमित श्रीवास्तव प्रस्तुतियां देंगे। गौरीघाट, भटौली, तिलवारा, अधारताल, महाराजपुर, कंचनपुर, रांझी, खमरिया, रानीताल, सूपाताल और हनुमानताल सहित अनेक स्थानों पर पूजा होगी। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, डॉ. राजेश जायसवाल, बनारसी यादव, अमेन्द्र नारायण श्रीवास्तव, केएन सिंह यादव, प्रो. उज्ज्वल सिंह, अनिल चौबे, सुनयना जायसवाल, प्रीति त्रिपाठी, अर्चना सहित महासंघ के पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित पूजा में शामिल होने की अपील की है।

बोहरा समाज के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 100 से अधिक लोगों की जांच



जबलपुर। विश्व डायबिटीज दिवस पर दाऊदी बोहरा समाज द्वारा 14 नवंबर को कोतवाली स्थित बोहरा मस्जिद के बेसमेंट में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें 100 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर लाभ लिया। शिविर में आमिल कायद जौहर भाई साहब ने कहा कि डायबिटीज के बढ़ते मामले चिंता का विषय हैं। नियमित जांच, संतुलित खानपान और प्रतिदिन व्यायाम से इससे बचाव एवं नियंत्रण संभव है। डॉ. मुस्तफा भाई दमोहवाला के संयोजन में विशेषज्ञ डॉ. सुरेश पटेल ने मरीजों की जांच कर परामर्श दिया। शिविर में डायबिटीज, ब्लड प्रेशर सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई। आयोजन में डॉ. सकीना बोहरा, डॉ. हातिम फैजी, युसुफ सैफी, हैदर सोनी, हैदर बाटा एवं फरजदक लखनादौनवाला का सहयोग रहा। अंत में हिज हालीनेस सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के लिए प्रार्थना की गई।



साई ध्वजारोहण और पालकी शोभायात्रा से महोत्सव का शुभारंभ

जबलपुर। सिविल लाइन स्थित साई मंदिर में तीन दिवसीय साई महोत्सव एवं 58वां स्थापना दिवस समारोह ध्वजारोहण और भव्य पालकी शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। सुबह साई अभिषेक, पूजन एवं आरती के बाद डॉ. अजय सेठ ने साई जयघोष के साथ ध्वजारोहण किया। सुंदरकांड एवं साई भोग के पश्चात समाजसेवी कमलेश अग्रवाल के नेतृत्व में पालकी शोभायात्रा निकाली गई। इसमें झंडे, बैनर, कलशधारी महिलाएं और सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। जगह-जगह पालकी का पूजन, आरती एवं पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। संध्या महाआरती डॉ. जितेन्द्र जामदार ने की। शोभायात्रा में रविनंदन सिंह, सुनील चंदेल, मृगेन्द्र नारायण, उमेश पिल्ले, संतोष अवस्थी, लक्ष्मणदास, भीमराव, डॉ. तनुश्री सिंह, श्याम खत्री, रवि पाण्डे एवं मनोहर कनौजिया उपस्थित रहे। आयोजन के तहत 15 नवंबर को ईशान मिनोचा एवं पार्टी की साई भजन संध्या होगी। इसमें चारू कौर, कशिश खत्री एवं पारूल बुधवानी का विशेष सहयोग है। राजेन्द्र तोमर, अशोक स्वामी एवं लालजी रजक सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

17वीं एडवोकेट प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज



जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ द्वारा आयोजित 17वीं एडवोकेट प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का शनिवार को रानीताल स्टेडियम में रोमांचक आगाज हुआ। पहले दिन खेले गए मुकाबलों में टीम येलो और नवरंग ने जीत दर्ज की। पहले मैच में येलो ने टाइटेनियम को 8 विकेट से हराया। टाइटेनियम ने 20 ओवर में 140 रन बनाए। जवाब में येलो ने 14 ओवर में 141 रन बनाकर जीत हासिल की। कप्तान अन्वेष श्रीवास्तव ने 45 गेंदों में 102 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में नवरंग ने डायमंड को 9 रन से हराया। नवरंग ने 151 रन बनाए, जवाब में डायमंड की टीम 142 रन पर सिमट गई। उमेश तोमर को 4 विकेट लेने पर मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष मनीष मिश्रा, उपाध्यक्ष सुनीता सूद, सचिव शैलेंद्र सिंह ठाकुर एवं सह-सचिव शैलेन्द्र यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

निधन

अगस्टिन डेविड- वरिष्ठ पत्रकार बेंनडिक्ट डेविट के अनुज भ्राता 59 वर्षीय अगस्टिन डेविड का निधन शनिवार की सुबह हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज 15 नवंबर को उनके निवास स्थान रांझी बंगाली कॉलोनी से बिलहरी कब्रिस्तान के लिए दोपहर 2 बजे रवाना होगी।

श्री मुकेश बिरहा- मां रेवा नगर तिलहरी निवासी श्री मुकेश बिरहा (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामदास अहिरवार- सेठी नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री रामदास अहिरवार (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री अर्चना श्रीवास्तव- चमन अपार्टमेंट नेपियर टाउन निवासी श्री हेमंत श्रीवास्तव की पुत्री सुश्री अर्चना श्रीवास्तव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री ज्योति दाहिया- बर्न कम्पनी श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री पुन्नूलाल दाहिया की पुत्री सुश्री ज्योति दाहिया (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सेवाराम शिवहरे- न्यू पीपी कॉलोनी निवासी श्री सेवाराम शिवहरे (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कमला देवी गुरुनानी- लालामाटी द्वारका नगर गोस्वामी दरबार के पास निवासी श्री श्याम लाल गुरुनानी की धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी गुरुनानी (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुकुंदी लाल अग्रवाल- कोतवाली पुरानी सुभाष टाकीज के पास निवासी श्री मुकुंदी लाल अग्रवाल (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम यादव- उडिय़ा मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री कोमल यादव के पुत्र श्री राम यादव (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

सुश्री कनुप्रिया श्रीवास्तव- आस्था नगर गौरीघाट रोड निवासी श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव की पुत्री सुश्री कनुप्रिया श्रीवास्तव का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अनिल कुमार साहू- कोतवाली बाजार निवासी श्री अनिल कुमार साहू (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री महेश प्रसाद मिश्रा- शुक्ला नगर गढ़ा निवासी श्री महेश प्रसाद मिश्रा (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरेंद्र बेन- भानतलैया चौधरी मोहल्ला निवासी श्री नरेंद्र बेन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मधु बंसल- किंग्सवे केंट निवासी श्री प्रदीप बंसल की धर्मपत्नी श्रीमती मधु बंसल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कौशल्या देवी पचवानी- द्वारका नगर सिंधी गुरूद्वारा के पास निवासी श्री अर्जुन दास पचवानी की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी पचवानी (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजेंद्र कुमार गोलछा- बंगला नं. 1 तीसरा पुल निवासी श्री राजेंद्र कुमार गोलछा (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शकुन बाई ठाकुर- भानतलैया खेरमाई वार्ड निवासी श्री रमेश कुमार ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन बाई ठाकुर (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री महादेव- मुड़वारा कटनी निवासी श्री महिपाल के पुत्र श्री महादेव (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चेतराम चौधरी- गली नं. 3 पोलीपाथर बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ निवासी श्री चेतराम चौधरी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बसंत राव मेहरा- पुराना कंचनपुर अधारताल निवासी श्री बसंत राव मेहरा (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री पन्ना लाल दीक्षित- एपीआर कॉलोनी बिलहरी निवासी श्री पन्ना लाल दीक्षित (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक कुमार यादव- छुई खदान श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री अशोक कुमार यादव (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि बिजी/शोक/उद्घाटन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति कलाचार से.मी.
फिक्स साइज:- 1x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 1x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 1x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

कांग्रेस ने मनाई नेहरू और बिरसा मुंडा की जयंती



सिहोरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बिहारी पटेल के संयोजन में खितौला बाजार स्थित कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं महान क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पुष्पांजलि एवं संगोष्ठी आयोजित की गई। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश एवं जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव के मार्गदर्शन में किसानों की समस्याओं को लेकर विधायक कार्यालय में प्रदर्शन किया गया। विधायक संतोष बरकड़े की अनुपस्थिति में कांग्रेसजनों ने विभिन्न मांगों एवं संवाद के बिंदुओं का पत्र कार्यालय में चस्पा कर नारेबाजी की। इस अवसर पर पं. राजकुमार तिवारी, राजेश चौबे, रमेश पटेल, आलोक पांडे, शिवकुमार गर्ग, के.के. कुररिया, संतोष पांडे, पवन सोनी, घनश्याम बड़गैया, शंकर वंशकार, सुदीप पांडे, नवनीत शुक्ला, डॉ. रमेश पटेल, डब्बू पाठक, ओम नारायण श्रीवास्तव, प्रांजल सराफ, दीपक तिवारी, युसूफ खान, राम लोचन गोटिया, अजीत विश्वकर्मा, जमीला बानो, शशिकला चौधरी सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

हर 3 साल में म्यूचुअल फंड स्कीम बदलना समझदारी या बड़ी गलती

● सिर्फ पिछले एक या तीन साल के रिटर्न को देखकर फंड बदलने से बचें● रोलिंग रिटर्न बताता है बाजार के अलग-अलग दौर में स्कीम का प्रदर्शन● जल्दबाजी में स्विच करने से कंपाउंडिंग, टैक्स और अतिरिक्त शुल्क पर असर

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग एक आम गलती करते हैं। वे हर दो-तीन साल में अपना पोर्टफोलियो देखते हैं और जिस स्कीम का रिटर्न कम दिखाई देता है, उसे बेचकर उस फंड में पैसा लगा देते हैं जिसने हाल के वर्षों में बेहतर प्रदर्शन किया हो। पहली नजर में यह फैसला समझदारी भरा लग सकता है, लेकिन बार-बार फंड बदलने की यह आदत लंबे समय में निवेश के नतीजों को प्रभावित कर सकती है। इसकी वजह है बाजार के प्रदर्शन को समझने में जल्दबाजी, स्विच करने का खर्च और कंपाउंडिंग पर पड़ने वाला असर। निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि किसी म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न उसके भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। बाजार में तेजी के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम अगले कुछ वर्षों में कमजोर भी रह सकती है। इसी तरह किसी फंड का एक-दो साल तक पीछे रहना यह साबित नहीं करता कि उसकी निवेश रणनीति खराब हो गई है। इसलिए केवल एक निश्चित अवधि के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेने के बजाय फंड के प्रदर्शन की निरंतरता देखना जरूरी है।



इक्विटी और डेट फंड के कर नियम अलग हो सकते हैं। निवेश की अवधि और निकासी की तारीख के आधार पर भी कर देनदारी बदलती है। इसलिए हर तीन साल में फंड बदलने से पहले एग्जिट लोड और टैक्स की गणना जरूर कर लें। केवल सकल रिटर्न की तुलना करना पर्याप्त नहीं है।

ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न में क्या है अंतर

फंड का प्रदर्शन जांचने के लिए आमतौर पर ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न दो तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। ट्रेलिंग रिटर्न किसी एक तारीख से पीछे की ओर एक निश्चित अवधि का प्रदर्शन बताता है। उदाहरण के लिए, आज से पिछले तीन साल में किसी फंड ने कितना सालाना रिटर्न दिया, यह उसका तीन साल का ट्रेलिंग रिटर्न होगा। इसमें केवल दो तारीखों के बीच का प्रदर्शन शामिल होता है। इसलिए बाजार की तेजी या गिरावट का उस पर काफी असर पड़ सकता है। इसके विपरीत, रोलिंग रिटर्न अलग-अलग तारीखों से शुरू होने वाली समान निवेश अवधियों का प्रदर्शन दिखाता है। मान लीजिए किसी फंड का तीन साल का रोलिंग रिटर्न देखना है। इसके लिए अलग-अलग तारीखों पर निवेश शुरू करके अगले तीन साल के रिटर्न की गणना की जाती है। इससे पता चलता है कि बाजार के अलग-अलग दौर में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया। निवेशक यह समझ पाते हैं कि स्कीम ने केवल किसी एक अनुकूल अवधि में अच्छा रिटर्न दिया है या अलग-अलग परिस्थितियों में भी प्रदर्शन की निरंतरता बनाए रखी है।

तीन निवेशकों का उदाहरण समझिए

मान लीजिए तीन दोस्तों ने एक ही म्यूचुअल फंड में अलग-अलग वर्षों में निवेश किया। पहले दोस्त ने जनवरी 2021 में निवेश किया और जनवरी 2024 में पैसा निकाला। उसे सालाना 15 प्रतिशत रिटर्न मिला। दूसरे ने जनवरी 2022 में निवेश किया और जनवरी 2025 में निकासी की। बाजार की परिस्थितियों के कारण उसका रिटर्न 10 प्रतिशत रहा। तीसरे दोस्त ने जनवरी 2023 में निवेश शुरू किया और जनवरी 2026 में पैसा निकाला। उसे 14 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिला। तीनों अवधियों के रिटर्न का साधारण औसत करीब 13 प्रतिशत बैठता है। यह उदाहरण बताता है कि अलग-अलग समय पर निवेश करने वालों को एक ही फंड से अलग नतीजे मिल सकते हैं। हालांकि, वास्तविक रोलिंग रिटर्न का आकलन केवल तीन अवधियों का औसत निकालकर नहीं किया जाता।

कब बदलना चाहिए म्यूचुअल फंड?

फंड बदलने का फैसला केवल इस आधार पर नहीं करना चाहिए कि किसी दूसरी स्कीम ने पिछले एक साल, तीन साल या हाल की अवधि में उससे अधिक रिटर्न दिया है। म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय छोटी अवधि के उतार-चढ़ाव और रिटर्न की तुलना के बजाय फंड के लगातार प्रदर्शन और उसकी निवेश रणनीति को समझना ज्यादा जरूरी है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि संबंधित फंड लगातार अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी की दूसरी स्कीमों के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन तो नहीं कर रहा है। यदि ऐसा है तो यह भी समझना जरूरी है कि इसके पीछे बाजार की परिस्थितियां हैं या फंड प्रबंधन की रणनीति में कोई कमी है। क्या फंड मैनेजर बदला है? क्या निवेश की रणनीति, पोर्टफोलियो या प्रमुख कंपनियों में हिस्सेदारी में बड़ा बदलाव आया है? इसके अलावा यह भी जांचना चाहिए कि फंड का जोखिम स्तर आपकी वित्तीय जरूरतों, निवेश के उद्देश्य और निवेश अवधि के अनुरूप है या नहीं।

बार-बार फंड बदलने से कैसे घट सकता है मुनाफा?

मान लीजिए कोई निवेशक हर महीने 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है और इसे 15 साल तक जारी रखता है। इस दौरान उसका कुल निवेश 27 लाख रुपये होगा। यदि निवेश को लंबे समय तक बनाए रखा जाए और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिले, तो दिए गए उदाहरण के अनुसार फंड की सकल कीमत करीब 71.39 लाख रुपये हो सकती है। दूसरी स्थिति में निवेशक हर तीन साल में फंड बदलता है। इस दौरान फंड बेचने और नई स्कीम में निवेश करने के बीच का अंतर, बाजार की टाइमिंग और संभावित शुल्क उसके नतीजे को प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण में बार-बार स्विच करने की स्थिति में सकल फंड मूल्य करीब 66.42 लाख रुपये माना गया है। दोनों स्थितियों में लगभग 4.97 लाख रुपये का अंतर दिखाई देता है। म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने या एक स्कीम से दूसरी में जाने पर एग्जिट लोड लग सकता है। इसकी दर और अवधि संबंधित स्कीम के नियमों पर निर्भर करती है। इसके अलावा, यूनिट बेचने पर होने वाले लाभ पर लागू कर भी निवेश के अंतिम मूल्य को प्रभावित करता है।

टैक्स बचाने को ईएलएसएस फंड सही निवेश से पहले जान लें नफा नुकसान

- पुरानी टैक्स व्यवस्था में 80सी के तहत सालाना 1.5 लाख तक की कटौती का लाभ
- तीन साल का लॉक-इन; शेयर बाजार में निवेश होने से रिटर्न की गारंटी नहीं
- पांच से सात साल का नजरिया रखना बेहतर

जानकारी
बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के साथ निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे लोगों के लिए इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकता है। इसकी खासियत यह है कि इसमें निवेश करने पर पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत आयकर अधिनियम की धारा 80सी के अंतर्गत कटौती का लाभ मिल सकता है। साथ ही, इसमें तीन साल का लॉक-इन होता है, जो कई दूसरी टैक्स बचत योजनाओं की तुलना में कम है। हालांकि, केवल टैक्स बचाने के उद्देश्य से ईएलएसएस में पैसा लगाना सही रणनीति नहीं है। निवेश से पहले इसके बाजार जोखिम, लॉक-इन और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। ईएलएसएस की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें निवेश की गई राशि पर पुरानी टैक्स व्यवस्था में सालाना अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का दावा किया जा सकता है। लेकिन यह सीमा केवल ईएलएसएसके लिए अलग से नहीं है। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ), जीवन बीमा प्रीमियम और धारा 80सी के तहत आने वाले अन्य पात्र निवेश भी इसी सीमा में शामिल होते हैं। इसलिए यदि किसी व्यक्ति ने इन माध्यमों से पहले ही 1.5 लाख रुपये की सीमा का इस्तेमाल कर लिया है तो ईएलएसएस में अतिरिक्त निवेश करने से 80सी के तहत अलग से टैक्स लाभ नहीं मिलेगा। नई टैक्स व्यवस्था चुनने वाले अधिकांश करदाताओं को धारा 80सी की कटौती का लाभ नहीं मिलता। ऐसे में निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि आप किस टैक्स व्यवस्था के तहत रिटर्न दाखिल कर रहे हैं और पुरानी व्यवस्था में 80सी की कितनी सीमा पहले ही इस्तेमाल हो चुकी है। टैक्स बचत की गणना किए बिना केवल फंड की लोकप्रियता देखकर निवेश करना नुकसानदेह हो सकता है।



3 वर्ष का लॉक-इन, लेकिन मुनाफे की गारंटी नहीं

ईएलएसएस फंड में प्रत्येक निवेश की राशि पर तीन साल का लॉक-इन लागू होता है। यानी जिस तारीख को निवेश किया गया है, उस निवेश की यूनिट तीन साल पूरे होने से पहले नहीं निकाली जा सकती। एसआईपी के जरिये निवेश करने वालों को यह बात विशेष रूप से समझनी चाहिए। हर किस्त का लॉक-इन अलग-अलग होता है। उदाहरण के लिए, जनवरी में लगाई गई किस्त तीन साल बाद जनवरी में निकासी के योग्य होगी, जबकि फरवरी की किस्त का लॉक-इन अगले महीने पूरा होगा। पीपीएफ में निवेश की अवधि 15 साल और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) में पांच साल होती है। इसकी तुलना में ईएलएसएस का तीन साल का लॉक-इन कम है। यही वजह है कि टैक्स बचाने के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहने वाले लोगों के बीच यह लोकप्रिय विकल्प है। लेकिन तीन साल बाद पैसा निकालने की सुविधा का अर्थ यह नहीं है कि तीन साल में अच्छा रिटर्न मिलना तय है।

शेयर बाजार का जोखिम समझना जरूरी : ईएलएसएस एक इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड श्रेणी है। इसमें निवेश की गई राशि का बड़ा हिस्सा शेयर बाजार में लगाया जाता है। बाजार में तेजी आने पर फंड का मूल्य बढ़ सकता है, लेकिन गिरावट के समय निवेश की कीमत घटने का जोखिम भी रहता है। इसलिए इसे निश्चित ब्याज देने वाली बैंक एफडी या छोटी बचत योजनाओं के समान नहीं समझना चाहिए। यदि किसी निवेशक को अगले दो-तीन साल में घर खरीदना है, बच्चों की फीस चुकानी है या किसी अन्य जरूरी खर्च के लिए रकम चाहिए तो केवल टैक्स बचाने के लिए ईएलएसएस में निवेश करना उचित नहीं होगा। इस फंड को कम से कम पांच से सात साल या उससे अधिक की निवेश अवधि को ध्यान में रखकर देखना बेहतर है।

नवंबर 2026 के लिए छह ईएलएसएस फंडों पर नजर

- केनरा रोबेको ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- मिराए एसेट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- इनवेस्को इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

फंड चुनते समय किन बातों की करें जांच

ईएलएसएस फंड चुनते समय केवल पिछले एक या तीन साल का रिटर्न देखना पर्याप्त नहीं है। यह भी जांचना चाहिए कि अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया है। क्या उसने अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी के दूसरे फंडों की तुलना में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है? बाजार में गिरावट के दौरान उसमें कितनी कमी आई? जोखिम के अनुपात में कितना अतिरिक्त रिटर्न मिला? इन सवालों के जवाब निवेश का फैसला लेने में मदद कर सकते हैं। फंड के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए रोलिंग रिटर्न, प्रदर्शन की निरंतरता और गिरावट के दौरान हुए नुकसान जैसे पैमानों को देखना उपयोगी है। अंततः ईएलएसएस में निवेश का फैसला केवल टैक्स बचत के आधार पर नहीं होना चाहिए। पहले अपनी टैक्स व्यवस्था और 80सी की उपलब्ध सीमा देखें। फिर निवेश की अवधि, बाजार जोखिम और जरूरत के समय पैसे की उपलब्धता पर विचार करें। टैक्स बचत के साथ संपत्ति बनाने का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब निवेश सही योजना, पर्याप्त अवधि और जोखिम को समझकर किया जाए।



कर्ज चुकाने में आगे, फिर भी महिला उद्यमियों को ऋण मिलने में बाधाएं

- महिलाओं के कारोबार ऋण में 2017 से 7.5 गुना वृद्धि
- कर्ज चुकाने का रिकॉर्ड भी बेहतर; इसके बावजूद केवल 4% महिला कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट सुविधा
- संपत्ति के दस्तावेज व डिजिटल पहुंच की कमी रुकावट

कर्ज-असमानता
बिजनेस डेस्क

महिलाएं कारोबार शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने में लगातार अपनी क्षमता साबित कर रही हैं। ऋण लेने के बाद उसे समय पर चुकाने के मामले में भी उनका रिकॉर्ड बेहतर है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को कारोबार के विस्तार के लिए पर्याप्त कर्ज नहीं मिल पा रहा है। यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल महिलाओं की आर्थिक क्षमता या ऋण चुकाने की योग्यता की नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था और कर्ज आकलन की प्रक्रिया में मौजूद संरचनात्मक बाधाओं की भी है। नीति आयोग और ट्रांसयूनियन सिबिल की अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल संस्थागत ऋण में महिलाओं की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। महिला कारोबारियों का ऋण पोर्टफोलियो 2017 के मुकाबले 7.5 गुना बढ़ा है। इसके बावजूद कारोबार के नाम पर ऋण लेने वाली महिलाओं की संख्या सीमित बनी हुई है।

बेहतर भुगतान का रिकॉर्ड

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में ऋण लेने वाली महिलाओं के ऐसे कर्ज की चूक दर, जिनकी किस्त 90 दिन या उससे अधिक समय से बकाया थी, कुल औसत चूक दर की तुलना में केवल 0.7 गुना रही। इसका अर्थ है कि महिला कर्जदारों का भुगतान रिकॉर्ड तुलनात्मक रूप से बेहतर रहा है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को बड़े ऋण और कारोबार चलाने के लिए जरूरी कार्यशील पूंजी हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई महिलाएं अपने कारोबार के लिए व्यक्तिगत ऋण, सूक्ष्म वित्त और मुद्रा योजना पर निर्भर हैं। इनसे छोटे स्तर पर कारोबार शुरू करने में मदद मिल सकती है, लेकिन कारोबार का विस्तार करने के लिए अधिक राशि, लचीली ऋण सुविधा और नियमित कार्यशील पूंजी की जरूरत होती है। यहां महिलाओं की पहुंच सीमित दिखाई देती है। इस अंतर का एक उदाहरण ओवरड्राफ्ट सुविधा है। अप्रैल 2026 तक केवल लगभग 4 प्रतिशत महिला स्वामित्व वाली कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट की सुविधा थी, जबकि सभी कारोबारों में यह अनुपात करीब 40 प्रतिशत था।

संपत्ति और दस्तावेजों की कमी बन रही बाधा

बैंक आमतौर पर ऋण देने से पहले संपत्ति, आय, वित्तीय रिकॉर्ड और कारोबार की स्थिति का आकलन करते हैं। महिलाओं के मामले में इन मानकों पर कई व्यावहारिक मुश्किलें सामने आती हैं। परिवार की संपत्ति अक्सर पुरुष सदस्यों के नाम पर होती है। ऐसे में महिला उद्यमी के पास कारोबार के लिए गिरवी रखने योग्य संपत्ति नहीं होती। इसके अलावा कई महिला संचालित कारोबार अनौपचारिक रूप से चलते हैं, जहां नियमित लेखा-जोखा, ऑडिट और आय से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते।

डिजिटल रिकॉर्ड से खुल सकते हैं नए रास्ते

अब ऋण देने की प्रक्रिया में डिजिटल वित्तीय रिकॉर्ड की भूमिका बढ़ रही है। मार्च 2025 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण देने के लिए डिजिटल आकलन की व्यवस्था शुरू की गई। इसमें वस्तु एवं सेवा कर रिटर्न, आयकर रिटर्न और बैंक विवरण जैसे आंकड़ों के आधार पर कारोबार की वित्तीय स्थिति समझने में मदद मिलती है। इससे पारंपरिक संपत्ति आधारित आकलन के विकल्प तैयार हो सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और निजी संस्थाएं भी आंकड़ों पर आधारित ऋण आकलन को बढ़ावा दे रही हैं। किनारा कैपिटल की 'हर विकास' जैसी पहल इसी दिशा में काम कर रही है। हालांकि, डिजिटल व्यवस्था अपने आप में सभी समस्याओं का समाधान नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ऋणों की संख्या के लिहाज से महिलाओं को केवल 19.8 प्रतिशत ऋण मिले, जबकि कुल संस्थागत ऋण में उनकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है।

मोबाइल इंटरनेट की कमी भी बन रही चुनौती

डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के लिए मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल जरूरी है। जीएसएमए के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 75 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन हैं, जबकि पुरुषों में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल 37 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं। स्मार्टफोन, डिजिटल भुगतान और बैंकिंग सेवाओं तक सीमित पहुंच के कारण महिलाओं के वित्तीय लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड भी अधूरा रह जाता है। ऐसे में बैंक और ऋण देने वाली संस्थाएं यदि केवल डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर कर्ज की पात्रता तय करती हैं तो महिलाओं के सामने नई बाधा खड़ी हो सकती है। इसके लिए ऋण आवेदन, वित्तीय प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं को सरल बनाना होगा।

कर्ज के साथ कारोबार पर नियंत्रण भी जरूरी

महिला उद्यमियों के वित्तीय समावेशन का अर्थ केवल उनके नाम पर ऋण स्वीकृत करना नहीं है। कई बार कर्ज महिला के नाम पर लिया जाता है, लेकिन उसका इस्तेमाल और कारोबार से जुड़े फैसले परिवार के पुरुष सदस्य करते हैं। ऐसी स्थिति में ऋण चुकाने की जिम्मेदारी महिला पर रहती है, जबकि धन के इस्तेमाल पर उसका वास्तविक नियंत्रण नहीं होता। इसलिए बैंकों, सरकार और वित्तीय संस्थाओं को महिला उद्यमियों के नाम पर अलग कारोबारी बैंक खाते, व्यक्तिगत यूपीआई पहचान और नियमित वित्तीय रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। संयुक्त संपत्ति के दस्तावेजों को भी पात्र परिस्थितियों में गिरवी के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जा सकता है।

अगले साल के लिए नजर रखें इन फ्लेक्सी कैप फंड पर



- बाजार की अनिश्चितता के बीच बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश की आजादी
- तीन साल के प्रदर्शन, जोखिम और रिटर्न के आधार पर तीन योजनाएं चर्चा में

सुझाव
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करते समय केवल तेजी दिखाने वाले शेयरों या फंड के पीछे भागना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बाजार में ऊंचे मूल्यांकन, अलग-अलग कंपनियों और क्षेत्रों के प्रदर्शन में अंतर, वैश्विक अनिश्चितताएं और उतार-चढ़ाव निवेशकों के सामने चुनौती बने हुए हैं। ऐसे माहौल में निवेश का विविधीकरण महत्वपूर्ण हो जाता है। म्यूचुअल फंड की फ्लेक्सी कैप श्रेणी इसी जरूरत को पूरा करने का विकल्प देती है। फ्लेक्सी कैप फंड को बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश करने की स्वतंत्रता होती है। फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों, कंपनियों के मूल्यांकन और भविष्य की संभावनाओं के अनुसार इन तीनों श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे किसी एक बाजार श्रेणी पर निर्भरता कम करने और अलग-अलग क्षेत्रों में अवसर तलाशने की गुंजाइश मिलती है। इक्विटीमास्टर की 7 नवंबर 2026 की रिपोर्ट में तीन ऐसे फ्लेक्सी कैप फंड का उल्लेख किया गया है, जिन्हें 2027 के लिए निगरानी सूची में रखा जा सकता है।

1. व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 2022 में शुरू हुआ व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड अपेक्षाकृत नया है, लेकिन तीन साल के प्रदर्शन में इसने अपनी श्रेणी और बेंचमार्क से बेहतर रिटर्न दिया है। फंड का निवेश दृष्टिकोण कंपनियों के चयन पर आधारित है। यह किसी एक क्षेत्र या निवेश शैली पर अत्यधिक निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग उद्योगों और बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश करता है। पिछले तीन वर्षों में फंड ने 14.36 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इस अवधि में श्रेणी का औसत रिटर्न 12.39 प्रतिशत था। जोखिम के लिहाज से भी इसके आंकड़े उल्लेखनीय हैं। फंड का मानक विचलन 13.83 रहा, जबकि श्रेणी का औसत 14.39 था। शार्प अनुपात 0.18 और सॉर्टिनो अनुपात 0.33 रहा। दोनों आंकड़े श्रेणी के औसत से बेहतर हैं। सितंबर 2026 तक इस फंड का प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति आकार (एयूएम) करीब 9,300 करोड़ रुपये था। फंड के पोर्टफोलियो में 155 शेयर शामिल थे। आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में थे। इसका लगभग 50-54 प्रतिशत निवेश बड़े शेयरों में, 6-9 प्रतिशत मझोली कंपनियों में और 22-29 प्रतिशत छोटी कंपनियों में रहा। इसका पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय रहता है।

2. आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 1998 में शुरू हुआ आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड इस श्रेणी की पुरानी योजनाओं में शामिल है। पहले यह आदित्य बिड़ला एसएल इक्विटी फंड के नाम से जाना जाता था। यह मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों में निवेश करता है, लेकिन बेहतर विकास संभावनाओं के लिए मझोली और छोटी कंपनियों में भी हिस्सेदारी रखता है। इसकी निवेश रणनीति ऐसी कंपनियों की पहचान पर केंद्रित है, जिनकी बाजार हिस्सेदारी बढ़ रही हो, लाभ मार्जिन में सुधार हो रहा हो और पूंजी के इस्तेमाल की क्षमता बेहतर हो। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने 15.48 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया। इसी अवधि में निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत और श्रेणी का औसत 12.39 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 13.17 था, जो बेंचमार्क और श्रेणी औसत से कम है। शार्प अनुपात 0.20 और सॉर्टिनो अनुपात 0.38 रहा। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 28,000 करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में लगभग 85 शेयर थे। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। फंड का कारोबार अनुपात 20-30 प्रतिशत के आसपास रहा, जो अपेक्षाकृत लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने की रणनीति को दर्शाता है। पिछले एक साल में इसका 55-67 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा।



3. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग की पुरानी योजनाओं में से एक है। इसकी शुरुआत जनवरी 1995 में एचडीएफसी इक्विटी फंड के नाम से हुई थी। यह फंड बाजार मूल्यांकन और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदलता है, हालांकि इसका झुकाव आमतौर पर बड़ी कंपनियों की ओर रहता है। फंड की रणनीति मजबूत कारोबारी आधार और लंबी अवधि में विकास की संभावना वाली कंपनियों में निवेश करने की है। पिछले तीन वर्षों में इसने 16.19 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 12.37 था, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। शार्प अनुपात 0.22 और सॉर्टिनो अनुपात 0.40 रहा। ये आंकड़े इसकी जोखिम-समायोजित प्रदर्शन क्षमता को दर्शाते हैं। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 1.1 लाख करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में आमतौर पर 45-55 शेयर रहते हैं। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और कोटक महिंद्रा बैंक इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। इसका करीब 70-75 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा। फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश का बड़ा फायदा यह है कि फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश बदल सकते हैं।

**प्रदूषण ने सांसों पर संकट खड़ा कर दिया है। देश में प्रदूषण का एक प्रमुख कारण सड़कों पर वाहनों की लगातार बढ़ती संख्या है। पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन बड़ी मात्रा में प्रदूषक गैसें और सूक्ष्म कण छोड़ते हैं। इसके अलावा, कारखानों का उत्सर्जन, कोयले से चलने वाले बिजलीघर, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कूड़ा जलाना और खेतों में पराली जलाना मुख्य कारक माने जाते हैं। सर्दियों में मौसम की स्थिति भी प्रदूषण को जमीन के करीब रोक देती है। हवा की गति कम होने और तापमान में बदलाव के कारण प्रदूषक आसानी से फैल नहीं पाते। यदि आज पर्यावरण की रक्षा के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। अतः प्रदूषण के कारणों की पहचान करना और उन पर समय रहते प्रभावी रोक लगाना ही इसका स्थायी समाधान है। पराली से जैव ईंधन, खाद और दूसरे उपयोगी उत्पाद बनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकार को नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा और नागरिकों को भी अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा। केवल तात्कालिक उपायों और घोषणाओं से शहरों को साफ-सुथरा नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सरकार, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

साल भर काम करने वाली बनें नीतियां



विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

जरा सोचिए, जिस हवा में हम हर पल सांस लेते हैं, वही हवा अगर हमारी सेहत की सबसे बड़ी दुश्मन बन जाए तो क्या होगा? जिस सुबह की शुरुआत ताजी हवा और चिड़ियों की चहचहाहट से होनी चाहिए, वह अगर धुंध, धुएं और जहरीले कणों के बीच हो तो इसे विकास की कैसी तस्वीर कहा जाएगा? आज भारत के सामने प्रदूषण की समस्या कुछ ऐसी ही चुनौती बनकर खड़ी है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर मुंबई, कानपुर, लखनऊ, पटना, जयपुर और देश के दूसरे बड़े शहरों तक हवा की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। सवाल यह है कि आखिर भारत इस प्रदूषण की मार से कैसे बचे? प्रदूषण अब केवल पर्यावरण से जुड़ा मुद्दा नहीं रह गया है। यह सीधे लोगों की जिंदगी, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों पर पड़ता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि स्वस्थ और युवा लोग इससे सुरक्षित हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया में हर साल लगभग 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से होने वाली बीमारियों के कारण होती है। प्रदूषित हवा से दिल की बीमारी, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, अस्थमा और सांस से जुड़ी दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। यानी प्रदूषण धीरे-धीरे हमारी जिंदगी के साल कम कर रहा है। भारत में वायु प्रदूषण के कई कारण हैं। इनमें सबसे प्रमुख हैं वाहनों से निकलने वाला धुआं, कारखानों का उत्सर्जन, कोयले से चलने वाले बिजलीघर, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कूड़ा जलाना और खेतों में पराली जलाना। सर्दियों में मौसम की स्थिति भी प्रदूषण को जमीन के करीब रोक देती है। हवा की गति कम होने और तापमान में बदलाव के कारण प्रदूषक आसानी से फैल नहीं पाते। दिल्ली और आसपास के शहरों में पराली जलाने की चर्चा हर साल होती है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दुनिया में हर साल लगभग 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण के कारण होती है। प्रदूषित हवा से दिल की बीमारी, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, अस्थमा और सांस से जुड़ी दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। यानी प्रदूषण धीरे-धीरे हमारी जिंदगी के साल कम कर रहा है। भारत में वायु प्रदूषण के कई कारण हैं। इनमें सबसे प्रमुख हैं वाहनों से निकलने वाला धुआं, कारखानों का उत्सर्जन, कोयले से चलने वाले बिजलीघर, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कूड़ा जलाना और खेतों में पराली जलाना। सर्दियों में मौसम की स्थिति भी प्रदूषण को जमीन के करीब रोक देती है। हवा की गति कम होने और तापमान में बदलाव के कारण प्रदूषक आसानी से फैल नहीं पाते।



जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही तय हो

जब हवा की गुणवत्ता खराब हो तो बाहरी गतिविधियां सीमित करना समझदारी है। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लें। मास्क के मामले में भी ध्यान रखें कि कपड़े या सामान्य मास्क पूरी सुरक्षा नहीं देते। सही फिटिंग वाला मास्क बेहतर बचाव दे सकता है। भारत को यह समझना होगा कि स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, बल्कि हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है। सबसे जरूरी है कि प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न माना जाए। गर्मियों में धूल, उद्योगों का धुआं और वाहनों का प्रदूषण भी लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए साल भर काम करने वाली नीति बनानी होगी। प्रदूषण के आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाए, जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही तय हो और हर शहर के लिए समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। आखिर हम अपने बच्चों को कैसी विरासत देना चाहते हैं? ऐसे शहर जहां बच्चे खुलकर खेल न सकें, बुजुर्ग सुबह की सैर से डरें और लोग सांस लेने के लिए मास्क पर निर्भर रहें? या ऐसे शहर जहां साफ हवा में सांस लेना सामान्य बात हो? भारत ने विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। अब उसे स्वच्छ हवा के मोर्चे पर भी वैसी ही इच्छाशक्ति दिखानी होगी। विकास का मतलब केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं है। विकास का असली पैमाना यह भी है कि देश का आम नागरिक बिना किसी डर के खुलकर सांस ले सके।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम

पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में फसल कटने के बाद खेतों में बची पराली को जलाया जाता है। इससे धुआं और छोटे जहरीले कण हवा में पहुंचते हैं। हालांकि यह समझना जरूरी है कि दिल्ली के प्रदूषण के लिए केवल पराली जिम्मेदार नहीं है। स्थानीय वाहन, उद्योग, निर्माण कार्य, सड़क की धूल और कचरा जलाने जैसे कारण भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। एक और समस्या है, जिस पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। वह है घरों के भीतर का प्रदूषण। लकड़ी, कोयला और उपले जलाकर खाना बनाने वाले परिवारों को इसका सामना करना पड़ता है। अगर घर में धुएं के बाहर निकलने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है तो महिलाओं-बच्चों की सेहत पर इसका गंभीर असर पड़ता है। भारत सरकार ने कुछ साल पहले राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू किया था। इसका उद्देश्य देश के प्रदूषण प्रभावित शहरों में हवा की गुणवत्ता सुधारना है। इसके तहत 130 शहरों में प्रदूषण कम करने के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाई गईं। 2024-25 में इन 130 शहरों में से 103 शहरों में 2017-18 के मुकाबले पीएम10 के स्तर में कमी दर्ज की गई। इनमें 25 शहरों ने 40 प्रतिशत से अधिक कमी हासिल की। लेकिन केवल कुछ शहरों में सुधार से देश की समस्या हल नहीं होगी।

आपातकालीन पाबंदी समाधान नहीं

जरूरी है कि योजनाओं का असर जमीन पर दिखाई दे। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने पर निर्माण गतिविधियों, वाहनों और अन्य स्रोतों पर पाबंदियां लगाई जाती हैं। लेकिन हर साल सर्दियों में वही स्थिति दोहराई जाती है। इससे साफ है कि केवल आपातकालीन पाबंदियां लगाकर प्रदूषण का स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सकता। सबसे पहले सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना होगा। शहरों में बसों की संख्या बढ़ाई जाए, मेट्रो और बस सेवाओं के बीच बेहतर तालमेल हो और लोगों को निजी कारों की जगह सार्वजनिक परिवहन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इलेक्ट्रिक बसों और दूसरे स्वच्छ वाहनों को बढ़ावा देना भी जरूरी है। साथ ही पुराने और अधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों पर सख्ती होनी चाहिए। निर्माण कार्यों और सड़कों से उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण जरूरी है। जानकार कहते हैं कि उद्योगों और बिजलीघरों को स्वच्छ तकनीक अपनाने के लिए बाध्य किया जाए। प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों की नियमित जांच हो और नियम तोड़ने वालों पर वास्तविक कार्रवाई की जाए। कचरा खुले में जलाने पर रोक के साथ घर-घर कचरा संग्रह, अलग-अलग कचरे का वर्गीकरण और वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करना होगा।

हरियाली बढ़ाने पर दें ध्यान

इसके साथ ही, किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए केवल जुर्माना लगाने के बजाय उनकी मदद करनी होगी। उन्हें पराली काटने और जमीन में मिलाने वाली मशीनें उचित दरों पर उपलब्ध कराई जाएं। पराली से जैव ईंधन, खाद और दूसरे उपयोगी उत्पाद बनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाए। किसान को आर्थिक विकल्प मिलेगा, तभी समस्या का स्थायी समाधान निकलेगा। प्रदूषण की समस्या से लड़ने के लिए शहरों में हरियाली बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। पार्क, शहरी वन, सड़क किनारे पेड़ और खुले स्थान शहरों के पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। हालांकि केवल पेड़ लगाना प्रदूषण का इलाज नहीं है। इसके साथ प्रदूषण के मूल स्रोतों पर नियंत्रण भी जरूरी है। सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है, लेकिन नागरिकों की भूमिका भी कम नहीं है। हमें छोटी-छोटी आदतें बदलनी होंगी। अनावश्यक रूप से निजी वाहन निकालने से बचें। कूड़ा और सूखे पत्ते न जलाएं। घरों में स्वच्छ ईंधन का इस्तेमाल करें। बिजली की बर्बादी कम करें। प्रदूषण के गंभीर स्तर पर पहुंचने पर बाहर व्यायाम करने से बचें और बच्चों तथा बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। एक्यूआई यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स पर भी नजर रखनी चाहिए।

प्रदूषण के कारकों पर लगानी होगी लगाम !



व्यवस्था

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

शहरों में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। न तो हमें शुद्ध हवा मिल पा रही है और न ही साफ पानी। हालात ऐसे हो गए हैं कि देश के कई बड़े शहरों में लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें, जगह-जगह जाम, हवा में धूल और जहरीला धुआं अब आम बात हो गई है। सवाल यह है कि आखिर शहरों को इस बदहाल स्थिति से कैसे बचाया जाए? दरअसल, प्रदूषण की समस्या का समाधान केवल सड़कें चौड़ी करने या नए फ्लाईओवर बनाने से नहीं होगा। हर घर में दो-दो गाड़ियां हैं, लेकिन सड़कें और सुविधाएं पहले जैसी ही हैं। सुबह और शाम एक ही समय पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर निकलते हैं। इससे जाम और प्रदूषण दोनों बढ़ते हैं। जरूरत इस बात की है कि लोगों को सार्वजनिक परिवहन के बेहतर विकल्प दिए जाएं। छोटी दूरी के लिए पैदल चलने तथा साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा मिले। यदि बाजार, स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाएं घर के आसपास उपलब्ध हों तो छोटी-छोटी जरूरतों के लिए वाहन निकालने की मजबूरी भी कम होगी। इसके साथ ही कार्यालयों के समय में बदलाव और वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना चाहिए। इससे सड़कों पर एक साथ वाहनों का दबाव कम होगा। कुल मिलाकर शहरों को बचाने के लिए केवल वाहनों की संख्या नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और आदतों में भी बदलाव जरूरी है। प्रदूषण की दूसरी बड़ी समस्या नदियों और जलस्रोतों की लगातार बिगड़ती स्थिति है। देश की राजधानी दिल्ली में यमुना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हाल ही में यमुना के पानी को साफ दिखाने के लिए रसायन के इस्तेमाल को लेकर भी विवाद हुआ। इसके बाद मछलियों और अन्य जलीय जीवों के मरने की खबरें सामने आईं। घाटों पर पाइप के जरिये साफ पानी भरने की व्यवस्था किए जाने के आरोप भी लगे। ऐसे अस्थायी उपायों से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सबसे जरूरी है कि नालों और सीवर का गंदा पानी तथा कारखानों से निकलने वाला रासायनिक कचरा नदी में गिरने से रोका जाए। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसी नदी के पानी पर दिल्ली की बड़ी आबादी की जलापूर्ति निर्भर करती है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए भी सरकार और प्रशासन को गंभीरता दिखानी होगी। दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के दौरान प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसके पीछे पराली जलाना, वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाना और पटाखे जैसे कई कारण हैं। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। त्योहारों के दौरान पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है। हाल के वर्षों में दिल्ली में पटाखों को लेकर मिली ढील का असर हवा की गुणवत्ता पर दिखाई दिया। इसके अलावा कई इलाकों में खुलेआम कचरा और कबाड़ जलाया जाता है। रात के अंधेरे में होने वाली ऐसी गतिविधियों से निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। स्थानीय पुलिस, प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण एजंसियों, एनजीटी और आरडब्ल्यूए को मिलकर ऐसी घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए। इसी तरह लगातार हो रहे निर्माण कार्यों पर भी नियंत्रण जरूरी है। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए। खासकर प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील महीनों में अनावश्यक निर्माण कार्यों पर रोक और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़कों और खाली स्थानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। चौड़ी सड़कों के किनारे पौधारोपण और हरित क्षेत्र विकसित करने से भी पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भी प्रदूषण कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार इस दिशा में प्रयास कर रही है, लेकिन आम लोगों को इसके प्रति और जागरूक करने की जरूरत है। सब्सिडी और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिलना चाहिए। साथ ही पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करनी होगी। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को इतना सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी वाहन छोड़ने के लिए खुद तैयार हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदूषण से लड़ाई केवल सरकार के भरोसे नहीं जीती जा सकती। केंद्र और राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, लेकिन नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, कचरा नहीं जलाना, पानी की बर्बादी रोकना, पेड़ लगाना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना हमारी रोजमर्रा की आदतों में शामिल होना चाहिए। प्रदूषण के कारणों की पहचान करना और उन पर समय रहते प्रभावी रोक लगाना ही इसका स्थायी समाधान है। केवल तात्कालिक उपायों और घोषणाओं से शहरों को साफ-सुथरा नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सरकार, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। आखिर स्वच्छ हवा और साफ पानी किसी सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है।

संतुलित विकास की सोच अपनाना जरूरी



मंथन

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

देश अभी सूखे के दुष्प्रभाव से निबटने की कोशिश कर ही रहा था कि महज एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी से उठे दो-दो तूफानों ने इसके तटीय इलाकों में कहर बरपा दिया। तकनीकी विकास की वजह से तूफानों की पूर्व सूचना के चलते सरकारों ने एहतियाती उपाय कर लिए, इस वजह से बहुत ज्यादा जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन तटीय इलाकों के बुनियादी ढांचे, बिजली व्यवस्था आदि को भारी पैमाने पर नुकसान पहुंचा है।

इन दोनो तूफानों ने न सिर्फ माली नुकसान पहुंचाया, बल्कि मौसम चक्र को भी बदलकर रख दिया। दोनों के असर से उत्तर भारत तक के मौसम में बदलाव दिखने लगा है। करीब डेढ़ दशक से उत्तर भारत में देर से दस्तक देने वाला ठंड का मौसम कुछ पहले ही आ गया है। विगत कुछ दशकों से भारत ही नहीं दुनिया के मौसम चक्र में बदलाव दिख रहा है। इसकी वजह से वातावरण का तापमान बढ़ रहा है, बारिश का चक्र या तो कमजोर पड़ रहा है या फिर अचानक ही किसी इलाके में तीव्र हो जा रहा है। इसके चलते जहां वनस्पतियों की जहां कुछ प्रजातियां नष्ट हो रही हैं, वहीं जंतु जगत के कार्यकलाप, आदत और अस्तित्व में परिवर्तन नजर आने लगे हैं। इसका असल फसल चक्र और उनकी पैदावार पर भी पड़ रहा है। अव्वल तो दुनिया को इन बदलावों से चिंतित होना चाहिए, विश्व परेशान भी दिखता है, लेकिन इस बदलाव को थामने की वैश्विक स्तर पर जैसी संजीदा कोशिश होनी चाहिए, नहीं हो रही है। मोटे तौर पर इस बदलाव के पीछे मनुष्य का लालच और समृद्धि हासिल करने की उसकी चाहत काम कर रही है। जैसे-जैसे उपभोग की संस्कृति बढ़ती गई, उत्पादन की मांग बढ़ती गई। उत्पादन के चलते प्रकृति का दोहन बढ़ा, ऊर्जा की मांग बढ़ी। इस पूरी प्रक्रिया में प्रकृति और सभ्यता के बीच संतुलन गड़बड़ाना शुरू हुआ। जिसका असर जलवायु परिवर्तन के रूप में दिख रहा है। आज दुनिया ने शहरीकरण और औद्योगीकरण को विकास का पैमाना मान लिया है। दोनों ने ही हमारे जीवन में उपभोगवाद को बढ़ावा दिया है। इसकी वजह से हमारी जलवायु में कई तरह के बदलाव आ रहे हैं। इसका सबसे स्पष्ट संकेत यह है कि दुनिया गर्म हो रही है। वैज्ञानिकों को यह बात उपग्रहों, मौसम संबंधी गुब्बारों, थर्मामीटरों, मौसम केंद्रों और अन्य स्रोतों से जुटाए गए सबूतों से पता चली है। 1880 के बाद से, विश्व के औसत तापमान में लगभग एक डिग्री सेल्सियस यानी करीब 1.7 डिग्री फ़ारेनहाइट की वृद्धि हुई है। अगर शहरीकरण और औद्योगीकरण



पतझड़ के मौसम में जब पौधे नष्ट होते हैं, तो वे कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी मात्रा में बढ़त दिखती है। मौसमी बदलावों के अलावा कीलिंग के अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि समय के साथ कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में भी वृद्धि हो रही है।

केंद्रित उपभोगवाद यूं ही जारी रहा तो अनुमान है कि 2050 तक वैश्विक तापमान में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस यानी करीब 2.7 डिग्री फ़ारेनहाइट और साल 2100 तक 2.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 1960 के दशक से वैश्विक औसत वार्षिक तापमान में लगातार वृद्धि हुई है। वसंत के मौसम में जब पौधे बढ़ते हैं, तो वे हवा से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और सूर्य की ऊर्जा का उपयोग करके उसे कार्बन में बदल देते हैं, साथ ही ऑक्सीजन छोड़ते हैं। वहीं, पतझड़ के मौसम में जब पौधे नष्ट होते हैं, तो वे कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी मात्रा में बढ़त दिखती है। मौसमी बदलावों के अलावा कीलिंग के अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि समय के साथ कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में भी वृद्धि हो रही है। 1958 में जहां इसकी उपस्थिति 313 पार्ट्स प्रति मिलियन थी, वहीं 30 मार्च 2020 तक बढ़कर यह 415 प्रति मिलियन हो गई। कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में हुई इस वृद्धि को 'कीलिंग कर्व' कहा जाता है। इन अध्ययनों से पता चलता है कि साल 1900 तक, कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर जहां स्थिर और लगभग 150 से 280 प्रति मिलियन के बीच था, वहीं 1900 के दशक की शुरुआत में, सीओ 2 का स्तर बहुत तेज़ी से बढ़ने लगा। आज इसका स्तर औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। साफ है कि जब तक दुनिया इसके प्रति नहीं चेतेगी, मौसम में बदलाव का चक्र नहीं रुकेगा। इससे सभ्यता का भविष्य भी खतरे में होगा। इसलिए जरूरी है कि प्रकृति से सामंजस्य के साथ संतुलित विकास के नजरिए से दुनिया आगे बढ़े। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या दुनिया इस तरह सोचने को तैयार है?

विकास की दौड़ में पर्यावरण की अनदेखी



प्रदूषण

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में प्रदूषण का बढ़ता स्तर आज देश के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बन चुका है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक हवा की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। प्रदूषण का प्रभाव केवल वातावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आम नागरिकों के स्वास्थ्य, बच्चों के भविष्य, बुजुर्गों के जीवन और प्राकृतिक संसाधनों को भी प्रभावित कर रहा है। विकास और आधुनिक सुविधाओं की दौड़ में देश ने काफी तरक्की की है, लेकिन इस तरक्की के साथ पर्यावरण संरक्षण को उतनी प्राथमिकता नहीं मिल पाई है।

सवाल यह है कि आखिर प्रदूषण बढ़ने के लिए कौन-कौन से कारण जिम्मेदार हैं और इस पर नियंत्रण करने में कहां कमी रह रही है? देश में प्रदूषण बढ़ने का एक प्रमुख कारण सड़कों पर वाहनों की लगातार बढ़ती संख्या है। पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन बड़ी मात्रा में प्रदूषक गैसें और सूक्ष्म कण छोड़ते हैं। महानगरों में यातायात जाम की समस्या इस स्थिति को और गंभीर बना देती है। कई पुराने वाहन निर्धारित प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करते।

यदि सार्वजनिक परिवहन को मजबूत किया जाए और मेट्रो, बस तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन मिले तो प्रदूषण कम करने में मदद मिल सकती है।औद्योगिकीकरण देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार के लिए जरूरी है, लेकिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। कई उद्योगों में कोयले और अन्य जीवाश्म ईंधनों का इस्तेमाल किया जाता है। इनके कारण सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य प्रदूषक वातावरण में पहुंचते हैं। यदि फैक्ट्रियों में आधुनिक प्रदूषण नियंत्रण उपकरण नहीं लगाए जाते या उनका सही इस्तेमाल नहीं होता तो आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। देशभर में सड़कों, फ्लाईओवर, मेट्रो, भवनों और अन्य विकास परियोजनाओं का निर्माण तेजी से हो रहा है। विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन इनके दौरान धूल नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम होना भी उतना ही आवश्यक है। निर्माण सामग्री को खुले में रखना, मलबा सड़कों पर छोड़ना और खुदाई के बाद मिट्टी को खुला छोड़ देना प्रदूषण बढ़ाता है। निर्माण स्थलों पर नियमित पानी का छिड़काव, सामग्री को ढककर रखना और मलबे का उचित निस्तारण करना जरूरी है। कृषि क्षेत्रों में फसल कटाई के बाद पराली जलाना भी वायु प्रदूषण का एक कारण है। विशेष रूप से उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान इसका प्रभाव अधिक चर्चा में रहता है। किसानों को पराली के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए मशीनें, आर्थिक सहायता और वैकल्पिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। दूसरी ओर शहरों और कस्बों में खुले में कूड़ा जलाने की प्रवृत्ति भी गंभीर समस्या है। प्लास्टिक, रबर और घरेलू कचरा जलाने से जहरीले पदार्थ वातावरण में फैलते हैं। इसके लिए कचरे का पृथक्करण, पुनर्चक्रण और वैज्ञानिक निस्तारण जरूरी है।शहरीकरण और विकास परियोजनाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ों की कटाई हो रही है। पेड़ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करने, धूल रोकने और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब हरित क्षेत्र कम होते हैं तो पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। केवल पौधे लगाने के अभियान चलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की देखभाल और पुराने पेड़ों का संरक्षण भी जरूरी है। यदि शहरी विकास की योजनाएं पर्यावरण को ध्यान में रखकर नहीं बनाई जातीं तो प्रदूषण और कचरे की समस्या बढ़ना स्वाभाविक है। हरित क्षेत्रों, जल स्रोतों और खुले स्थानों को सुरक्षित रखना शहरी नियोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। सरकार को नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा और नागरिकों को भी अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा।



किसानों को पराली के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए मशीनें, आर्थिक सहायता और वैकल्पिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। दूसरी ओर शहरों और कस्बों में खुले में कूड़ा जलाने की प्रवृत्ति भी गंभीर समस्या है। प्लास्टिक, रबर और घरेलू कचरा जलाने से जहरीले पदार्थ वातावरण में फैलते हैं।

आखिरकार स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी किसी विशेष वर्ग की जरूरत नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। यदि आज पर्यावरण की रक्षा के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई को केवल सरकारी अभियान न मानकर जन आंदोलन बनाना समय की मांग है।

बाल दिवस पर राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में किया गया आयोजन

राष्ट्रपति ने बच्चों से किया संवाद, उन्होंने बच्चों को पूरे उत्साह, लगन व दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित भी किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों से मुलाकात की और उनसे संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को पूरे उत्साह, लगन और दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की गई पोस्ट में बताया गया कि राष्ट्रपति ने बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को पूरी लगन, समर्पण और दृढ़ता के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।



प्रधानमंत्री- रक्षामंत्री, स्पीकर ने दी नेहरू को श्रद्धांजलि

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, "पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, नेहरू की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनके नेतृत्व ने देश पर अमिट छाप छोड़ी है।

सीएम विजय ने दी बच्चों को शुभकामनाएं

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बच्चों को अपनी क्षमताओं और प्रतिभा को पहचानने के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। विजय ने एक्स पर साझा संदेश में पं.नेहरू को श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

मसूरी के शिव प्रसाद को दिया तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार

उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है कि मसूरी के केम्पटी फॉल स्थित हिमालयन एडवेंचर इंस्टीट्यूट के संस्थापक-निदेशक शिव प्रसाद चमोली को देश के सर्वोच्च साहसिक सम्मान तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार 2024 (आजीवन उपलब्धि) से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति ने 13 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में समारोह में 84 वर्षीय चमोली को यह सम्मान प्रदान किया।



उनके नाम रिकॉर्ड कारनामे दर्ज

चमोली ने भारतीय पर्वतारोहण और रिवर राफ्टिंग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनके नेतृत्व में 1981 में ग्रेट हिमालयन ट्रैवर्स अभियान पूरा किया गया। कंचनजंगा से काराकोरम तक 5,000 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा करते हुए 265 दिनों में 106 हिमालयी दर्रे पार किए। यह विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज है1991 में उन्होंने भारत-जापान के संयुक्त ब्रह्मपुत्र राफ्टिंग अभियान का नेतृत्व किया। करीब 1,100 किलोमीटर की नदी यात्रा पूरी की।

खबर संक्षेप

नवीन रायपुर में 'गौरव' कार्यक्रम में शामिल होंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के



अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल होंगे। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती पर कार्यक्रम में उन्हें याद किया जाएगा।

कार पुल से टकराई तीन लोगों की मौत

कैथल। हरियाणा के कैथल में शनिवार तड़के एक कार के नहर के पुल से टकराने से 3 लोगों की मौत



हो गई और 3अन्य लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब कार सवार अपने गांव करोड़ा लौट रहे थे। मृतकों की पहचान नवदीप, प्रदीप और अजय के रूप में हुई है। घायलों की पहचान साहिल, अर्जुन और नरेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस ने मर्ग काम कर लिया है।

तरनतारन में बसों की टक्कर, 4 की मौत

तरनतारन। जम्मू-कश्मीर-राजस्थान राष्ट्रीय मार्ग पर कस्बा नौशहरा पन्नूआं के पास मुख्यमंत्री



तीर्थ यात्रा से संबंधित 2 बसों की बाइक को बचाते समय टक्कर हो गई। इस हादसे में करीब 4यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। 18 यात्री घायल हुए। दोनों बसें फिरोजपुर से श्री हरिमंदिर साहिब अमृतसर के दर्शनों लिए यात्रियों को लेकर जा रही थीं।

तमिलनाडु में वस्तुओं का स्टॉक किया तय

चेन्नई। धान, चावल, अरहर दाल और उड़द दाल जैसी आवश्यक वस्तुओं पर स्टॉक की सीमा तय



कर दी है। यह नया आदेश लागू किया गया है। आयातित स्टॉक को सीमा शुल्क निकासी की तारीख से 45 दिन से अधिक रखने की अनुमति नहीं होगी। व्यापारियों और संबंधित इकाइयों को उपभोक्ता मामले विभाग के पोर्टल पर अपने स्टॉक की जानकारी दर्ज करनी होगी।

तेलुगू निर्माता-निर्देशक गिरी बाबू का निधन

चेन्नई। प्रसिद्ध तेलुगू अभिनेता और निर्माता-निर्देशक गिरी बाबू का शनिवार को 83 वर्ष की आयु में



निधन हो गया है। उन्होंने हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। अपने पांच दशक के लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने 600 से अधिक फिल्मों में अभिनय और निर्देशन किया था। इंडस्ट्री में शोक की लहर है।

तेलंगाना के गिग वर्कर्स के लिए राहुल ने किए कई बड़े ऐलान

वाई फाई फ्री जोन, 10 लाख हेल्थ इंश्योरेंस हर ट्रांजैक्शन का 1% सीधे खाते में पहुंचेंगे

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम की शुरुआत की

ऑनलाइन सामान पहुंचाने वाले डिलीवरी बॉय और दूसरे गिग वर्कर्स के लिए तेलंगाना सरकार ने बड़ी पहल की है। अब इन कर्मचारियों को दुर्घटना होने पर 5 लाख रुपए तक का बीमा और बीमारी के इलाज के लिए 10 लाख रुपए तक का हेल्थ इंश्योरेंस मिलेगा। राज्य के हर शहर में इनके लिए वाई-फाई वाले आराम केंद्र भी बनाए जाएंगे। यहां डिलीवरी वर्कर्स अपना वाहन खड़ा कर सकेंगे और कुछ देर बैठकर आराम भी कर सकेंगे। इस योजना का ऐलान कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किया। राहुल ने तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम की शुरुआत की। इस मौके पर सीएम रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भी थे।



5 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा मिलेगा

राहुल ने कहा कि डिलीवरी का काम करने वाले लोग दिनभर सड़कों पर रहते हैं। तेलंगाना सरकार ने गिग वर्कर्स को 5 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा देने का ऐलान किया है।

आराम केंद्रों में बैठ सकेंगे डिलीवरी बॉय

राहुल ने कहा कि ये लोग शहरों में घंटों तक बाइक चलाते हैं और सामान पहुंचाते रहते हैं।उन्होंने ऐलान किया कि हर शहर में गिग वर्कर्स के लिए वाई-फाई वाले रेस्ट जोन बनाए जाएंगे।

मोबाइल पर दिखेगा कितनी कमाई हुई

राहुलने इस योजना की एक और खास बात बताई। उन्होंने कहा कि अब गिग वर्कर्स को अपने काम का पूरा डेटा देखने का अधिकार मिलेगा। आज बड़ी-बड़ी कंपनियां डेटा के आधार पर काम कर रही हैं।

कर्मचारियों ने बताई थीं परेशानियां

राहुल ने कहा कि कुछ समय पहले उनकी मुलाकात तेलंगाना के गिग वर्कर्स से हुई थी। उस समय कर्मचारियों ने उन्हें अपनी परेशानियां बताई थीं। उन्होंने बताया था कि किस तरह दिनभर काम करने के बाद भी उन्हें कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

जमीन पर कब आएंगी, पता नहीं

योजना में 3 बड़ी सुविधाएं देने की बात कही गई है। उनके सामने बनी रहती हैं। यह योजना उनके लिए राहत भरी पहल साबित हो सकती है। लेकिन समय नहीं बताया है।

भाजपा का कांग्रेस के 'भारत शिखर सम्मेलन 2026' पर पलटवार

राहुल के आरोप बचकाने और पूरी तरह से निराधार

नई दिल्ली। भाजपा और उसके प्रवक्ताओं ने राहुल गांधी के इन आरोपों को पूरी तरह खारिज और निराधार बताया है भाजपा नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी निराधार और बचकानी बयानबाजी करते हैं और उनके बयानों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं होता। राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री के कार्यकाल में तमिल भाषा और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। भाजपा नेताओं ने तमिलनाडु में कांग्रेस के प्रभाव पर सवाल उठाए हैं।



राहुल सम्मेलन में गुइल्युम लॉन्ग को बुलाने पर जवाब दें?

भाजपा ने सवाल किया कि उसने हैदराबाद में 'भारत शिखर सम्मेलन 2026' में गुइल्युम लॉन्ग को क्यों आमंत्रित किया? भाजपा ने विपक्षी पार्टी पर यह भी आरोप लगाया कि वह ऐसे लोगों को मंच दे रही है, जो उन अंतरराष्ट्रीय नेटवर्कों से जुड़े हैं जो भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करना चाहते हैं। इक्वाडोर के पूर्व विदेश मंत्री गुइल्युम लॉन्ग को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा आयोजित 'भारत शिखर सम्मेलन 2026' में वक्ताओं में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।

प्रधानमंत्री का गुजरात दौरा

प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा, देवी दर्शन किया

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी के साथ बैठक करने के बाद राज्य से रवाना हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बैठक के दौरान मोदी ने धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र, साबरमती आश्रम के पुनर्विकास और 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों सहित कई प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा



की। प्रधानमंत्री शुक्रवार अहमदाबाद पहुंचे थे और लोक भवन गए। वहीं रात में विश्राम भी किया। शनिवार को बनासकांठा जिले के प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर गए।

कर्नाटक दौराः हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी, फंसा रहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की कर्नाटक यात्रा के दौरान उनके काफिले में शामिल वायु सेना के एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण शुक्रवार को उसे ललित महल के पास जयाचमराजा वाडियार हेलीपैड पर ही रोकना पड़ा। प्रधानमंत्री के काफिले के लिए वायु सेना के तीन हेलीकॉप्टर मैसूर पहुंचे थे। तकनीकी खराबी वाला हेलीकॉप्टर हेलीपैड पर ही खड़ा रहा।

डीके की प्रधानमंत्री से मांग पर भड़की कांग्रेस

टैगोर बोले-मेकेदातु बांध को कांग्रेस हर तरीके से रोकेगी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच पुराना विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। यह विवाद तब और बढ़ गया जब सीएम डीके शिवकुमार ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी में मेकेदातु प्रोजेक्ट के लिए केंद्र से जल्द मंजूरियां देने की मांग कर दी। शिवकुमार ने केंद्र से इस परियोजना को कानूनी तरीके से आगे बढ़ाने में मदद मांगी।



डीके बोले- यह मेरा राज्य और मेरा अधिकार है

सीएम ने कहा कि कर्नाटक को कावेरी पर बांध बनाने का अधिकार है। यह मेरा राज्य है और मेरा अधिकार भी है।

मुख्यमंत्री रेखा ने प्रतिभागियों से बातचीत भी की

दिल्ली के भारत मंडपम में किया गया आयोजन

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली मंडप का उद्घाटन किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को भारत मंडपम में आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार



मेले में दिल्ली मंडप का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि गुप्ता ने मेले में कई स्टॉल का दौरा किया और प्रतिभागियों से उनके उत्पादों के बारे में बातचीत की। व्यावसायिक आगंतुकों को 14 से 18 नवंबर तक सुबह 9.30 बजे से शाम 7.30 बजे के बीच गेट नंबर 3, 4, 6और 10 से प्रवेश मिलेगा। टिकट ऑनलाइन और सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन को छोड़कर अन्य मेट्रो स्टेशनों पर उपलब्ध होंगे।

राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव का समापन

मौखिक परंपराओं को बचाने और साहित्य को बढ़ावा देने पर जोर

नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित 2 दिन का राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव शुक्रवार को भारत की समृद्ध जनजातीय साहित्यक परम्परा को बचाने और देशज ज्ञान और मौखिक कहानियों को समकालीन साहित्यिक अभिव्यक्ति से जोड़ने पर चर्चा के साथ खत्म हुआ। उत्सव के हिस्से के तौर पर आयोजित इस उत्सव में फ्रॉम ओरल ट्रेडिशन टू कंटेम्परेरी ट्राइबल लिटरेचर थीम के तहत देश भर के जनजातीय लेखक, कवि, शोधकर्ता, भाषाविद और विद्वान एक साथ आए।

जांच अधिकारी ने सोनिया के दावों को नकारा

साबरमती ट्रेन में जान-बूझकर लगाई गई थी आग ज्वलनशील पदार्थ का इस्तेमाल किया गया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गुजरात दंगों को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर भी विवाद

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' जारी होने के बाद से ही चर्चाओं में बनी हुई है। अब गुजरात दंगों को लेकर सोनिया की टिप्पणी पर भी विवाद हो गया है। गांधी ने दावा किया है कि साबरमती एक्सप्रेस की बोगियों में आग लगने की वजह अभी भी विवादित है। जिसके बाद गुजरात में दंगे भड़क उठे थे। हालांकि साबरमती ट्रेन अग्निकांड की जांच करने वाली एसआईटी के प्रमुख रहे पुलिस अधिकारी राकेश अस्थाना ने इन दावे को खारिज कर दिया है। अस्थाना ने कहा कि जांच पूरी हो चुकी है, दोषियों को सजा भी मिल चुकी है। यह आग जानबूझकर लगाई गई थी, जिसमें किसी ज्वलनशील तरल पदार्थ का इस्तेमाल किया गया था। मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि आग लगने का कारण अभी भी साफ नहीं है।



जांच में सच सामने आ गया

अस्थाना ने कहा कि वे कोच के अंदर ही मर गए>भीड़ ने उनका पीछा किया, उन्हें मार डाला या घायल कर दिया और उन्हें मारने की कोशिश की। यह दावा कि यह एक हादसे में लगी आग थी, गलत है। अस्थाना ने कहा, जहां तक आग लगने के कारण का सवाल है, तो यह मामला मुख्य रूप से फोरेंसिक सबूतों पर आधारित है।

बेनर्जी कमेटी के जरिए मुझे फंसाना चाहते थे लालू

अस्थाना ने दावा किया है कि तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव उन्हें जस्टिस यूसी बेनर्जी समिति के जरिए निशाना बनाना चाहते थे। उस समय मीडिया से जुड़े एक परिचित ने हमें सावधान रहने की चेतावनी दी थी। अस्थाना ने बताया कि उनके हॉस्टल के एक पुराने साथी, जो दिल्ली में मीडिया में एक वरिष्ठ पद पर थे, ने उन्हें फोन करके चेतावनी दी थी कि उन्हें इस मामले में फंसाया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने दी 5 लाख पीएम आवास की सौगात

ओडिशा के हर गरीब को मिलेगा अब पक्का आवास

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ओडिशा के बलांगीर में 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत करते हुए ओडिशा के गरीबों, किसानों और महिलाओं के लिए सौगातें प्रदान की। सीएम मोहन चरण माझी की मौजूदगी में चौहान ने ऐलान किया कि ओडिशा के गरीब परिवारों को तत्काल 5 लाख पक्के मकान दिए जाएंगे और हर पात्र परिवार को घर मिलेगा। बलांगीर में नए कृषि कॉलेज का शिलान्यास भी किया गया। चौहान ने आश्वस्त किया कि आवास के लिए अब सही सर्वे हो चुका है और सबको चरणबद्ध तरीके से पक्का मकान मिलेगा। मकानों पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर सब्सिडी देगी, जिससे बिजली का बिल शून्य होगा।

खास बातें

- ओडिशा में 29 लाख बहनें बनीं 'लखपति दीदी'
- डबल इंजन सरकार में विकसित ओडिशा का महायज्ञ जारी
- किसानों की सेवा ही भगवान की पूजा
- बलांगीर के कृषि कॉलेज को बनाएंगे सर्वश्रेष्ठ संस्थान



बहनों को अब 10 लाख करोड़ का लोन मिलेगा

सिंह ने कहा कि सुभद्रा योजना के तहत सालाना 10 हजार रुपए मिलने से ओडिशा की बहनों का आत्मविश्वास और सम्मान बढ़ा है। माझी के नेतृत्व में ओडिशा ने समय से एक साल पहले ही 27 लाख का लक्ष्य पार करते हुए 29 लाख बहनों को 'लखपति दीदी' बना दिया है। चौहान ने बताया कि अगले पांच वर्षों में देशभर की बहनों को लखपति बनाने के लिए बैंकों के माध्यम से 10 लाख करोड़ का लोन दिया जाएगा।

खेतों के ऊपर लगेगी बिजली

किसानों की सेवा को भगवान की पूजा बताते हुए चौहान ने वचन दिया कि बलांगीर में शिलान्यास किए गए कृषि कॉलेज को आईसीएआर और भारत सरकार के सहयोग से हिंदुस्तान का सर्वश्रेष्ठ कृषि कॉलेज बनाया जाएगा, जहां देश के शीर्ष वैज्ञानिक किसानों की मदद करेंगे। किसान के खेत के ऊपर सोलर पैनल लगेंगे और नीचे फल-सब्जियों की खेती होगी

हर पंचायत को मिलेंगे 1-2 करोड़ रुपए

चौहान ने बताया कि इस वर्ष ओडिशा को करीब 4000 करोड़ मिलेंगे। प्रदेश की हर पंचायत को सालाना 25-50 लाख और5 साल में छोटी पंचायत को 1 करोड़ , बड़ी को 2 करोड़ मिलेंगे।

दिल्ली की मंगोलपुरी की घटना

फिर शूज फैक्टरी में लगी आग 16 गाड़ियों ने किसी तरह बुझाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक बार फिर जूता बनाने वाली फैक्टरी में



आग लग गई। फेज-2 स्थित ए-76 नंबर फैक्टरी में दोपहर करीब 1:10 बजे आग लगने की सूचना दमकल विभाग को मिली।दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ बचाव अभियान शुरू किया। दमकल की कुल 16 इकाइयां तैनात की गईं। आग लगने के कारण और किसी के हताहत होने के बारे में अभी जानकारी नहीं मिली है।

सूरत का कपड़ा गोदाम भी खाक

सूरत। खरवासा इलाके में शनिवार को कपड़ों के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। आग बुझाने के लिए साणंद, बावला और अहमदाबाद से दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। मकलकर्मियों ने काफी मशक्कत की।

राजकोषीय अनुशासन के साथ विकास को प्राथमिकता, केंद्र द्वारा निर्धारित उधारी सीमा के भीतर लिया जा रहा ऋण

अधोसंरचना विकास और पूंजीगत निवेश को गति देने के लिए मध्यप्रदेश सरकार लेगी 3 हजार करोड़ रुपए का ऋण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राज्य शासन प्रदेश में अधोसंरचना विकास, पूंजीगत निवेश और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से 17 नवंबर को 3 हजार करोड़ का बाजार ऋण लेने जा रही है। यह ऋण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित बेंचमार्क इश्यूएंस स्ट्रेटेजी (बीआईएस) के अंतर्गत तथा केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत उधारी सीमा के भीतर लिया जाएगा। राज्य सरकार की वित्तीय रणनीति में राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए सड़क, सिंचाई, विद्युत अधोसंरचना और अन्य उत्पादक परिसंपत्तियों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार का लक्ष्य पूंजीगत निवेश के माध्यम से प्रदेश की उत्पादन क्षमता बढ़ाने, रोजगार के नए अवसर प्रदान करना है।

खास बातें

- ऋण पुनर्भुगतान में प्रदेश का रिकॉर्ड मजबूत, अब तक कभी नहीं हुआ डिफॉल्ट
- सड़क, सिंचाई, ऊर्जा और अन्य पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण पर सरकार का विशेष जोर


फाइल फोटो।

एक-एक हजार करोड़ रुपए के रूप में लिया जाएगा

राज्य सरकार द्वारा 17 नवंबर को प्रस्तावित 3 हजार करोड़ रुपए का बाजार ऋण तीन अलग-अलग हिस्सों में एक-एक हजार करोड़ रुपए के रूप में लिया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत सरकार द्वारा प्रदेश की कुल उधारी सीमा लगभग 87 हजार करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। इसमें प्रथम नौ माह के लिए 58 हजार 274 करोड़ रुपए की बाजार ऋण सीमा स्वीकृत है। नवंबर के दूसरे सप्ताह तक राज्य सरकार 48 हजार 900 करोड़ रुपए का बाजार ऋण प्राप्त कर चुकी है। प्रस्तावित ऋण भी निर्धारित सीमा के भीतर है।

एक लाख करोड़ के स्तर को पार करेगा पूंजीगत परिव्यय

प्रदेश में अधोसंरचना विकास को नई गति देने के लिए पूंजीगत निवेश लगातार बढ़ाया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य का पूंजीगत परिव्यय एक लाख करोड़ के स्तर को पार करने की संभावना है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त ऋण का उपयोग मुख्य रूप से सिंचाई परियोजनाओं, सड़क एवं एक्सप्रेस-वे, विद्युत अधोसंरचना तथा अन्य दीर्घकालिक परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए किया जाता है। राज्य सरकार के अनुसार वेतन-भत्ते, पेंशन, अनुदान तथा लाड़ली बहना और मुख्यमंत्री किसान कल्याण जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के राजस्व व्यय की पूर्ति के लिए ऋण नहीं लिया जाता। ऋण प्रबंधन में उत्पादक पूंजीगत निवेश को प्राथमिकता दी जाती है।

प्रति व्यक्ति ऋण नहीं, परिसंपत्तियां भी वित्तीय स्थिति का आधार

सार्वजनिक ऋण के आकलन में केवल प्रति व्यक्ति ऋण को आधार बनाना राज्य की वास्तविक आर्थिक स्थिति का संपूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। ऋण का मूल्यांकन राज्य की जीएसडीपी, राजस्व प्राप्तियों, ब्याज भुगतान क्षमता, पुनर्भुगतान रिकॉर्ड और ऋण से निर्मित उत्पादक परिसंपत्तियों के आधार पर किया जाना आवश्यक है। मध्यप्रदेश में पिछले दो दशकों के दौरान सड़क नेटवर्क, सिंचाई क्षमता, ऊर्जा और शहरी अधोसंरचना का व्यापक विस्तार हुआ है। राज्य सरकार की वित्तीय नीति का केंद्र ऋण के माध्यम से ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश की आर्थिक प्रगति और राजस्व क्षमता को मजबूत करे। मध्यप्रदेश सरकार की विकासोन्मुख वित्तीय रणनीति में ऋण केवल वित्तीय संसाधन जुटाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि भविष्य की आर्थिक क्षमता और अधोसंरचना निर्माण में निवेश का महत्वपूर्ण साधन भी है। राज्य सरकार राजकोषीय अनुशासन, समयबद्ध ऋण पुनर्भुगतान और पूंजीगत निवेश के संतुलन के साथ विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रही है।

ऋण पुनर्भुगतान में मध्यप्रदेश का मजबूत रिकॉर्ड

राज्य सरकार ने ऋण पुनर्भुगतान में वित्तीय अनुशासन का मजबूत रिकॉर्ड कायम रखा है। राज्य सरकार ने पिछले वित्तीय वर्ष में 29 हजार 980 करोड़ रुपये तथा चालू वित्तीय वर्ष में नवंबर के दूसरे सप्ताह तक 15 हजार 573 करोड़ रुपये का ऋण पुनर्भुगतान किया है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार ने अपने ऋण दायित्वों के भुगतान में कभी डिफॉल्ट नहीं किया है। सभी निर्धारित भुगतान समय पर किए गए हैं।

राजकोषीय अनुशासन के मानकों पर संतुलित स्थिति

मध्यप्रदेश सरकार संविधान के अनुच्छेद 293(3) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित उधारी सीमा और राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम (एफआरबीएम) के प्रावधानों के अनुरूप ऋण प्राप्त कर रही है। बजट अनुमान 2026-27 में राज्य का ऋण और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का अनुपात 32.53 प्रतिशत अनुमानित है। प्रदेश में ब्याज भुगतान और राजस्व प्राप्तियों का अनुपात लगभग 10 से 11 प्रतिशत है। यह राज्य की राजस्व प्राप्तियों के मुकाबले ब्याज भुगतान के नियंत्रित स्तर को दर्शाता है। वहीं, पिछले दस वर्षों में प्रदेश की जीएसडीपी 10 प्रतिशत से ऊपर रही है।

सीएम ने सामाजिक पेंशन योजना के 34 लाख हितग्राहियों को अंतरित की 207 करोड़ पेंशन राशि

पशुपालन, दुग्धोत्पादन को बढ़ावा देने हर साल उन्नत नस्ल की एक लाख बछिया तैयार कर देंगे किसानों को

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खेती-किसानी ही हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन में आगे आए। इसी से किसानों के खेत-खलिहान और घरों में समृद्धि आएगी। उन्होंने कहा कि मप्र के किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सरकार उन्नत पशुधन के पालन-पोषण पर विशेष ध्यान दे रही है। हम प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए हर साल एक लाख बछिया तैयार करेंगे और इन्हें किसानों को देंगे। इससे प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा और तभी हर किसान के घर में समृद्धि आएगी।

उन्होंने शुक्रवार को ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में विशाल पशुपालक सम्मेलन एवं पशु मेले का शुभारंभ कर ये विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेश के सभी वृंदावन ग्रामों में दुधारू पशुपालकों की स्वस्थ प्रतियोगिता करवाई और श्रेष्ठ पशुपालकों (विजेताओं) को ट्रेक्टर, बुलेट मोटरसाइकिल, स्कूटी सहित नगद पुरस्कार भी दिए हैं।

- मप्र में बड़े शहरों में आरंभ हो रहीं 10 हजार से अधिक गोवंश पालने वाली गोशालाएं
- मुख्यमंत्री ने ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में किया विशाल पशुपालक सम्मेलन एवं पशु मेले का शुभारंभ
- कुलैथ के जगन्नाथ मंदिर के विकास के लिए 51 लाख रुपए दिए जाएंगे, गांव में बनेंगी तीन सड़कें, सामुदायिक भवन भी बनेगा



एक करोड़ से अधिक गो-माता हैं : डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में ढाई करोड़ से अधिक पशुधन हैं। इनमें एक करोड़ से अधिक गौमाता हैं और शेष भैंसवंशी नस्ल के पशु हैं। हमारे पास इतना विशाल पशुधन होने का आशय यह है कि हम बहुत जल्द दुग्ध उत्पादन के मामले में देश में अव्वल स्थान पर आएंगे। सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के 7 हजार से अधिक श्रमिक भाई-बहनों के खातों में 175 करोड़ रूपए की सहायता राशि एवं सामाजिक सुरक्षा एवं दिव्यांगजन पेंशन योजना अंतर्गत 34.58 लाख से अधिक हितग्राहियों को 207.48 करोड़ रुपए की पेंशन राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। मुख्यमंत्री ने कुलैथ में हो रही बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता का आनंद लिया।

कुलैथ के जगन्नाथ मंदिर के विकास के लिए 51 लाख रुपए देने की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर कुलैथ के जगन्नाथ मंदिर के विकास के लिए 51 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत क्षेत्र में निहिथपुर से महेश्वरा तक एक किमी पक्की सड़क बनाने, लंका वाले हनुमान मंदिर तक पक्की रोड़ बनाने तथा एक अन्य मार्ग का निर्माण करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की सहज मांग पर गांव में एक सामुदायिक भवन बनाने की भी घोषणा की।

दुग्ध उत्पादन में मप्र का 9% के साथ वर्तमान में देश में तीसरा स्थान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में मप्र 9 प्रतिशत के साथ वर्तमान में देश में तीसरा स्थान रखता है। प्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाना हमारा संकल्प है। किसानों की समृद्धि, दूध उत्पादन और पशुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए यह पशुपालक सम्मेलन आयोजित किया गया है। प्रदेश में उपलब्ध गौवंश नस्ल सुधार की आवश्यकता है। इसके लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मप्र को 1 लाख उन्नत नस्ल की बछिया उपलब्ध कराने का आश्वस्त किया है। ये बछिया किसानों को दी जाएंगी। राज्य में बड़ी गौशालाएं खोली जा रही हैं।

आगामी 2 वर्षों में प्रदेश में स्थापित होंगे 22 नए चिकित्सा महाविद्यालय

चिकित्सा महाविद्यालयों में बढ़ेंगीं 12 हजार से अधिक मेडिकल सीट्स



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा महाविद्यालय और एमबीबीएस सीटों की संख्या में वृद्धि के लिए सभी संभावनाओं का परीक्षण करते हुए तेजी से कार्रवाई की जाए। पीपीपी मॉडल अन्तर्गत बनने वाले बैतूल, कटनी, धार और पन्ना के चिकित्सा महाविद्यालय के निर्माण कार्य की सतत मॉनीटरिंग हो। चारों चिकित्सा महाविद्यालयों का संचालन समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश चिकित्सा महाविद्यालय और एमबीबीएस सीटों के संबंध में मुख्यमंत्री निवास में हुई लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की बैठक में दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुरैना, गुना, भिंड, टीकमगढ़, अशोकनगर, बालाघाट, सीधी, खरगोन, शाजापुर, रायसेन और झाबुआ में पीपीपी मॉडल के तहत स्थापित होने वाले सभी 11 चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए नवीन निविदाएं तत्काल जारी की जाए।

प्रदेश में होंगे 56 मेडिकल कॉलेज और 18050 एमबीबीएस सीट

वर्तमान में प्रदेश में 20 शासकीय और 14 निजी चिकित्सा महाविद्यालय संचालित हैं। इनमें 6050 एमबीबीएस सीट उपलब्ध है। 2 वर्षों में 6 नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय क्रमशः छतरपुर, दमोह और बुधनी के भवन निर्माण पूर्ण हो चुके हैं। उज्जैन, राजगढ़ और मंडला का भवन निर्माण प्रगति पर है। इसके साथ ही बैतूल, कटनी, धार और पन्ना में पीपीपी मॉडल पर चिकित्सा महाविद्यालय संचालन के लिए अनुबंध निष्पादित किया जा चुका है। मुरैना, गुना, भिंड, टीकमगढ़, अशोक नगर, बालाघाट, सीधी, खरगोन, शाजापुर, रायसेन और झाबुआ सहित कुल 11 जिलों में पीपीपी मॉडल अन्तर्गत चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किए जाने हैं।

नगर निगम के पास दो कारों की भिड़ंत, मचा हड़कंप



जबलपुर। नगर निगम के पास स्थित तीन पत्ती चौक पर शनिवार रात दो कारों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। अचानक हुई भिड़ंत से आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों कारें आपस में टकरा गईं। टक्कर के बाद मौके पर कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित करने में जुट गई। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। फिलहाल हादसे में किसी के घायल होने और वाहनों को हुए नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

ग्रामीण परिवारों को मिल रहा संपत्ति का वैधानिक अधिकार

सीएम रजिस्ट्री योजना में प्रदेश में 20 लाख से अधिक रजिस्ट्रियां पूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का वैधानिक अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि पर स्थित मकानों एवं भूखंडों के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तैयार कर पात्र हितग्राहियों की संपत्तियों का पंजीयन किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक कुल 20 लाख 5 हजार 863 रजिस्ट्रियां पूर्ण हो चुकी हैं। योजना से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का वैधानिक दस्तावेज प्राप्त हो रहा है। इससे उन्हें बैंक ऋण सहित अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ लेने में भी सहायता मिलेगी।

नरसिंहपुर में 59 हजार 128

इसी प्रकार नरसिंहपुर में 59 हजार 128, रायसेन में 55 हजार 981, धार में 55 हजार 651, विदिशा में 55 हजार 311, खंडवा में 52 हजार 897, नीमच में 52 हजार 620, खरगोन में 51 हजार 998, बैतूल में 48 हजार 893, सीहोर में 48 हजार 350, कटनी में 45 हजार 381, शाजापुर में 45 हजार 226, देवास में 43 हजार 590, दमोह में 39 हजार 836, नर्मदापुरम में 39 हजार 025, रतलाम में 38 हजार 410, इंदौर में 34 हजार 361, भिंड में 34 हजार 026 और मंडला में 33 हजार 682 रजिस्ट्रियां पूर्ण की गई हैं।

जगदलपुर में CA सदस्यों का दीपावली मिलन समारोह

जगदलपुर। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) के CIRC अंतर्गत जगदलपुर CPE चैप्टर द्वारा गुरुवार, 12 नवंबर 2026 को शगुन फार्म्स, जगदलपुर में दीपावली मिलन समारोह 2026 का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में CA सदस्यों ने मनोरंजक गतिविधियों के साथ ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी सत्र में सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 3:30 बजे हुई। प्रथम सत्र में उपस्थित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं सदस्यों के मनोरंजन और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बॉक्स क्रिकेट सहित विभिन्न मनोरंजक खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। सभी सदस्यों ने इन गतिविधियों में उत्साह पूर्वक भाग लिया और दीपावली मिलन के इस अवसर का आनंद उठाया।कार्यक्रम का दूसरा सत्र शाम 6:30 बजे से 'ज्ञान की पाठशाला' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में नितिन जैन, संस्थापक पीसी प्लेनेट, जबलपुर ने GST Compliance, Audits, E-Invoicing एवं Income Tax के नवीनतम नियमों और व्यावहारिक चुनौतियों पर विस्तार से जानकारी दी।



इस अवसर पर उन्होंने बताया कि बदलते टैक्स नियमों एवं तकनीकी विकास के दौर में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अपने कार्यों को अधिक सरल, तेज और प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किस प्रकार कर सकते हैं। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी सीए विवेक सोनी द्वारा बताया गया कि सत्र का विशेष आकर्षण TallyPrime के नवीनतम संस्करण 7.2 का लाइव डेमो रहा। जिसमें नितिन जैन ने AI आधारित नई सुविधाओं एवं स्मार्ट ऑटोमेशन का व्यावहारिक प्रदर्शन करते हुए बताया कि किस प्रकार TallyPrime 7.2 के माध्यम से अकाउंटिंग, बैंक रिकन्सिलिएशन, डॉक्यूमेंट्स से डेटा एंट्री, GST अनुपालन तथा अन्य व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक आसान और व्यवस्थित बनाया जा सकता है। उपस्थित CA सदस्यों ने नई सुविधाओं को समझा तथा अपने दैनिक पेशेवर कार्यों में इनके उपयोग की संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं ऑटोमेशन भविष्य की अकाउंटिंग व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

इन तकनीकों को अपनाकर CA प्रोफेशनल्स अपने कार्यों की दक्षता बढ़ाने के साथ क्लाइंट्स को बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन CA नीरव मोतीवाला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी आमंत्रित सदस्यों का अभिवादन वरिष्ठ CA अविनाश जैन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन CA विवेक सोनी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में CA विवेक सोनी (संयोजक) एवं CA नीरव मोतीवाला (सह संयोजक) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जबलपुर के युवा व्यवसायी नितिन जैन ने GST और इनकम टैक्स के नए नियमों के साथ TallyPrime 7.2 की आधुनिक तकनीक एवं AI तकनीक पर की चर्चा

दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर पुलिस की कार्रवाई

बाइक चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार आरोपी पर कई मोटरसाइकिल चोरी के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

सरगुजा जिला के अंबिकापुर शहर में दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर पुलिस ने कार्रवाई की है।



कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत तीन लाख रुपये है। बरामद वाहनों में गांधी स्टेडियम और चौपाटी क्षेत्र से चोरी की गई बाइक भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, महुआपारा निवासी आदित्य कुजूर की होंडा ड्रीम युगा मोटरसाइकिल 12 नवंबर को गांधी स्टेडियम के बाहर से चोरी हुई थी। उन्होंने वाहन खड़ा किया था, लेकिन लौटने पर बाइक गायब मिली। शिकायत के आधार पर कोतवाली थाने में अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने चोर की तलाश शुरू की। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देश पर एक पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने मामले की जांच करते हुए मुखबिरों को सक्रिय किया। मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने संदेही विजय गुप्ता (50) को हिरासत में लिया। उसने होंडा ड्रीम युगा चोरी करना स्वीकार किया। उसने चार अन्य मोटरसाइकिलें चोरी करना भी कबूल किया। इनमें एक बजाज सीटी, एक स्प्लेंडर प्लस और दो होंडा ड्रीम शाइन बाइक शामिल हैं।

पाउडर, नकदी और एक आईफोन पुलिस ने किया जब्त

नशीला पदार्थ एमडीएमए बेचने की फिराक में खड़ा था युवक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिले के पुरानी बस्ती पुलिस ने कुशालपुर स्थित पहाड़ी तालाब के पास एमडीएमए नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़े युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 27 हजार रुपये मूल्य का 2.65 ग्राम एमडीएमए जैसा नशीला पाउडर, बिक्री के 200 रुपये और एक आईफोन जब्त किया है। पकड़े गए युवक की पहचान इमलीडीह निवासी 26 वर्षीय रितिक मोदी के रूप में हुई है। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पहाड़ी तालाब के पास एक युवक नशीला पाउडर लेकर बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक को पकड़ लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर जींस की जेब में रखे सिगरेट के पैकेट से छोटी पॉलीथीन में रखा सफेद पाउडर मिला।



मामले से जुड़े तीन अन्य आरोपियों पर भी केस दर्ज

पुलिस पूछताछ में रितिक मोदी ने बताया कि यह नशीला पाउडर उसे रायपुर निवासी सन्नी मनवानी ने उपलब्ध कराया था। सन्नी ने इसे भिलाई-दुर्ग निवासी आरती सोनी से खरीदकर बेचने के लिए दिया था। पुलिस ने रितिक मोदी के साथ सन्नी मनवानी और आरती सोनी को भी आरोपी बनाया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस आरोपी रितिक को गिरफ्तार कर अन्य आरोपियों की भूमिका और नशीले पदार्थ की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है।

सीएम ने 5.5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों को अंतरित की 200 करोड़ की सहायता राशि

पिछोर में सर्व सुविधायुक्त स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाया जाएगा कासना नाले पर बनेगा पुल

पिछोर में बनेगा सांदीपनि विद्यालय खनियांधाना में खुलेगी पुलिस चौकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- पिछोर किले में होंगे पांच करोड़ रुपए के विकास कार्य
- मोती सागर के सौन्दर्यीकरण के लिए राशि दी जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां 221.22 करोड़ रुपए की लागत के कुल 121 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कर शिवपुरी जिलेवासियों को दीपावली की सौगात दी। इसमें 186.23 करोड़ रुपए की लागत वाले 85 कार्यों का भूमि-पूजन और 35 करोड़ रुपए की लागत के 36 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शिवपुरी जिले के पिछोर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सरकार कर रही प्रदेश के हर कोने में उद्योग स्थापित



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिवपुरी जिले को कुछ माह पहले ही 6 हजार करोड़ के डिफेंस इंडस्ट्री कॉरिडोर की सौगात मिली है। प्रदेश में अब तक 12.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर आ चुका है। ग्वालियर को केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से देश के पहले आधुनिक टेलीकॉम मैन्यूफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) की सौगात मिलने जा रही है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' प्रदेश की बहनों के सामाजिक सम्मान, वित्तीय स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पहल है, जिसे राज्य सरकार निरंतर और अधिक सशक्त बना रही है।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणाएं भी की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछोर में सांदीपनि विद्यालय बनाने, पिछोर में सर्वसुविधायुक्त स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण करने, खनियांधाना के रेडी चौराहा में पुलिस चौकी स्थापित करने, बामोरकलां में महाविद्यालय खोलने सहित कासना नाले पर एक पुल का निर्माण करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछोर के किले में 5 करोड़ रुपए की लागत से सभी जरूरी विकास कार्य कराए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ बनेगा रोबोट इंडस्ट्री का हब, आईआईटी भिलाई तैयार कर रहा ड्राफ्ट

अतुल अग्रवाल ⏭ दुर्ग

आने वाले समय में छत्तीसगढ़ रोबोट इंडस्ट्री का हब बनने जा रहा है। इसे लेकर प्रारंभिक तैयारी शुरू कर दी गई है। आईआईटी भिलाई ने इसे लेकर एक प्रोजेक्ट तैयार किया है। प्रोजेक्ट में चाइना की तरह मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक और वेल्डिंग सेक्टर में रोबोट का इस्तेमाल किया जाएगा। इसे रोबोट की जगह कोबोट कहा जाएगा। इसे लेकर 24 और 25 नवंबर को बैठक होनी है, इस बैठक में इस विषय पर चर्चा होगी। इस संबंध में मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी से पत्र व्यवहार भी किया जा चुका है। सब कुछ सही रहा, तो छत्तीसगढ़ से एक प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर जाएगा, जहां इस विषय पर चर्चा की जाएगी। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रदेश में 5 से 6 जगहों पर रोबोट इंडस्ट्री खोलने की तैयारी है, जहां रोबोट तैयार किए जाएंगे। इसके लिए सिंगापुर के एक्सपर्ट्स छत्तीसगढ़ आएंगे। एक्सपर्ट्स छत्तीसगढ़ के इंजीनियरों को रोबोट तैयार करने को लेकर ट्रेनिंग देंगे। आईआईटी भिलाई से मिली जानकारी के मुताबिक एक महीने के अंदर सारी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। बता दें कि पिछले लंबे समय से भारतीय फैक्टरियां मैन्युफेक्चरिंग में रोबोट्स के उपयोग को बढ़ावा दे रही हैं। 15 वर्ष पहले तक भारत के अलग-अलग हिस्सों में उद्योग सम्बंधी गतिविधियों के लिए सौ से भी कम रोबोट बनाए जाते थे।

हरिभूमि ब्रेकिंग

मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन सिंगापुर और छत्तीसगढ़ एजुकेशन मंत्रालय के बीच एमओयू की तैयारी

सबसे पहले वेल्डिंग सेक्टर में इस्तेमाल की तैयारी

सबसे पहले वेल्डिंग सेक्टर में रोबोट यानी कोबोट का इस्तेमाल किया जाएगा। वर्तमान में वेल्डिंग करने वाले श्रमिकों की संख्या काफी कम है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक एक साल में 100 से ज्यादा रोबोट तैयार करने की तैयारी है। विशेषज्ञों के अनुसार रोबोट का फैक्टरियों में उपयोग किया जाता है। चाइना जैसे देशों में इसका ज्यादा उपयोग हो रहा है। इसे ही रोल मॉडल मानकर इस दिशा में प्रयास शुरू किया गया है। रिमोट कंट्रोल, ऑटोमेटेड सिस्टम्स और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से इसका बेहतर इस्तेमाल करने की तैयारी है।



फैक्ट्रियों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

रोबोट के इस्तेमाल से सबसे ज्यादा फायदा फैक्ट्रियों को होगा। श्रम लागत इससे कम होगी। आईआईटी भिलाई के प्रोफेसर्स ने बताया कि वेल्डिंग रोबोट सामग्री को मिलीमीटर स्तर तक की अद्भुत सटीकता के साथ जोड़ते हैं। वेल्डिंग रोबोट दृष्टि प्रणाली और स्मार्ट एल्गोरिदम से लैस रहती है, जो विभिन्न स्थितियों के अनुसार तत्काल अपने आपको ढालने में सक्षम होता है।

तैयार किया जा रहा प्रोजेक्ट

फिलहाल प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। मिनिस्ट्री ऑफ सिंगापुर से इस बारे में चर्चा हो रही है। निर्णय शासन स्तर पर लिया जाना है। इस बारे में और अधिक कुछ नहीं बता सकता।
समरेंद्र घोष, प्रोफेसर, आईआईटी भिलाई

मोदी के नाम पर 8 हजार देने का मैसेज फर्जी

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर दिवाली पर 8,000 रुपये देने वाले मैसेज को फर्जी बताया है। साइबर ठग सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज भेजकर लोगों को लिंक पर क्लिक करने और फर्जी वेबसाइट पर मोबाइल नंबर दर्ज करने के लिए कह रहे हैं। इसके बाद लोगों से यह मैसेज 5 वॉट्सएप या टेलीग्राम ग्रुप और 20 दोस्तों को भेजने को कहा जाता है। पुलिस के मुताबिक, लिंक के जरिए ठग वॉट्सएप का एक्सेस हासिल कर सकते हैं और फर्जी एपीके ऐप डाउनलोड करवाकर बैंकिंग जानकारी, ओटीपी और मैसेज चुरा सकते हैं। इससे बैंक खाते से पैसे निकाले जा सकते हैं। पुलिस ने साफ किया कि ऐसी कोई सरकारी योजना नहीं है। लोगों को अनजान लिंक पर क्लिक न करने, एपीके फाइल डाउनलोड न करने और ओटीपी या बैंकिंग जानकारी साझा न करने की सलाह दी गई है।

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/39/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	20264314	IOH किट फॉर RR20100 CG (M) ELGI कंप्रेसर	56 सेट्स	25.11.2026
2	38262169A	स्प्रिंग प्लैंक फॉर 'कसनउब बोगीज'	2093 नंबर्स	30.11.2026
		स्प्रिंग प्लैंक फॉर 22 HS बोगी	852 नंबर्स	
3	30261165C	ड्यूल फ्लश वाल्व साइज: 32 MM, बॉडी width 75 to 80 mm, बॉडी लेंथ 145 to 160 mm	4696 नंबर्स	02.12.2026
4	38262201	बोगी सेंटर पाइवोट टॉप फॉर कसनउब बोगीज	4091 नंबर्स	03.12.2026
5	38262605A	फ्लैप डोर फॉर BCNA वैगन	3114 नंबर्स	07.12.2026
6	40261677B	20 वाट (T-S/T-5 फिटिंग 4 ft. साइज विथ a टॉलरेंस ऑफ़ प्लस–माइनस 5%) लेड फिटिंग	52842 नंबर्स	07.12.2026
7	34261139	सप्लाई ऑफ क्लोरीनेटेड रबर पेंट	166444 लीटर	31.12.2026

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को **www.ireps.gov.in** पर जाने की सलाह दी जाती है।
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर.
स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

पुलिस विभाग-बैंक-एयरलाइन पर असर, अरबों का नुकसान

माइक्रोसॉफ्ट में खराबी, भारत सहित 74 देशों में कामकाज ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट के सिस्टम में आई तकनीकी खराबी ने कुछ ऐसा ही संकट खड़ा कर दिया। भारत समेत दुनिया के 74 देशों में सरकारी संस्थानों, बैंकों, अस्पतालों, स्कूलों और एयरलाइंस का कामकाज प्रभावित हुआ।माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, समस्या की वजह एक गलत सॉफ्टवेयर अपडेट है। कंपनी इसे ठीक करने में जुटी है, लेकिन शुरुआती कोशिशें उम्मीद के मुताबिक सफल नहीं हुईं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस गड़बड़ी के पीछे गलत तरीके से हुए सॉफ्टवेयर अपडेट को वजह बताया। कंपनी के अनुसार, यह साइबर अटैक या हैकिंग का मामला नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट ने समस्या को ठीक करने के लिए कुछ बदलाव किए, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक काम नहीं कर पाए।

माइक्रोसॉफ्ट के दुनियाभर में हैं 43 करोड़ से ज्यादा यूजर्स

ये सेवाएं हुईं प्रभावित

माइक्रोसॉफ्ट की कई जरूरी ऑनलाइन सेवाओं में परेशानी आई। इनमें ईमेल के लिए आउटलुक, ऑनलाइन मीटिंग और चैट के लिए टीम्स, फाइल शेयरिंग प्लेटफॉर्म शेयरपॉइंट ऑनलाइन और एआई टूल कोपायलट 365 शामिल हैं। इसके अलावा एक्सचेंज ऑनलाइन, माइक्रोसॉफ्ट डिफेंडर और प्लानर जैसी सेवाओं पर भी असर पड़ा है। इस वजह से यूजर्स को ईमेल भेजने, ऑनलाइन मीटिंग करने, फाइल सेव करने और कंपनी के काम से जुड़ा डेटा एक्सेस करने में दिक्कत हुई।



अन्य देशों में ये सेवाएं हुईं प्रभावित

भारत के बाहर भी स्थिति गंभीर रही। हॉन्गकॉन्ग में बैंकिंग सेवाएं, ऑस्ट्रेलिया में पुलिस और खुफिया एजेंसियों का कामकाज प्रभावित हुआ। जापान में सरकारी सिस्टम और फिलीपींस में अदालतों के काम पर असर पड़ा।

भारत में यह असर

भारत में सबसे ज्यादा चर्चा हवाई सेवाओं पर पड़े असर की रही। शुक्रवार सुबह स्पाइसजेट ने दिल्ली-पुणे, दिल्ली-लेह और दिल्ली-मुंबई की तीन फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। वहीं, दरभंगा और मुंबई जाने वाली दो अन्य उड़ानों में देरी हुई। दिल्ली एयरपोर्ट के अलावा इंडिगो और अकासा एयरलाइंस ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों को एयरपोर्ट निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करने की सलाह दी। हालांकि, एयर इंडिया ने कहा कि उसकी उड़ानों पर कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी ने ईमेल ट्रैफिक को कुछ समय के लिए दूसरे रास्ते से भेजने की व्यवस्था की, ताकि यात्रियों के संदेश मिलते रहें।

साइबर अटैक वाली थ्योरी भी वायरल

आउटेज के दौरान सोशल मीडिया पर भी साइबर हमले की आशंका जताई जाने लगी। सवाल यह था कि आखिर माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनी की इतनी सारी सर्विसेज एक साथ कैसे ठप हो सकती हैं? क्या किसी हैकर ने कंपनी के सिस्टम को निशाना बनाया या फिर माइक्रोसॉफ्ट के अपने सर्वर और नेटवर्क में कोई बड़ी गड़बड़ी हुई? सोशल मीडिया साइबर अटैक वाली थ्योरी वायरल है। कुछ एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि एआई के पावरफुल मॉडल्स यूज करके साइबर अटैक किया गया है।

वांगचुक ने किया नजरबंद करने का दावा

लेह। क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने दावा किया कि पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया है। उन्होंने गुरुवार रात वीडियो जारी कर कहा कि उनके घर के बाहर भारी पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात है। पुलिस उन्हें घर से बाहर जाने नहीं दे रही है। दूसरी तरफ लद्दाख पुलिस का कहना है कि यह हाउस अरेस्ट नहीं है। यह चुनाव के दौरान लागू निषेधाज्ञा का पालन है।

कार्यालय वन मंडल अधिकारी, सामान्य वन मंडल कटनी
मो. 9424792725, Email: dfotkatn@mp.gov.in
सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना
ई-निविदा विज्ञप्ति

कटनी वनमंडल के अन्तर्गत वर्ष 2026-27 में विभिन्न योजना अन्तर्गत अधिनस्थ परिक्षेत्रों में वृक्षारोपण क्षेत्र तैयारी कार्य, भवन निर्माण हेतु भवन निर्माण हेतु विद्युत फिटिंग (कॉपर) वायर एवं सीलिंग फैन, पी.व्ही.सी. पाईप एवं अन्य सामग्री क्रय करने के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्यप्रदेश के **www.mpteders.gov.in** में प्रकाशन दिनॉक से दिनांक 03/12/2026 को सायं 05 :30 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं।

क्र.	विवरण	
1	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र बेवसाइड www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500/- रुपए (पॉच सौ रुपए मात्र)
3	धरोहर राशि	213000/- रुपए (दो लाख तेरह हजार रुपए मात्र)
4	निविदा प्रपत्र की ऑनलाईन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से
5	प्री-बिड मीटिंग	दिनांक 20/11/2026 को प्रात: 12.00 बजे
6	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 03/12/2026 को सायं 05.30 बजे
7	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 04/12/2026 को सायं 05.30 बजे

(गर्वित गंगवार) भा.व.से.
वन मंडल अधिकारी,
सामान्य वन मंडल कटनी
G-21452/26

कार्यालय वन मंडल अधिकारी, सामान्य वन मंडल कटनी
मो. 9424792725, Email: dfotkatn@mp.gov.in
सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना
ई-निविदा विज्ञप्ति

कटनी वनमंडल के अन्तर्गत वर्ष 2026-27 में विभिन्न योजना अन्तर्गत अधिनस्थ परिक्षेत्रों में वृक्षारोपण क्षेत्र तैयारी कार्य, भवन निर्माण हेतु भवन निर्माण हेतु पेन्ट एवं पुटटी सामग्री क्रय करने के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्यप्रदेश के **www.mptenders.gov.in** में प्रकाशन दिनॉक से दिनांक 03/12/2026 को सायं 05 .30 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं।

क्र.	विवरण	
1	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र बेवसाइड www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500/- रुपए (पॉच सौ रुपए मात्र)
3	धरोहर राशि	39000/- रुपए (उन्नतालिस हजार पाँच रुपए मात्र)
4	निविदा प्रपत्र की ऑनलाईन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से
5	प्री-बिड मीटिंग	दिनांक 20/11/2026 को प्रात: 12.00 बजे
6	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 03/12/2026 को सायं 05.30 बजे
7	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 04/12/2026 को सायं 05.30 बजे

(गर्वित गंगवार) भा.व.से.
वन मंडल अधिकारी,
सामान्य वन मंडल कटनी
G-21454/26

शराब सिंडिकेट का फाइनेंशियल मैनेजर विकास दुबई में गिरफ्तार

रायपुर। राज्य के चर्चित शराब घोटाला प्रकरण में लंबे अरसे से फरार चल रहे विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू को दुबई पुलिस ने हिरासत में लिया है। आरोपी सिंडिकेट का फाइनेंशियल मैनेजर होने के साथ ही शराब घोटाला के किंग पिन अनवर ढेबर का करीबी साथी था। उसके द्वारा अवैध कमाई इकट्ठा करने और उसे आगे पहुंचाने में उसकी भूमिका बताई गई है।

गिरफ्तार आरोपी शराब सिंडिकेट का कैश मैनेजर था। वो घोटाले से प्राप्त आय का हिसाब अपने पास रखता था। ईडी की टीम द्वारा विकास अग्रवाल के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज किए जाने की जानकारी निकलकर सामने आई है। आरोपी के प्रत्यर्पण के बाद पूछताछ में हवाला नेटवर्क और विदेश में बनाई गई संपत्तियों का पता चल सकता है। उल्लेखनीय है कि विकास अग्रवाल का नाम शराब घोटाला में पहले सामने आया था। आरोप है कि अनवर ढेबर के कहने पर सुब्बू काम करता था। जो जानकारी निकलकर सामने आई है उसके मुताबिक विकास अग्रवाल को दुबई पुलिस ने अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी अब जानकारी निकलकर सामने आई है। शराब घोटाले के इस पूरे खेल में सरकारी शराब दुकानों की भूमिका भी अहम थी।

सीजीपीएससी की संशोधित चयन सूची अब तीन महीने ही रहेगी वैध, अवधि बढ़ाने पर रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भर्ती प्रक्रिया में संशोधन, अनुपूरक सूची की समय सीमा भी निर्धारित

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) ने भर्ती प्रक्रिया में संशोधित चयन सूची और अनुपूरक सूची की वैधता को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब ऐसी सूची जारी होने के बाद उसकी प्रभावशीलता अधिकतम तीन महीने तक ही रहेगी। तीन महीने की अवधि पूरी होने के बाद किसी भी परिस्थिति में इसकी वैधता नहीं बढ़ाई जा सकेगी। आयोग ने चयन प्रक्रिया नियम-2014 में संशोधन करते हुए यह प्रावधान किया है।



नई चयन सूची जारी होने पर पुरानी सूची की वैधता समाप्त

नए नियम के अनुसार, रिक्त पदों पर चयन के दौरान संशोधित चयन सूची अथवा अनुपूरक सूची जारी होने की स्थिति में उसकी वैधता तीन महीने अथवा उसी पद के लिए नई चयन सूची जारी होने की तारीख तक रहेगी। दोनों में जो तारीख पहले आएगी, उसी दिन संशोधित सूची की प्रभावशीलता समाप्त हो जाएगी।

न्यायालय के आदेश पर भी तीन महीने की सीमा

आयोग ने न्यायालय के आदेश के पालन में चयन सूची में संशोधन की स्थिति को भी स्पष्ट किया है। यदि पहले जारी चयन सूची के स्थान पर संशोधित चयन सूची जारी की जाती है और कोई पद रिक्त नहीं छोड़ा जाता, तब भी संशोधित चयन सूची अथवा अनुपूरक सूची की वैधता तीन महीने ही रहेगी। नियम में स्पष्ट किया गया है कि तीन महीने की अवधि पूरी होने के बाद किसी भी परिस्थिति में संशोधित चयन सूची अथवा अनुपूरक सूची की वैधता नहीं बढ़ाई जाएगी। यह संशोधन चयन सूची के प्रभावी रहने की अवधि को निर्धारित करता है।

वैवाहिकी
वर-वधू चाहिए

म.प्र. राजपूत समाज
9वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 13 दिसंबर 2026
महाराणा प्रताप भवन, चार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल -16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइट पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
पंजीयन हेतु अंतिम तिथि
रविवार, 06 दिसंबर 2026
पंजीयन शुल्क 500 रुपए ऑनलाइन एवं 800 रुपए ऑफलाइन (पंजीयन शुल्क में डाकपुस्तक एवम परिचय का वैदिक विवाह सम्मिलित है।)
मो. 91780 81582, 98274 47830
98268 13196, 94250 84606, 98268 13124

आवश्यकता है

(1) एकाउंटेंट- 1पद- (युवती/महिला) GST, Tally, Excel, सेल पर्चेज, स्टॉक एवं बैंकिंग का अनुभव हो। (2) सुपरवाईजर- 5पद (टोल नाके में काम करने के इच्छुक लोग भी मिले) (3) मैं के निकला- 2पद (जो आलराउंडर हो, गाड़ियां क्रेशर मेंन्टेनेन्स अनुभवी हो) (4) ड्राईवर- 4पद Bs6 टाटा हाईवा, 12चक्का चलाने हेतु (हैवी लायसेंस, 5वर्ष अनुभवी,(5) 4पद बस ड्राइवर स्लीपर कोच ऑल इंडिया परमिट अशोक लिलैण्ड 13.5 मीटर की बसे लम्बी दूरी इन्टर स्टेट चलाने का अनुभवी लायसेंस बैच सहित, (6) 1 पद HM लोडर Bs6 आपरेटर (7) एक मुंशी खदान क्रेशर में काम करने का अनुभवी हो। वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा आईडी, आधार कार्ड लायसेंस फोटो सहित सम्पर्क करें- मा शारदा क्रेशर उद्योग माईन्स, नर्मदा नगर, बिलासपुर 9893900999 ईमेल करें - stbm999@gmail.com- (बिलासपुर / 15 / नवम्बर) (42299)

कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
शुक्ला ग्राउण्ड के पास वार्ड नं. 39 छिन्दवाड़ा 480001 दूरभाष एवं फैक्स नंबरः- 07162-222346
ई-मेलः- commchhindwara@mpurban.gov.in बेबसाईटः- chhindwaranagarnigam.com

क्रमांक/4844/लोनिवि/नपानि/2026-27 **- प्रथम निविदा सूचना -** छिन्दवाड़ा दिनांक 12/11/26

एतद् द्वारा शासकीय विभागों के उपयुक्त तथा सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_548353_1 Dated 14/11/2026	वार्ड नं. 15 रमेश ठाकुर से बी.एल. साहू एवं अजय सिंह से चौरसिया जी तक सीसी नाली निर्माण कार्य	1. 253204 2. 2 माह	1. 2000 2. 4000	30/11/2026

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री, नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा

राशिफल

मेष मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की

शब्द पहेली - 6407



बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली- 6406 का हल

सा	ल		ब	ला		य	म		श	र
या		क	ल		जो	श		जा	य	ज
	कै	द		श	र		का	न	न	
न	दी		खे	मा		का	त	ना		जा
म		जा	ल		का	य	र		ता	ल
	मा	न		र	म	ल		का	ला	
का	या		बी	न	ना		रा	म		सी
र		क	ह	र		शो	र		बा	धा
	की	च	इ		सा	ला		री	त	
क	म	रा		ख	र		सी	ता		द
म	त		जी	त		मा	मा		दा	म

सूडोकु नवताल - 6417

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

कठिनतम

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6416 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

BANGAL SENACHA, BANGALORE

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 15 नवंबर 2026

देश में बढ़ती बुजुर्गों की आबादी

एक जरूरी पड़ताल



आज भले ही हमारे देश में युवाओं की आबादी अधिक है। लेकिन तमाम आंकड़े और अध्ययन बताते हैं कि आने वाले कुछ दशकों में युवाओं से अधिक बुजुर्गों की आबादी हो सकती है। इसकी अनेक वजहें हैं। देश के निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर बने रहने के लिए बुजुर्ग और युवा जनसंख्या में संतुलन आवश्यक है। इसलिए इन वजहों की पड़ताल और प्रभावी कदम उठाए जाने की बहुत जरूरत है।

कवर स्टोरी
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

किसी भी देश या समाज की असली ताकत उसके युवा होते हैं। वह युवा शक्ति ही है, जो देश के विकास को गति देती है, उसकी दशा एवं दिशा तय करती है और परिवर्तन की निमित्त बनती है। खुशी की बात है कि वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की चालीस प्रतिशत से अधिक आबादी पच्चीस साल से कम उम्र के युवाओं की है। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं का प्रतिशत लगभग पैंसठ प्रतिशत है। देश के लिए यह गर्व और प्रसन्नता की बात है। लेकिन सामाजिक स्थितियां इंगित कर रही हैं कि इस खुशी की आयु बहुत लंबी नहीं है।

क्या कहते हैं आंकड़े

अपना देश बुढ़ापे की तरफ बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। इस बात की पुष्टि विविध आंकड़ों से भी होती है। आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत बूढ़ों का देश हो जाएगा। यानी, यहां युवाओं की तुलना में बूढ़ों की संख्या अधिक हो जाएगी। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1951 में भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 2 करोड़ थी। वर्ष 2011 में भारत में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की आबादी 10.16 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की लगभग 8.4 प्रतिशत थी। अगले दस वर्षों में यह आबादी बढ़ कर दोगुनी और कुल आबादी की 10.5 प्रतिशत हो गई। बताया जाता है कि वर्तमान यानी 2025 में देश में साठ वर्ष से अधिक आयु वालों की आबादी कुल आबादी की लगभग 12 प्रतिशत से कुछ अधिक है। 2030 तक देश की बुजुर्ग आबादी बढ़ कर 13.8 प्रतिशत हो जाएगी, जो देश की तत्कालीन आबादी का सातवां हिस्सा होगा। यानी देश का हर सातवां नागरिक बुजुर्ग होगा। अनुमान है कि वर्ष 2036 में देश की कुल आबादी 153 करोड़ होगी और तब तक बुजुर्गों की आबादी लगभग 23 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की 15 प्रतिशत तक हो जाएगी। इसमें 80 साल से अधिक आयु का हिस्सा ज्यादा होगा। इसी प्रकार अनुमान है कि सन् 2050 में देश की लगभग 21 प्रतिशत आबादी सीनियर सिटिजन की होगी। सन् 2075 में भारत की कुल आबादी 1.6 अरब होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 32 प्रतिशत हिस्सेदारी साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों की होगी। यानी पचास साल बाद 2075 में देश का हर तीसरा व्यक्ति सिनियर सिटिजन होगा।



कम हो रही युवा आबादी

वर्तमान समय में भारत की आबादी की औसत आयु 29 वर्ष बताई जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सन् 2021 में देश में पंद्रह से उनतीस वर्ष आयु के मध्य के युवाओं की कुल संख्या 37.14 करोड़ थी, जो कुल जनसंख्या की लगभग 28 प्रतिशत थी। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं की भागीदारी 65 प्रतिशत से भी अधिक थी। लेकिन अब इसमें गिरावट आने लगी है। अनुमान है कि सन् 2036 में देश की आबादी में युवाओं की भागीदारी घट कर मात्र लगभग 22.7 प्रतिशत रह जाएगी। कहना न होगा कि युवा आबादी घटने से देश के जनबल और कार्यबल में कमी आएगी।

बढ़ रही है औसत आयु

पिछले दो दशकों से देश में बच्चों की आबादी बहुत तेजी के साथ घट रही है, जबकि दूसरी तरफ चिकित्सा सुविधाएं तथा जीवन स्तर में सुधार के कारण आम आदमी की जीवन प्रत्याशा (औसत आयु) लगातार बढ़ रही है। अब से लगभग सौ साल पहले यानी बीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत में औसत आयु 30 वर्ष थी। छठें दशक में भारत की औसत आयु बढ़कर 43.5 वर्ष हो गई थी। 1990 में यह 58 वर्ष थी और अब अपने देश की औसत आयु लगभग 72 वर्ष हो चुकी है। एक तरफ जहां आदमी की औसत आयु लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ मृत्यु दर घट रही है।

जन्मदर में आ रही है कमी

आम आदमी की औसत आयु में वृद्धि तक तो बात ठीक है लेकिन नवजात की जन्म दर में कमी की प्रवृत्ति अवश्य चिंता का विषय है। यह प्रवृत्ति इस कारण भी चिंता का विषय है कि बच्चों के जन्म दर में गिरावट आकस्मिक नहीं बल्कि ऐच्छिक, सुविचारित और सुनियोजित है। कह सकते हैं कि आज की युवा पीढ़ी तात्कालिक फायदे के मूल्य पर देश-समाज के भविष्य के लिए मुश्किल पैदा कर रहे हैं। भारत में जन्म लेने वाले शिशुओं की वार्षिक संख्या वर्ष 2001 में 2.93 करोड़ थी। वर्ष 2023 में यह संख्या 2.32 करोड़ रह गई। यानी लगभग दो दशक की अवधि में नवजात शिशुओं की संख्या में 20 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ चुकी है।



देर से शादी भी है वजह

इस भावी समस्या का एक बड़ा कारण है शादियों में विलंब तथा युवा पीढ़ी का अपने दायित्वों से पलायन। अब से लगभग चार दशक पहले तक शादियां औसतन पच्चीस-छब्बीस वर्ष की आयु तक हो जाया करती थीं। लेकिन करियर के दबाव, जीवनशैली में बदलाव तथा सुरक्षित भविष्य की अनिश्चितता के कारण आज तीस-बत्तीस की उम्र शादी की सामान्य उम्र बन चुकी है। अधिकांश मामलों में तो यह उम्र पैंतीस या उससे भी ऊपर पहुंच चुकी है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार महिलाओं की प्रजनन क्षमता 20 से 27 वर्ष की आयु के मध्य अपने चरम पर होती है। 30 वर्ष की उम्र के बाद इस क्षमता में गिरावट आने लगती है। इससे गर्भ धारण करने की संभावना बहुत कम हो जाती है। इसी प्रकार पुरुषों में भी 35 वर्ष की उम्र के बाद शुक्राणु उत्पादन में गिरावट आने लगती है। यही कारण है कि समाज में निःसंतान दंपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो अंततः युवा आबादी में ह्रास के रूप में सामने आ रही है। इसके अलावा आज कई युवा विवाह को बंधन मानने लगे हैं। लिव इन रिलेशन के ट्रेंड से इस प्रवृत्ति को और अधिक बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे कपल्स बच्चे पैदा करने और उसका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं होते हैं। विशेष रूप से जहां पति और पत्नी दोनों नौकरी में हैं, वहां बच्चा पैदा करना एक अवांछित बोझ माना जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के विघटन ने इस सोच को और अधिक बल दिया है।

वजहें कोई भी हों, देश की घटती युवा शक्ति भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। अभी समय है कि युवाओं की घटती संख्या को गंभीरता से लिया जाए और आने वाले संभावित संकट यानी देश को बूढ़ों का देश होने से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। *

बुजुर्गों के बढ़ने की ये भी हैं अन्य वजहें

युवाओं की आबादी घटने के पीछे कुछ और कारण भी जिम्मेदार हैं। अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या तथा मार्ग दुर्घटनाएं भी युवा वर्ग की मृत्यु के कारण बन रहे हैं। पारिवारिक जिम्मेदारी, मानसिक तनाव, असुरक्षित भविष्य, नशे की लत तथा नौकरी और पढ़ाई का दबाव कई ऐसे कारण हैं, जो युवा वर्ग को आत्महत्या की तरफ ढकेल रहे हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एम्स के एक अध्ययन के अनुसार मई 2023 से अप्रैल 2024 की अवधि में घर के अंदर, ऑफिस में या यात्रा के दौरान अचानक मरने वालों में 57.2 प्रतिशत युवा थे, जिनकी औसत आयु 33.6 वर्ष थी। खास बात यह कि ऐसे मरने वालों में भी पुरुषों की संख्या महिलाओं से लगभग दो गुनी थी। किशोर वय के छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ रही है। सर्वेक्षण बताते हैं कि छात्रों की आत्महत्या की दर पिछले बारह वर्षों में 65 प्रतिशत बढ़ी है।

आत्महत्या के बाद युवा मृत्यु का दूसरा बड़ा कारण है वाहन दुर्घटना। दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु की सहभागिता कुल युवा मृत्यु का 16.4 प्रतिशत है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रति वर्ष लगभग पांच लाख मार्ग दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें प्रतिवर्ष औसतन दो लाख लोगों की मौत होती है। इसमें खास बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 85 प्रतिशत युवा होते हैं। इसके अतिरिक्त कुपोषण, बाल श्रम, बाल तस्करी, बेरोजगारी, कुंठा, नशाखोरी तथा अपराध आदि भी युवाओं की संख्या में गिरावट के कारण बन रहे हैं। देश में युवाओं की घटती आबादी के पीछे एक बड़ा कारण परिवार नियोजन की नीति भी है। 15 फरवरी 2000 को घोषित भारत की जनसंख्या नीति का उद्देश्य सन् 1945 तक देश की जनसंख्या दर को स्थिर करना है। चिंता की बात यह कि देश के 14 राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम हो गई है। पड़ोसी देश चीन इस क्षेत्र में सख्ती का दुष्परिणाम भुगत चुका है। इसलिए हमें सजग रहना जरूरी है।

लाइब्रेरी से किताबें अपने घर लाने की बात हो या वहीं सुकून से बैठकर अपनी पसंदीदा पुस्तक पढ़ने की, लाइब्रेरी शब्दों से रिश्ता जोड़ने की प्यारी जगह है। अब तो डिजिटल फॉर्म में भी यह खूब लुभा रही है। नेशनल लाइब्रेरी वीक (14-20 नवंबर) के अवसर पर लाइब्रेरी की उपयोगिता पर एक नजर।

कायम है किताबों से जुड़ाव



लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

मानवीय जीवन में पुस्तकें पढ़ने की उपयोगिता हमेशा से रही है। शब्दों से जुड़ाव के इस माध्यम की भूमिका हर दौर में अहम रही है। यूं भी बेहतरी की ओर बढ़ते रहने के लिए किताबों के पन्ने पलटने का चाव, उम्र के हर पड़ाव में रहना ही चाहिए। ऐसे में पुस्तकालय यानी पुस्तकों के आलय का महत्व भी सदा ही रहेगा।

लाइब्रेरी की महत्ता: लाइब्रेरी का अंग्रेजी शब्द लाइब्रेरी का ही हिंदी रूपांतर है। यह शब्द लैटिन भाषा के 'लाइवर' शब्द से बना है, जिसका अर्थ पुस्तक होता है। स्पष्ट है कि कहीं न कहीं यह पुस्तकों से जुड़ाव बनाने वाली मुहिम है। जिसके तहत अध्ययन, पठन, रिसर्च और ज्ञान के प्रसार के लिए कई तरह की पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, डॉक्यूमेंट्स और संसाधनों को व्यवस्थित तरीके से संग्रहित किया जाता है। कई महंगी किताबें, लिमिटेड एडिशन वाली पुस्तकें, रिसर्च पेपर्स आदि बिना खर्चा किए यहां पढ़े जा सकते हैं। किफायत, सहूलियत और आमजन में अवेयरनेस लाने वाले स्थलों के रूप में पुस्तकालयों की अहमियत आज भी कायम है। पुस्तकालय, सिर्फ एक इमारत भर नहीं होते। यह शिक्षित और जागरूक समाज बनाने का सपना साधने की भी जगह होती है। यहां का परिवेश जन-जागरूकता का केंद्र होता है।



यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य: रीडिंग हैबिट्स बढ़ाने के साथ ही लोगों को बुक्स का महत्व समझाने के लिए हमारे देश में भारतीय पुस्तकालय संघ द्वारा 1968 से हर वर्ष 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाया जाता है। असल में नेशनल लाइब्रेरी वीक में आयोजित होने वाली बहुत-सी एक्टिविटीज लोगों को किताबों से जोड़ने का काम करती हैं। इस अवसर पर स्कूल, कॉलेज और पब्लिक लाइब्रेरीज में पुस्तक प्रदर्शनियां, क्विज, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और स्टोरी टेलिंग-रीडिंग से जुड़े कई कार्यक्रम होते हैं।

जुड़ाव की जगह: लाइब्रेरी सिर्फ किताबें पढ़ने की जगह नहीं होती। किताबों का यह घर बहुत से लोगों को अपनेपन, वैचारिक संवाद और आपसी जुड़ाव का भी अवसर देता है। यहां नियमित आने वाले लोग अच्छे मित्र बन जाते हैं। ज्ञान-विज्ञान के विषयों पर अच्छी चर्चा होती है। खासकर पब्लिक लाइब्रेरीज में तो समाज के हर वर्ग के लोगों को बिना किसी भेदभाव के फ्री पुस्तकें मिलती हैं। इतना ही नहीं शिक्षण संस्थानों की एकेडेमिक लाइब्रेरीज में भी स्टूडेंट्स में अच्छा आपसी जुड़ाव बनता है। स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए बनाई गई लाइब्रेरीज नए विचारों और आइडियाज को समझने का कोना होते हैं। इतना ही नहीं पुस्तकालयों को पीढ़ियों का सेतु भी कहा जाता है। यहां पर बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों में साझा संवाद होता है। एक ही छत के नीचे बैठकर हर आयुवर्ग के लोग पुस्तकें पढ़ते हैं, तो विचार साझा करने का मार्ग भी निकलता है। ऐसे में पुस्तकालय बुजुर्गों को सोशल आइसोलेशन से भी बचाते हैं।

होते हैं अनेक लाभ: यहां विद्यार्थी किसी एक ही विषय पर अलग-अलग दृष्टिकोण से लिखी कई पुस्तकें पढ़कर भी समृद्ध होते हैं और अलग-अलग विषयों की बहुत सारी किताबें पढ़कर भी समान रुचि वाले स्टूडेंट्स मिलकर कुछ नया रचने-गुनने की साझी राह पकड़ते हैं। यूके में हुई एक स्टडी के मुताबिक शांत और सुरक्षित माहौल में नियमित रूप से पढ़ना और सार्वजनिक स्थानों पर दूसरों के साथ उपस्थिति महसूस करना तनाव, चिंता और अकेलेपन के जोखिम को कम करता है। देखने में आता है कि बहुत से लोग लाइब्रेरीज में मेंटल हेल्थ, स्ट्रेस मैनेजमेंट और सकारात्मक जीवनशैली पर लिखी गई किताबें भी पढ़ते हैं। मानसिक तनाव कम करने और जीवन को नया दृष्टिकोण देने वाली ऐसी पुस्तकें आमतौर पर अकादमिक पुस्तकों की तरह खरीदकर कम ही पढ़ी जाती हैं। ज्ञान के प्रसार का जीवंत केंद्र माने जाने वाले पुस्तकालयों में बैठकर इन्हें पढ़ने वाले इनसे खूब लाभान्वित होते हैं। अपने जीवन की सार्थक दिशा तलाशने का प्रयास करते हैं।

तकनीक ने बदला रूप: हालिया वर्षों में डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से भी लोग किताबों तक पहुंचने लगे हैं। पुस्तकों का यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी हर आयुवर्ग में तेजी से पॉपुलर हो रहा है। असल में डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा डेटाबेस है, जहां पुस्तकें, थीसिस, विभिन्न विषयों से जुड़ी ऑडियो, वीडियो एवं दूसरी शैक्षिक सामग्री डिजिटल रूप में संग्रहित की जाने लगी है। इंटरनेट की मदद से इस इलेक्ट्रॉनिक कंटेंट को कंप्यूटर, टैबलेट या स्मार्टफोन के माध्यम से कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है। हमारे यहां नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय खूब चर्चित हो रहे हैं। सबसे अहम यह है कि यह सब सामग्री हर समय आपके पास होती है। नई पीढ़ी के बच्चों को डिजिटल दुनिया के पुस्तकालय खूब लुभा रहे हैं। वास्तविक हो या वर्चुअल, किताबों से जोड़ने वाले ये ठिकाने आज भी अपनी अहमियत बनाए हुए हैं। *

लघुकथा / संजीव ठाकुर

फैशन

ड्राइवर हमारे घर आते-आते भीग गया था। उसने अपने घर से फोन किया था कि बारिश हो रही है, वह थोड़ी देर से आएगा। मैंने कहा था, 'कोई बात नहीं, लेकिन आना जरूर। हम तैयार बैठे हैं, जाना जरूरी है।' मैंने उसे एक अतिरिक्त ड्रेस भी साथ रख लेने की सलाह भी दी थी। वह खाली हाथ आया था! अतिरिक्त ड्रेस साथ रखना उसे अपनी शान के खिलाफ लगा होगा। उसकी गीली कमीज को देखकर मैंने पूछा, 'इसी तरह जाओगे? मैंने तो तुम्हें कहा था!' 'चला जाऊंगा। रास्ते में सूख जाएगी!' उसने जवाब दिया। अचानक मेरे मन में आया कि मेरे पास जो टी-शर्ट रखी है, किसी की दी हुई, जिसका रंग मुझे पसंद नहीं है, किसी को देनी ही है, इसी को दे देता हूं!

मैं उसे गेट पर रुकने को बोलकर कमरे के अंदर चला गया, टी-शर्ट निकाल लाया। मैंने कहा, 'इसे पहन लो, नई है।' उसने अपनी गीली कमीज उतार कर टी-शर्ट पहन ली लेकिन पहनते ही बोला, 'ढीली है!' मैंने कहा, 'ढीली ही है न, गीली तो नहीं? ये देखो, मैंने भी ढीली कमीज ही पहन रखी है।'

मुझे लगा कि उसे ढीली की जगह अपनी गीली



कमीज पहनने का ही मन था लेकिन फिर भी वह ढीली पहनकर ही गाड़ी में बैठ गया।

करीब एक सौ बीस किलोमीटर की यात्रा कर हमें अपनी बेटी के इंस्टीट्यूट में जाना था। बीच रास्ते में हम चाय के लिए रुके। चाय पीते हुए हम पति-पत्नी ने गौर किया कि टी-शर्ट उस पर ठीक ही लग रही है। लेकिन उसके मन में क्या चल रहा है, यह हम नहीं समझ पाए। यह हम तब समझ पाए, जब बेटी के इंस्टीट्यूट पहुंचे और गाड़ी रोकते ही उसने त्वरित गति से पॉलीथीन से अपनी आधी गीली कमीज निकालकर पहन ली और टी-शर्ट उसी पॉलीथीन में पैक कर दी! *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

पत्नी केंद्रित कहानियां

वरिष्ठ कथाकार नवनीत मिश्र की पत्नी केंद्रित ग्यारह कहानियों का संग्रह 'बेटर हाफ' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। ये कहानियां पत्नी के नजरिए से दांपत्य जीवन के अंतरे-कोने में झांकती हैं। ये कहानियां सवाल उठाती हैं कि अर्धांगिनी के रूप में आने के बाद भी स्त्री के प्रति पुरुष की मानसिकता प्रायः क्यों अपने पुरुषत्व से मुक्त नहीं हो पाती है? इस लिहाज से 'बेटर हाफ' और 'मकड़ा' कहानी को विशेष तौर पर पढ़ा जा सकता है। 'व्यक्तिगत डायरीः कृपया इसे न पढ़ें' स्त्रीत्व की अनुभूति की मार्मिक कथा है। 'रिश्ते' कहानी में पुरुष से स्वयं अलग होने



का निर्णय लेने वाली एक स्त्री के द्वारा उठाया गया सवाल, झकझोर देता है। संग्रह की लगभग हर कहानी में अलग-अलग नजरिए से बिना शोर मचाए स्त्री विमर्श अभिव्यक्त हुआ है। भाषा की रवानगी और शिल्प की चुंबकीय बुनावट ने इन कहानियों में गजब की पठनीयता उत्पन्न कर दी है। *

पुस्तक: बेटर हाफ (कहानी संग्रह),
लेखक: नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए,
प्रकाशक: भावना प्रकाशन, दिल्ली

व्यंग्य
भूपेंद्र भारतीय

क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

क्षेत्र की खुशी के लिए!

पिछले दिनों नेताजी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना करते हुए पवित्र नदी में डुबकी लगाने गए थे। क्षेत्र की खुशहाली के लिए अच्छे से डुबकी लगाई व खुद के मन की शांति के लिए स्नान भी किया। अपना नहीं, दूसरों का भला हो, ऐसा सोचने वाले अब कम ही लोग मिलते हैं। वह भी राजनीति के क्षेत्र में! लेकिन हमारे नेताजी क्षेत्र के बारे में बहुत सोचते हैं। उनकी राजनीति, उनके क्षेत्र की खुशी में ही चल रही है। अपने क्षेत्र को खुश देखना उनकी राजनीतिक यात्रा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वे क्षेत्र की खुशी में ही स्वयं की खुशी मानते हैं!

अपने क्षेत्र की खुशी के लिए दिन-रात क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं। दो तीन कारें उनके दौरे के लिए दौड़ती ही रहती हैं। क्षेत्र के विकास के लिए आई राशि से क्षेत्र का विकास भले ना हो लेकिन नेताजी उस राशि से स्वयं तीर्थ करके क्षेत्र की खुशी की कामना करना नहीं भूलते हैं। कैसे भी हो क्षेत्र की जनता खुश रहनी चाहिए। इसीलिए क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। कहीं किसी उपदेशक ने कोई कथा सुनानी शुरू की नहीं कि नेताजी उसके चरणों में क्षेत्र की खुशी के लिए दंडवत हो जाते। दंडवत होते हुए नेताजी के चेले उनका फोटो सोशल मीडिया पर झट से पोस्ट कर देते हैं। सोशल मीडिया पर भी क्षेत्र की जनता खुश हो जाती है। कामना हर ओर से चलती रहती है। कामना में कोई कमी नहीं रहने देते हैं।



क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है, तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, क्षेत्र में कार से घूमते हुए कोई मतदाता दिख गया तो उस मतदाता तक कार से उतरकर पैदल जाना इत्यादि ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

ऐसा नहीं है कि वे क्षेत्र की खुशी की कामना में सिर्फ पैदल ही चलते हैं बल्कि क्षेत्र की खुशी के लिए भूमि पूजन, उद्घाटन, दीप प्रज्ज्वलित करना, जनता को संबोधित करना, नए कार्यों का शुभारंभ करना, गरीब की झोपड़ी में जाकर भोजन करना इत्यादि कार्य उन्होंने प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल कर रखा है। कैसे भी करके क्षेत्र के लोगों को खुश होना चाहिए। क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। यदि क्षेत्र की खुशी की कामना में नेताजी के अकेले की दौड़भाग में कोई कमी पड़ने लगती है तो वे अपने घर व परिवार वालों को भी इसमें लगा देते हैं। कभी-कभी तो रिश्तेदारों तक को क्षेत्र की खुशहाली के लिए लगाना पड़ता है। इसमें कोई मुश्किल नहीं होती क्योंकि उनके दूर दूर के रिश्तेदार भी नेतागीरी में ही सक्रिय हैं।

क्षेत्र की जनता को व्यापार करने में परेशानी होती है तो नेताजी अपने घर में से पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई, भतीजे आदि को क्षेत्र की जनता के बीच रहकर व्यापार करने के लिए भी भेज देते हैं। अकसर ऐसे व्यापार में बड़ी चुनौतियां व झंझट होते हैं, इसलिए वे अपने परिवार तक को इसमें झोंक देते हैं। जनता को किसी संकट में नहीं डालते हैं। ऐसे व्यापार में शराब ठेके का लाइसेंस हो, रेत खनन, निजी स्कूल चलाना, सड़कें बनाना हो, सरकारी भूमि की तलाश करना इत्यादि जैसी गंभीर व्यापारिक चुनौतियों में भी बगैर झिझक के नेताजी स्वयं व अपने परिवार, नातेदारों को झोंक देते हैं।

जनता की खुशी में ही उनकी खुशी रहती है। किसी के मरने पर या फिर क्रियाकर्म में भी पहुंचकर नेताजी क्षेत्र की खुशी ही देखते हैं। वैसे वे मृत्युभोज के खिलाफ हैं, लेकिन उस आयोजन में जाते जरूर हैं, क्षेत्र की जनता की खुशी के लिए। और सोशल मीडिया पर स्वयं की छवि के प्रबंधन के लिए भी।

विवाह के आशीर्वाद समारोह में पहुंचकर क्षेत्र की खुशी के लिए आशीर्वाद लुटाते हैं। जब भी किसी आयोजन में होते हैं, अपने भाषणों में सबसे पहले क्षेत्र की खुशी की कामना से ही भाषण को दिशा देते हैं। विधानसभा व संसद की कार्यवाही में भाग लेने से ज्यादा उन्हें सड़कों पर धरना या आंदोलनों में क्षेत्र की खुशी दिखती हैं। उन्हें हर कदम पर क्षेत्र की खुशी की कामना ही दिखती है। विश्वविद्यालय की समितियों में अपने लोगों को फिट करना हो या फिर मंत्रालयों में अपने कार्यकर्ताओं को बैठाना हो, नेताजी ऐसे मामलों में भी क्षेत्र की खुशी की कामना का अवसर निकाल ही लेते हैं। ग्राम पंचायत के चुनाव से लेकर संसद की बहसों तक वे क्षेत्र की खुशी की तलाश में ही रहते हैं। सरकारी विदेश यात्राओं में भी वे पूरी तरह से क्षेत्र की खुशी का ध्यान रखते हैं। सच, जिस क्षेत्र में ऐसे नेता मौजूद हों तो वहां के लोगों को खुशी के मारे पागल होने से कोई नहीं बचा सकता। *

अंडर-19 एशिया कप : पाकिस्तान को हरा कर भारत 9वीं बार चैंपियन, मनाल-मोहित ने पलटी बाजी

एजेंसी ▶▶| अल अमेरत

एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 1 विकेट से हराया और नौंवी बार खिताब अपने नाम किया। पाकिस्तान से मिले 338 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने मैच की आखिरी गेंद पर 9 विकेट खोकर हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। आर्यवीर सहवाग और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने मिलकर पहले विकेट के लिए 17.4 ओवर में 95 रन जोड़े। आर्यवीर 61 गेंदों का सामना करने के बाद 58 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके लगाए। वहीं, लक्ष्य 101 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 80 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वीके विनीत अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 24 रन बनाकर आउट हुए।

अर्जुन राजपूत 16 रन ही बना सके, जबकि यशवर्धन चौहान 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ 12 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए। आर्यन सावसानी भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और 9 रन बनाकर आउट हुए। काव्या पटेल बिना खाता खोले पवेलियन लौटे।



मोहित ने लास्ट गेंद पर लगाया विजयी चौका

9वें विकेट के लिए मनाल चौहान और मोहित उल्वा ने 35 गेंदों में 57 रनों की साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा। मनाल पारी के 48वें ओवर में 32 गेंदों में 47 रन बनाने के बाद आउट हुए। उन्होंने अपनी इस महत्वपूर्ण पारी में 3 चौके और तीन छक्के लगाए। मनाल के आउट होने के बावजूद, मोहित क्रीज पर खड़े रहे और 26 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाकर टीम को जीत दिलाकर लौटे। मोहित ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 3 छक्के लगाए। भारतीय टीम को आखिरी गेंद पर 3 रनों की जरूरत थी, लेकिन मोहित ने शानदार चौका लगाकर टीम को यादगार जीत और खिताब दिलाया।

उस्मान खान ने लगाया शतक

इससे पहले, पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 337 रन बनाए। पाकिस्तान अंडर-19 टीम की शुरुआत बेहतरीन रही। हयाम खान और उस्मान खान ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 8.1 ओवर में 62 रन जोड़े। हयाम 23 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उस्मान ने अब्दुल कादिर के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 135 रन की बड़ी साझेदारी की। अब्दुल कादिर ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 54 गेंदों में 80 रन बनाए। उनकी पारी में 3 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। दूसरी ओर, उस्मान खान ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन शतक लगाया। उन्होंने 111 गेंदों पर 107 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। कप्तान फरहान यूसुफ ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया। उन्होंने 60 गेंदों में 63 रन की पारी खेली और 4 चौके तथा 3 छक्के लगाए। भारत की ओर से काव्या पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 68 रन देकर 4 विकेट लिए। चिगुरुपति वेंकट ने 40 रन देकर 3 विकेट झटके, जबकि अर्जुन राजपूत को 1 विकेट मिला।

खबर संक्षेप



सैफ चैंपियनशिप : भूटान को हराकर फाइनल में भारत

ढाका। गत चैंपियन भारत ने पीवी विष्णु और चिंगलेनसाना सिंह के गोल की बदौलत भूटान को 2-1 से हराकर सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। विष्णु ने आठवें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। उन्होंने लंबे पास को नियंत्रित करने के बाद दाएं पैर से लगाए शॉट पर भूटान के गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। भारत ने 27वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। किपगेन की ओर से लिए गए कॉर्नर पर भूटान के खिलाड़ी गेंद को क्लीयर नहीं कर सके और इसका फायदा उठाते हुए चिंगलेनसाना ने नजदीक से शानदार गोल दाग दिया। भूटान ने 48वें मिनट में तोबदेन के गोल से वापसी की। ग्येल्तशेन के बॉक्स के अंदर से लगाए गए शॉट के बाद तोबदेन ने हेडर से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। यह मुकाबला सैफ चैंपियनशिप के इतिहास में वीएआर प्रणाली के पदार्पण का भी गवाह बना।

एशियाई कप : भारत ने गुआम को 12-0 से हराया



कुआलालंपुर। भारतीय टीम ने राज सिंह वाहेंगबाम और डल्लालमुआन गंगटे की हैट्रिक की बदौलत एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप मुकाबले में गुआम को 12-0 से करारी शिकस्त दी। यह भारत की टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। ग्रुप ई के इस मुकाबले में वाहेंगबाम ने चार गोल दागे। उन्होंने 55वें, 73वें, 83वें और 84वें मिनट में गोल किए। वहीं, गंगटे ने 13वें, 27वें और 32वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत के लिए अन्य गोल लियो थोंगबाम (पांचवां मिनट), ऋषिकेश मानवथी (20वां मिनट), डेविड मंगांग इरोम (53वां मिनट), फेलिक्स मीतई सैखोम (56वां मिनट) और रिस्टिक मैती (87वां मिनट) ने किए। लियो थोंगबाम ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

कोलंबो में 'टेस्ट ट्वेंटी' की शुरुआत

कोलंबो। लड़कों और लड़कियों की टीमें मिलकर एक ही मैच के नतीजे में योगदान देंगी। क्रिकेट के इस नए मिश्रित प्रारुप 'टेस्ट ट्वेंटी' की शुरुआत हुई। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन, श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल आर्नोल्ड और भारत के जाने-माने कोच राजकुमार शर्मा मौजूद थे। क्रिकेट के चौथे प्रारुप के रूप में पेश किए गए 'टेस्ट ट्वेंटी' में 80 ओवर का मुकाबला होगा, जिसमें चार पारियां खेली जाएंगी। प्रत्येक टीम को 20-20 ओवर की दो पारियां खेलने का मौका मिलेगा और पहली पारी में बनाए गए रन दूसरी पारी के स्कोर में जुड़ेंगे। इस प्रारुप में टेस्ट और टी20 क्रिकेट के तत्वों को शामिल किया गया है और मुकाबले एक ही दिन में पूरे होंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे आज

स्विंग की चुनौती, टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा, दांव पर सीरीज

मैच का समय भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

भारतीय बल्लेबाज रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एकदिवसीय में स्विंग लेती गेंदों के सामने बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे क्योंकि इस मुकाबले से शृंखला का नतीजा भी तय होगा।

भारत को तेज गेंदबाजी की अनुकूल पिचों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में भी उसे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सीरीज में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रोहित, अय्यर

पूरे बल्लेबाजी क्रम की नाकामी को देखते हुए किसी एक खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। हालांकि रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर 5 मैच की इस शृंखला में अब तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। अय्यर का कप्तान के रूप में पदार्पण भी निराशाजनक रहा। हेनरी की शानदार गेंद पर रोहित चकमा खा गए और स्लिप में कैच दे बैठे जबकि अय्यर तेज गति से अंदर की ओर आई गेंद पर पगबाधा हो गए। केवल एक प्रारुप में खेलने वाले रोहित और विराट कोहली के लिए यह मुकाबला न्यूजीलैंड के संभवतः अपने आखिरी दौरे पर दर्शकों का मनोरंजन करने का अंतिम मौका हो सकता है।



न्यूजीलैंड के सामने करो या मरो का मुकाबला

दूसरी ओर न्यूजीलैंड के सामने शृंखला बराबर करने के लिए एक और करो या मरो का मुकाबला है। चौथे एकदिवसीय में अर्धशतक जड़कर सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अपने करियर को नई दिशा दी होगी जबकि स्लिप में दो बार कैच छूटने के बाद विल यंग ने शानदार शतक जड़ा। भारतीय तेज गेंदबाजों को शुरुआती 10 ओवर में सलामी बल्लेबाजों को हावी होने से रोकना होगा।

सात वर्षों में अपनी धरती पर सीरीज नहीं हारा न्यूजीलैंड

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले ब्रेट रैंडेल को बे ओवल में खेलने का मौका मिलता है। न्यूजीलैंड ने पिछले सात वर्षों से अपनी धरती पर कोई शृंखला नहीं गंवाई है और ऐसे में वह चोट खाए लेकिन मजबूत प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अपना यह रिकॉर्ड बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगाएगा।

जल्दी आउट होना चिंता का विषय : गंभीर

गंभीर ने कहा, 'ये ऐसी परिस्थितियां हैं, जो विश्व कप के दौरान मिलने वाली परिस्थितियों के सबसे करीब होंगी। बड़ी चिंता रन बनाने की नहीं है बल्कि यह है कि हम कितनी जल्दी आउट हो गए। हम 26 या 27 ओवर में ही सिमट गए। यह हमेशा चिंता का विषय होता है।'



गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर : अय्यर

कप्तान अय्यर ने कहा कि दूसरी पारी में परिस्थितियां गेंदबाजों के काफी अनुकूल हो गई थीं लेकिन दोनों टीम के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर था। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर 9 रन कर दिया था जबकि भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती पावरप्ले में कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। गुरनूर बरार और आकिब नबी ने दो-दो विकेट चटकाए लेकिन रन भी लुटाए। शृंखला का अपना पहला मुकाबला खेलने उतरे कुलदीप यादव के खिलाफ विल यंग ने जमकर रन बनाए। टेस्ट टीम से रिलीज किए गए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप न्यूजीलैंड दौरे का समापन यादगार प्रदर्शन के साथ करना चाहेंगे।

वैभव ने बनाया नया कीर्तिमान

15 साल की उम्र में कप्तानी का ताज



एजेंसी ▶▶| इंदौर

किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कप्तानी करते हुए पुरुष टी20 क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया।

सूर्यवंशी ने 15 साल और 232 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने क्रोएशिया के जैक वुकुसिक का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। बिहार की टीम ने घरेलू टी20 प्रतियोगिता के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए युवा खिलाड़ी को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि इस मुकाबले में सूर्यवंशी बल्ले से खास योगदान नहीं दे सके। उन्होंने 12 गेंद में 18 रन बनाए और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया की गेंद पर उन्हीं को कैच दे बैठे।

दलीप ट्रॉफी में संभाली थी पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तानी

होलकर स्टेडियम में टॉस जीतकर बिहार ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। यह नियुक्ति इस युवा खिलाड़ी के तेजी से बढ़ते करियर में एक और उपलब्धि है। उन्होंने महज 5 महीने पहले भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। उन्हें 2026-27 दलीप ट्रॉफी के लिए इशान किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तान भी नियुक्त किया गया था। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के टी20 दौरे पर था, जहां उन्होंने दो मैच खेले और 49 रन बनाए। इस शृंखला में उनका 19 गेंद में 45 रन का योगदान खास रहा था।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : मुंबई ने हैदराबाद को दी करारी शिकस्त, सूर्यकुमार ने ठोके 21 गेंद में 60 रन

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

सूर्यकुमार यादव की 21 गेंद में खेली गई नाबाद 60 रन की तूफानी पारी की बदौलत मुंबई ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। मुंबई ने केवल 13.1 ओवर में 3 विकेट खोकर 172 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। सूर्यकुमार ने अपनी विस्फोटक पारी में छह चौके और पांच छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 285.71 का रहा। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर जाधवपुर विश्वविद्यालय परिसर मैदान पर मुंबई के दबदबे का नमूना पेश किया।

मुंबई ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 13.1 ओवर में 3 विकेट पर 174 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। युवा बल्लेबाज मुशीर



खान ने भी 24 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 51 रन की शानदार पारी खेली। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में 172 रन बनाए।

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को हराया

मुंबई। कृणाल पंड्या के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के बावजूद बड़ौदा को शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप ए मुकाबले में चंडीगढ़ के हाथों 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पंड्या ने निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाए, जिससे बड़ौदा की टीम छह विकेट पर 148 रन बनाने में सफल रही। सलामी बल्लेबाज शिवालिक शर्मा ने 42 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली, लेकिन बड़ौदा की टीम पूरी पारी के दौरान रन गति बढ़ाने के लिए संघर्ष करती रही। भारतीय टीम के खिलाड़ी जितेश शर्मा और दीपक हुड्डा भी बल्ले से कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके।

नेशन्स लीग : नीदरलैंड ने यूनान को 7-0 से हराया, रेनडर्स ने लगाई हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| एम्सटर्डम

नीदरलैंड ने यूएफा नेशंस लीग फुटबॉल मुकाबले में यूनान को 7-0 से करारी शिकस्त देकर नए कोच जावी के मार्गदर्शन में अपना अजेय अभियान जारी रखा जबकि जुर्गेन क्लॉप की जर्मनी की टीम ने सर्बिया को 3-1 से हराया।

इन नतीजों से अब ग्रुप में शीर्ष स्थान पर रहने के लिए दोनों दिग्गज कोच की टीमों के बीच निर्णायक मुकाबले का मंच तैयार हो गया है। खेले गए मुकाबले में नीदरलैंड की शानदार जीत में तिजानी रेनडर्स ने हैट्रिक लगाई जबकि ज्यूरियन टिम्बर ने दो गोल दागे। क्रिसेंसियो समरविल



ने छठे मिनट में गोल करके नीदरलैंड का खाता खोला। इसके बाद रेनडर्स ने 21 मिनट के भीतर तीन गोल दागे। टिम्बर ने दो और गोल किए जबकि डॉनील मैलेन ने सातवां गोल करके टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। ग्रुप ए2 में शीर्ष पर काबिज नीदरलैंड से जर्मनी तीन अंक पीछे है। दोनों टीम सोमवार को बर्लिन में आमने-सामने होंगी।

टेस्ट टीम से कुलदीप रिलीज, बरार को मौका

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन



तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए शनिवार को भारतीय टीम में शामिल किया गया जबकि स्पिनर कुलदीप यादव को रिलीज (टीम से हटा लेना) कर दिया गया क्योंकि इस शृंखला में तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिचें मिलने की उम्मीद है।

बीसीसीआई ने कहा, 'पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए भारतीय टीम में गुरनूर बरार को शामिल किया है।' बयान के अनुसार, 'कुलदीप यादव को भारत में जारी घरेलू क्रिकेट में खेलने के लिए टेस्ट टीम से रिलीज किया जाएगा।' टेस्ट टीम में चयन के बाद बरार रविवार को माउंट मोनगानुई में होने वाले पांचवें और अंतिम एकदिवसीय मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। बरार की हार्ड लेंथ से अतिरिक्त उछाल हासिल करने की क्षमता मेजबान टीम के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।

कुमामोतो मास्टर्स : अल्वी फरहान को तीन गेम में हराया

लक्ष्य ने लगातार दूसरी बार फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| कुमामोतो

लक्ष्य सेन ने कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को तीन गेम में हराकर लगातार दूसरे पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई।

दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने छठे वरीय फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य की हांगझोउ में होने वाले बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें



भी मजबूत हुई हैं। आठवें वरीय लक्ष्य फिलहाल बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर रैंकिंग में 64,980 अंकों के साथ 12वें स्थान पर हैं। सत्र के अंत में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने के लिए उन्हें शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी। फाइनल में उनका सामना जापान के कोकी वातानाबे और दूसरे वरीय थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

मुकाबला आसान हो गया : लक्ष्य

लक्ष्य ने कहा कि निर्णायक गेम में शुरुआती बढ़त हासिल करने से उनके लिए मुकाबला आसान हो गया। उन्होंने कहा, 'तीसरे गेम में शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखना महत्वपूर्ण था। जब स्कोर 11-6 हो गया तो कोर्ट बदलने के बाद के अगले तीन अंक बेहद अहम थे।'

विश्व टूर रैंकिंग के शीर्ष 8 में पहुंचने की संभावना

सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब जीतने पर लक्ष्य को 9,200 अंक मिलेंगे जबकि उपविजेता रहने पर उन्हें 7,800 अंक हासिल होंगे। दोनों ही परिणाम उन्हें बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर रैंकिंग के शीर्ष आठ में पहुंचा सकते हैं। हालांकि हांगकांग ओपन सुपर 500 और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट अभी बाकी हैं, जिससे रैंकिंग में बदलाव की संभावना बनी रहेगी। लक्ष्य इससे पहले फरहान के खिलाफ अपने दोनों मुकाबले हार चुके थे और इंडोनेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ एक भी गेम नहीं जीत पाए थे। लेकिन शनिवार को उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पिछली हार का हिसाब बराबर कर दिया।



आधार-पैन कार्ड में नाम और फोटो की कूटरचना कर बैंक को लगाया चूना

90 लाख के बैंक ऋण में फर्जी गारंटर बनाकर 75 लाख हड़पे

जबलपुर। बैंक से करोड़ों रुपये का ऋण हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज और दूसरे व्यक्तियों की पहचान का इस्तेमाल करने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोपियों ने कथित रूप से आधार कार्ड और पैन कार्ड में नाम व फोटो की कूटरचना कर दो व्यक्तियों का प्रतिरूपण किया और बैंक ऑफ इंडिया की नर्मदा रोड शाखा से 90 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत करा लिया। जांच में सामने आया कि स्वीकृत राशि में से 75 लाख रुपये प्राप्त कर बैंक को आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।



बिना जानकारी के बना दिया 90 लाख के ऋण का गारंटर

गोहलपुर थाना क्षेत्र के नया पुल, नालबंद मोहल्ला निवासी 63 वर्षीय दिलदार हुसैन ने शिकायत में बताया कि उन्हें बैंक ऑफ इंडिया की नर्मदा रोड शाखा की ओर से 30 दिसंबर 2025 को सूचना पत्र और 2 जनवरी 2026 को विधिक नोटिस मिला। इसमें उन्हें मेसर्स ए.बी.एस. काम नामक पार्टनरशिप फर्म के 90 लाख रुपये के ऋण में गारंटर बताया गया था। फरियादी का कहना है कि उन्होंने न तो कभी इस फर्म के लिए गारंटी दी और न ही बैंक में अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड, आयकर रिटर्न अथवा संपत्ति संबंधी कोई दस्तावेज जमा किए। इसके बावजूद उन्हें ऋण का गारंटर दर्शा दिया गया।

दूसरे की जमीन पर भी फर्जी ऋण का मामला आया सामने

शिकायत में एक अन्य घटनाक्रम का भी उल्लेख किया गया है। 23 दिसंबर 2025 को कुछ बैंक कर्मचारी ग्राम खैरी, तहसील पनागर स्थित एक प्लॉट पर पहुंचे थे। यह प्लॉट फरियादी द्वारा पूर्व में श्रीमती मोनिका ताम्रकार को विक्रय किया जा चुका था, जिस पर गोदाम बना हुआ है। बैंक कर्मचारियों ने कथित तौर पर गोदाम वाले प्लॉट पर 70 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत होने की जानकारी दी। इस दौरान वैल्यूएशन रिपोर्ट और ऋण लेने वाले की फोटो भी दिखाई गई। रिपोर्ट में दिलदार हुसैन का नाम और पता दर्ज था, जबकि फोटो किसी अन्य व्यक्ति की थी। इसके बाद फरियादी ने विभिन्न थानों और संबंधित बैंक में शिकायत की।

पुलिस जांच में बैंक से प्राप्त दस्तावेजों और गवाहों के कथनों के आधार पर तीन आरोपियों की भूमिका सामने आने की बात कही गई है। इनमें बाबी खान निवासी न्यू आनंद नगर आधारताल, जमील अली निवासी बड़ा मदार छल्ला और मोहम्मद हबीब निवासी गोहलपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कथित आपराधिक षड्यंत्र के तहत आधार कार्ड और पैन कार्ड में नाम तथा फोटो की कूटरचना की। जमील अली को कथित वकील अहमद और मोहम्मद हबीब को कथित दिलदार हुसैन के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस तरह फर्जी पहचान के आधार पर बैंक ऑफ इंडिया की नर्मदा रोड शाखा से 90 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कराया गया और 75 लाख रुपये प्राप्त कर बैंक को आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया।

पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 319(2), 318(4), 336(3), 338, 340(2) एवं 61 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। मामले में बैंक के दस्तावेजों और ऋण प्रक्रिया की जांच की जा रही है।

समय पूर्व एफडी तोड़कर काटे 29,848 रुपये, बैंक को ब्याज सहित लौटाने के आदेश

जबलपुर। बैंक आफ बड़ौदा ने चार वर्ष की अवधि के लिए कराई गई एफडी परिपक्व होने से आठ दिन पहले ही तोड़ दी और 29,848 रुपये काट लिए। उपभोक्ता की शिकायत पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने बैंक को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए कटी हुई राशि सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने के आदेश दिए हैं।

जबलपुर निवासी राजेश कुमार जैन की ओर से परिवादी ने तत्कालीन देना बैंक में 19 जून 2017 को 12 लाख 31 हजार रुपये की एफडी चार वर्ष के लिए कराई थी। इसकी परिपक्वता तिथि 19 जून 2021 थी। परिवादी ने एफडीआर बैंक में प्रस्तुत कर परिपक्वता के बाद राशि बचत खाते में जमा करने का अनुरोध किया था। अधिवक्ता अरुण जैन ने कोर्ट को बताया कि इसके बावजूद बैंक ने 11 जून 2021 को ही एफडी तोड़कर 29,848 रुपये काट लिए और शेष राशि खाते में जमा कर दी। बैंक ने बचाव में कहा कि परिवादी ने समयपूर्व भुगतान के लिए मैंडेट दिया था और उसे शुल्क की जानकारी भी दी गई थी। हालांकि, आयोग ने पाया कि बैंक इस संबंध में कोई प्रमाणित मैंडेट या समयपूर्व भुगतान का लिखित आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सका। आयोग ने माना कि एफडीआर को प्रतिभूति से मुक्त किए जाने का अर्थ यह नहीं है कि खाताधारक ने परिपक्वता से पहले भुगतान की सहमति दे दी थी। आयोग अध्यक्ष नवीन कुमार सक्सेना व सदस्य मनोज कुमार मिश्रा ने परिवाद आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए बैंक को दो माह के भीतर 29,848 रुपये पर 19 जून 2021 से अदायगी तक सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पांच हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति और दो हजार रुपये परिवाद व्यय भी देने होंगे।

मारपीट करने वाले दो भाइयों को एक-एक साल की सजा

जबलपुर। शादी की खुशियों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट करना दो सगे भाइयों को भारी पड़ गया। अदालत ने मारपीट और गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में दोनों भाइयों को एक-एक वर्ष के साधारण कारावास और 700-700 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। आठ अप्रैल, 2017 को कटंगी निवासी कैलाश बर्मन अपनी मामी सास की बेटी विनीता बर्मन के लग्नोत्सव में शामिल होने पहुंचे थे। समारोह के दौरान अशोक बर्मन, नंदू उर्फ बाबा बर्मन और शनि बर्मन ने पुरानी रंजिश को लेकर उनसे गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर तीनों ने मारपीट की। कैलाश को बचाने पहुंचे उनके बेटों के साथ भी मारपीट की गई। घटना में कैलाश के बाएं पैर और हाथ के अंगूठे में चोट आई, जबकि एक अन्य आहत के पैर में अस्थिभंग की पुष्टि हुई। शिकायत पर कटंगी पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना के बाद अभियोग-पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से आठ गवाहों के बयान कराए गए। अभियोजन के तर्कों से सहमत होते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, पाटन ने अशोक बर्मन और नंदू उर्फ बाबा बर्मन को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

फर्जी इंस्टाग्राम पेज से कपड़ों का कारोबार, अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर भी ऐंठे रुपये

साइबर ठगों ने 4 लोगों को बनाया निशाना 1.84 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी

जबलपुर। शहर में साइबर अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारी से लेकर मजदूर उपलब्ध कराने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी तक, ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। जिले के अलग-अलग थानों में ऑनलाइन धोखाधड़ी के चार मामले सामने आए हैं। इनमें ठगों ने लोगों से हजारों रुपये की रकम हड़प ली। पुलिस ने सभी मामलों में धारा 318(4) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



इंस्टाग्राम पर फर्जी कपड़ों का पेज बनाकर 53 हजार की ठगी

गोरखपुर थाना क्षेत्र में कपड़ों का ऑनलाइन कारोबार करने वाले 25 वर्षीय मिकाइल मरावी के साथ 53 हजार 462 रुपये की धोखाधड़ी हुई। फरियादी की हीरा स्वीट्स के सामने कपड़े की दुकान है। उसने इंस्टाग्राम पर ट्रेंड आउटफिट केरला नाम से बने पेज पर कपड़ों की जानकारी देखकर 29 अक्टूबर को ऑर्डर किया था। 29 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में फरियादी और उसकी बहन के एसबीआई खातों से कुल 53 हजार 462 रुपये ट्रांसफर किए गए। इसके बावजूद कपड़ों की डिलीवरी नहीं हुई। उल्टा अज्ञात मोबाइल धारक द्वारा फोन कर लगातार और पैसों की मांग की जाने लगी। ठगी का अहसास होने पर फरियादी ने पुलिस से शिकायत की।

फर्जी पहचान बताकर खाते से उड़ाए 33 हजार 996 रुपये

विजय नगर थाना क्षेत्र में शारदा मंदिर के पास माढ़ोताल निवासी 24 वर्षीय हरिवती मरावी ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हो गईं। शिकायत के मुताबिक 24 अक्टूबर 2026 को उनके सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते से 33 हजार 996 रुपये ट्रांसफर कर लिए गए। अज्ञात व्यक्ति ने कथित रूप से गलत पहचान और जाली दस्तावेज अथवा इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड का इस्तेमाल कर उन्हें भ्रमित किया और रकम हड़प ली।

फर्जी ट्रेन टिकट थमाई, 32 हजार रुपये ऐंठे

गोरखपुर थाना क्षेत्र के सेठीनगर गुप्तेश्वर निवासी 34 वर्षीय रघुवीर अहिरवार को गन्ने की कटाई के लिए मजदूरों की जरूरत थी। उन्होंने जस्ट डायल के माध्यम से मजदूरों की तलाश की। इसी दौरान एक व्यक्ति ने असम से फोन कर 15 मजदूर उपलब्ध कराने का भरोसा दिया और ट्रेन टिकट के लिए रुपये मांगे। आरोपी ने व्हाट्सएप पर ट्रेन टिकट भेजी, जिसके बाद फरियादी ने दिए गए क्यूआर कोड पर सात हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। अगले दिन आरोपी ने ट्रेन में गैस टंकी के कारण टीटीई द्वारा चालान किए जाने और जेल भेजने की धमकी का बहाना बनाकर तीन किस्तों में 25 हजार 500 रुपये और ले लिए। इसके बाद फिर 49 हजार रुपये की मांग की गई। संदेह होने पर फरियादी ने रेलवे स्टेशन जाकर टिकट की जांच कराई, जहां टिकट फर्जी निकली। मजदूर भेजने के नाम पर कुल 32 हजार रुपये की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई गई है।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 65 हजार 500 रुपये ऐंठे

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पश्चिम मध्य रेलवे में निजी सचिव के पद पर पदस्थ 50 वर्षीय प्रशांत कुमार साहू साइबर ठगी का शिकार हो गए। शिकायत के अनुसार 12 नवंबर को सुबह करीब 11 बजे उनके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने आपत्तिजनक वीडियो देखने की बात कहकर वीडियो वायरल करने की धमकी दी और यूपीआई के माध्यम से पहले 25 हजार 500 रुपये तथा फिर 40 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कर्मचारी का बायां हाथ जख्मी

आर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में काम के दौरान हादसा



जबलपुर। जबलपुर की आर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में शनिवार सुबह काम के दौरान एक कर्मचारी घायल हो गया। फैक्ट्री के ए-4 अनुभाग में प्रेस मशीन से वर्क पीस निकालते समय कर्मचारी के बाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लग गई। उक्त हादसा शनिवार की सुबह करीब 10:08 बजे हुआ । घायल कर्मचारी की पहचान तेजभान शाह, फिटर के रूप में हुई है। वह प्रेस मशीन से कार्यखंड निकाल रहा था कि इसी दौरान उनके बाएं हाथ की अनामिका अंगुली के नाखून वाला हिस्सा कट कर अलग हो गया। घटना के तुरंत बाद फैक्ट्री अस्पताल में उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा और आवश्यक उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया। आर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया के जनसंपर्क अधिकारी अविनाश शंकर ने बताया कि कर्मचारी को आवश्यक चिकित्सा सहायता और उपचार उपलब्ध कराने के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। प्रबंधन द्वारा कर्मचारी के स्वास्थ्य और उपचार पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है।



बैंक मैनेजर से 90 हजार, युवक से 47 हजार की लूट, युवती का मोबाइल छीना

चाकू की नोक पर 3 लूट की वारदातें

जबलपुर। जिले में चाकू की नोक पर लूट और मोबाइल छिनैती की तीन वारदातें सामने आई हैं। पनागर में निजी बैंक के मैनेजर से बदमाशों ने करीब 90 हजार रुपये और मोबाइल लूट लिया। दूसरी घटना में चंडी मेला देखकर लौट रहे युवक और उसके साथी को चार बदमाशों ने चाकू और हथियार की नोक पर रोककर नकदी व मोबाइल छीन लिया। वहीं सिविल लाइन क्षेत्र में हॉस्टल जा रही युवती का करीब 40 हजार रुपये कीमत का मोबाइल बाइक सवार बदमाश छीनकर फरार हो गए। तीनों मामलों में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैंक मैनेजर से 89,929 रुपये की लूट

पनागर पुलिस ने बताया कि पनागर निवासी भोले यादव क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड, बैंगलोर के पनागर ब्रांच कार्यालय में मैनेजर के पद पर पदस्थ हैं। शुक्रवार को वह टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल से किस्त कलेक्शन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में गए थे। ग्राम रिठौरी, छितरी, तिलगवां और गाजर से समूह के सदस्यों से कुल 89 हजार 929 रुपये की किस्त वसूलकर बैग में रखकर पनागर लौट रहे थे। गत दिवस दोपहर करीब 1:30 बजे तिलगवां और एलपीआर के बीच मुख्य मार्ग पर टर्निंग के पास बिना नंबर की ग्रे रंग की स्कूटी खड़ी थी। वहां तीन युवक मौजूद थे। एक युवक ने उन्हें रुकने का इशारा किया। संदेह होने पर उन्होंने बाइक निकालने का प्रयास किया, तभी एक बदमाश ने बाइक की चाबी निकाल ली और दूसरे ने चाकू अड़ाकर बैग देने की धमकी दी। बदमाश बैग में रखे 89 हजार 929 रुपये और उनका मोबाइल लूटकर एलपीआर की ओर फरार हो गए।

चंडी मेला देखकर लौट रहे युवक से 47,650 रुपये लूटे

दूसरी घटना में भरदा निवासी रूपेश बर्मन ने पुलिस को बताया कि वह बोरवेल का काम करता है। शुक्रवार को वह अपने साथी अनुज रजक के साथ पड़रिया चंडी मेला देखने गया था। वहां से काम के सिलसिले में निपनिया जाने के बाद दोनों मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। रात करीब 10:15 बजे ग्राम भरदा में बड़गैया वेयरहाउस के पास पीछे से दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर चार युवक आए और उनका रास्ता रोक लिया। एक बदमाश ने रूपेश को चाकू अड़ा दिया और स्मगलिंग करने का आरोप लगाते हुए धमकाने लगा। इसके बाद चारों बदमाशों ने दोनों युवकों को पकड़ लिया और उनके पास रखे रुपये छीनने लगे। विरोध करने पर एक बदमाश ने चाकू से रूपेश की जांघ के पास हमला किया, जबकि दूसरे ने कट्टे की बट जैसी वस्तु से उसके सिर पर वार किया। अनुज के सिर पर भी किसी वस्तु से हमला किया गया। बदमाश रूपेश की जेब से 44 हजार 750 रुपये, अनुज के पास से 2 हजार 900 रुपये और मोटोरोला कंपनी का एच-17 फ्यूजन मोबाइल छीनकर जलगांव-निपनिया की ओर भाग गए।

हॉस्टल जा रही युवती का मोबाइल छीना

तीसरी घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार सिवनी निवासी रजनी सल्लाम लता गर्ल्स हॉस्टल से रैपिडो ऑटो से अपने हॉस्टल लौट रही थी। रास्ते में ओटीपी बताने के लिए उसने बैग से मोबाइल निकाला। इसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल पर आए दो युवक उसका करीब 40 हजार रुपये कीमत का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240